शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, ● www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 139 | गुवाहाटी | शनिवार, 10 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सीएम हिमंत ने कहा गुड जॉब पेज 3
आईएनएस विक्रांत के लिए फ्रेंच राफेल मरीन ने अमेरिकी एफ/ए-18 को पीछे छोड़ा पेज 4
कानपुर के विकास के लिए काम कर रही डबल इंजन की सरकार : योगी आदित्यनाथ पेज 5
रात आठ बजे के बाद शराब बिक्री तो अधिकारी होंगे सस्पेंड पेज 8

असम-मेघालय सीमा समझौते पर हाईकोर्ट की रोक

शिलांग। मेघालय हाईकोर्ट ने असम-मेघालय सीमा समझौते पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया है। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के सांग्मा और असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने मार्च में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें 12 विवादित स्थानों में से कम से कम छह में सीमा का सीमांकन किया गया था, जिसकी वजह से अक्सर दोनों राज्यों के बीच विवाद होता था। समझौते को लेकर मेघालय के चार पारंपरिक प्रमुखों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिसपर न्यायमूर्ति एच एस थांगखिव ने छह फरवरी, 2023 को सुनवाई की अगली तारीख तक अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया। वहीं न्यायमूर्ति थंगख्यू ने कहा कि अगली तारीख तक कोई भौतिक सीमांकन या जमीन पर सीमा चौकियों का निर्माण नहीं किया जाएगा। पारंपरिक प्रमुखों ने अपनी याचिका में उच्च न्यायालय से दो पूर्वोत्तर राज्यों के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन को रद्द करने का आग्रह किया था, जिसमें दावा किया गया था कि यह संविधान की छठी अनुसूची के प्रावधानों का उल्लंघन करता है, जो आदिवासी क्षेत्रों के प्रशासन के लिए विशेष प्रावधानों से संबंधित है। उन्होंने आरोप लगाया कि समझौता ज्ञापन पर संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त इलाकों के प्रमुखों और उनके दरबारों से परामर्श या सहमति लिए बिना हस्ताक्षर किए गए थे। याचिकाकर्ताओं ने यह भी दावा किया कि समझौता सैद्धांतिक रूप से संविधान के अनुच्छेद 3 के प्रावधान के विपरीत था, जिसके तहत संसद विशेष रूप से मौजूदा राज्यों -शेष पृष्ठ दो पर

समान नागरिक संहिता बिल राज्यसभा में पेश

नई दिल्ली। राज्यसभा में शुक्रवार को भारी हंगामे के बीच भापजा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने भारत में समान नागरिक संहिता विधेयक, 2020 पेश किया। जिसका विपक्षी सदस्यों ने जमकर विरोध किया। बिल को पेश करने के बाद मतदान हुआ, जिसके पक्ष में 63 वोट पड़े, जबकि विपक्ष में 23 वोट डाले गए। देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने के वादे को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से भाजपा यह प्रस्ताव रखा। बता दें कि देश में इस मुद्दे पर काफी लंबे समय से सियासी घमासान जारी है। इस बिल में मांग की गई है कि देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने के लिए एक नेशनल इंस्पेक्शन एंड इनवेस्टिगेशन कमिशन बनाया जाए। अब राज्यसभा में भी - शेष पृष्ठ दो पर

महिलाओं के लिए अलग कानून पर गडकरी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली में एक निजी चैनल के कार्यक्रम में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि अगर कोई पुरुष किसी महिला से शादी करता है तो यह स्वाभाविक है। लेकिन अगर कोई चार शादियां करता है तो यह अप्राकृतिक है। इसलिए प्रगतिशील और शिक्षित मुसलमान ऐसा नहीं करते हैं। केंद्रीय सड़क, परिवहन और -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा नहीं चाहती मुस्लिम कई शादियां करें : हिमंत

मोरीगांव। हिमंत विश्व शर्मा ने पहले कहा था कि मैं मुस्लिम बहनों से कहूंगा कि बदरुद्दीन की बात मत सुनो। दो से ज्यादा बच्चे पैदा मत करो। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि उनकी सरकार चाहती है कि प्रवासी मुस्लिम के बच्चे मदरसों में पढ़कर जुनाब, इमाम बनने के बजाय डॉक्टर और इंजीनियर बनें। अगर असमिया हिंदू परिवारों के डॉक्टर हैं तो मुस्लिम परिवारों के भी डॉक्टर होने चाहिए। शर्मा ने गुरुवार को कहा कि कई विधायक ऐसी सलाह नहीं देते क्योंकि उन्हें *पोमुवा* मुसलमानों के वोट चाहिए। शर्मा मोरीगांव में एक जनसभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी नीति साफ है, हम सभी का विकास चाहते हैं। हम ये नहीं चाहते कि मुस्लिमों के बच्चे खासकर पोमुवा मुस्लिम मदरसों में पढ़ने जाएं और वहां से *जुनाब* और *इमाम* बनकर निकलें। बता दें कि पूर्वी बंगाल या बांग्लादेश से आए बंगाली भाषी मुसलमानों को असम में *पोमुवा मुस्लिम* कहा जाता है। शर्मा ने लोकसभा सांसद बदरुद्दीन अजमल के उस बयान की भी आलोचना की, जिसमें उन्होंने हिंदुओं को कम उम्र में शादी करने और बच्चे पैदा करने की सलाह -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी में आग से 25 घर जलकर राख, लाखों की संपत्ति का नुकसान

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के फटाशील आमबारी इलाके में शुक्रवार की रात लगी भयावह आग में 25 घर जलकर राख हो गए। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार की रात फटाशील आमबारी के जीएमसी कॉलोनी में आग लगने की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन की दर्जनों टीमों ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के दौरान लगभग 15 सिलेंडरों में विस्फोट होने की वजह से आग ने और भी भयावह रूप ले लिया। आग बुझाए जाने तक 25 से अधिक घर पूरी तरह जलकर राख हो गए। इलाके में 70 परिवार रह रहे थे। हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त की है कि शार्ट-सर्किट या रसोईघर से -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

हिमाचल में सीएम पर मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर घमासान

शिमला। हिमाचल कांग्रेस में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर घमासान मचा हुआ है। विधायकों की 3 बजे होने वाली बैठक रात 8 बजे शुरू हुई। कांग्रेस प्रभारी राजीव शुक्ला, पर्यवेक्षक भूपेश बघेल और भूपेंद्र हुड्डा बैठक के लिए पार्टी मुख्यालय पहुंचे। विधायकों से बातचीत के बाद पर्यवेक्षक अपनी रिपोर्ट हाई कमान को देंगे। अंतिम फैंसला हाई कमान करेगा। राजीव शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा और अंतिम निर्णय पार्टी के आलाकमान द्वारा लिया जाएगा। वहीं, कांग्रेस नेता सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हम मुख्यमंत्री की दौड़ में नहीं हैं। पार्टी आलाकमान जो फैसला करेगा हम उसके साथ हैं। बता दें कि शिमला में पार्टी कार्यालय में कांग्रेस विधायक दल की बैठक शुरू हो गई है। बैठक में कांग्रेस के -शेष पृष्ठ दो पर

1,500 करोड़ की 14 विकास परियोजनाओं का सीएम ने किया उद्घाटन

गोलाघाट (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को 1,500 करोड़ रुपए की 14 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। असम सरकार द्वारा शुरू किए गए *बीकाखोर बाबे एटा पोखेक* (विकास के लिए एक पखवाड़ा) के तहत यह कार्यक्रम गोलोघाट जिले में आयोजित किया गया। इस योजना के तहत कुल 11 जिलों में विकास के कार्य एक पखवाड़े में शुरू किए जाएंगे। बंगाईगांव -शेष पृष्ठ दो पर

Door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मुस्लिम महिलाओं की शादी की उम्र पर एससी की केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं के लिए शादी की एक समान उम्र की मांग वाली राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया। राष्ट्रीय महिला आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी कि कम उम्र के मुस्लिम लड़कियों की शादी को वैध ठहराया जाता है, जिससे पाक्सो एक्ट का उल्लंघन होता है। बता दें कि राष्ट्रीय महिला आयोग ने धर्म के -शेष पृष्ठ दो पर

विवाह समारोह में सिलेंडर फटा, 60 झुलसे, सात की मौत

जोधपुर। जोधपुर का शेरगढ़ क्षेत्र के भूंगरा गांव में विवाह समारोह में हुए सिलेंडर विस्फोट के बाद देखते ही देखते खुशियां मातम में तब्दील हो गई। गैस सिलेंडर के धमाके से लगी आग में बारात में शामिल होने आए 60 से अधिक लोग झुलसे हैं। इस हादसे में अभी तक 7 लोग मर चुके हैं। गंभीर झुलसे 51 लोगों को जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरानन दो मासूमों की मौत हो गई। वहीं, 10 से अधिक लोग इस हादसे में 80 फीसदी से अधिक झुलसे हैं जो जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने पर जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता और ग्रामीण एसपी अनिल कयाल शेरगढ़ के भूंगरा गांव पहुंचे। उसके बाद जोधपुर पहुंच कर सभी झुलसे लोगों की कुशल क्षेम ली है। शेरगढ़ थाना अधिकारी ने 2 सिलेंडर के फटने की पुष्टि की है। पांच वर्षीय रतन सिंह और चार साल की खूशबू की मौके पर ही मौत गई। जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर अमित शाह 14 को करेंगे बात

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच जारी सीमा विवाद को लेकर दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से 14 दिसंबर को मुलाकात करेंगे। राकांपा के एक नेता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अमोल कोल्हे ने यहां महाराष्ट्र विकास आघाड़ी (एमवीए) के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ शाह से मुलाकात करने के बाद पत्रकारों से यह बात कही। महाराष्ट्र के शिरुर से लोकसभा के सदस्य कोल्हे ने पत्रकारों से कहा कि बैठक के दौरान एमवीए प्रतिनिधिमंडल -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

किसी लक्ष्य की सिद्धि में कभी शत्रु का साथ ना करें।
- **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

एमसीडी चुनाव दो कांग्रेसी पार्षद आप में शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली एमसीडी चुनाव में जीत कर इतिहास बदलने वाली आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को एक बड़ा झटका दिया। कांग्रेस के 2 नव निर्वाचित निगम पार्षद शुक्रवार को आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए है। कांग्रेस के मुस्तफाबाद से चुनाव लड़ चुके दिल्ली कांग्रेस के उपाध्यक्ष अली मेंहदी भी आप में शामिल हो गए हैं। इसके अलावा, बृजपुरी वार्ड से नाजिया खातून भी आप में शामिल हुई हैं। बता दें कि 250 वार्डों के दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी के 134 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है, जबकि भाजपा ने 104 सीटें जीती हैं।

सीएम योगी की बदमाशों को चेतावनी

चौराहे पर कोई बहन-बेटी को छेड़ेगा तो पुलिस अगले पल उसे ढेर कर देगी

कानपुर। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को कानपुर पहुंचे। यहां वीएसएसडी कॉलेज ग्राउंड में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने बदमाशों को खुली चेतावनी दी। कहा कि अब कोई अपराधी जो पहले एक चौराहे पर बहन-बेटी को छेड़ता हो। दूसरे चौराहे पर डकैती डालने का दुस्साहस करता हो। अब नहीं कर पाएगा क्योंकि सीसीटीवी कैमरा एक-एक गतिविधि को कैद करके रखेगा। योगी ने कहा कि अगर किसी ने एक चौराहे पर शरारत की या डकैती डाली तो अगले चौराहे पर भागने से पहले ही वह सारी तस्वीरें कैद हो जाएंगी। अगले चौराहे पर पहुंचते-पहुंचते पुलिस उसको ढेर कर चुकी होगी। सीएम योगी ने कहा कि कानपुर ने अपने उद्योग के लिए पहचान बनाई। कुछ लोगों की नजरें कानपुर पर रहीं और ये शहर दुर्व्यवस्था का शिकार हो गया। कानपुर की पहचान मोक्षदायनी के रूप में बनी। पीएम मोदी ने खुद कानपुर आकर गंगा में गिरने वाले सीसामऊ नाले को बंद कराया। नाले को सेल्फी पॉइंट में बदल दिया गया। नमामि गंगे परियोजना का सबसे क्रिटिकल पॉइंट कानपुर था। आज कह सकता हूं कि कानपुर में किए गए प्रयोग के बाद प्रयागराज में गंगा भी आचमन लायक हो गई है। कानपुर में मेट्रो की शुरुआत पीएम मोदी ने की। मेट्रो के सेकेंड और थर्ड फेज का लोकार्पण करने के लिए जल्द पीएम मोदी आएंगे। डिफेंस कॉरिडोर का मुख्य केंद्र बिंदु कानपुर है। सीएम -शेष पृष्ठ दो पर

उपमुख्यमंत्री फडणवीस से मिले श्रद्धा के पिता

मुंबई (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से शुक्रवार को आफताब पूनावाला की क्रूरता का शिकार बनी श्रद्धा वाकर के पिता विकास वाकर ने मुलाकात की। विकास ने आरोपित आफताब को फांसी की सजा दिलाने की मांग की। शुक्रवार को श्रद्धा वाकर के पिता विकास वाकर ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष किरीट सोमैया के साथ उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से मिलने पहुंचे। मुलाकात के बाद विकास वाकर ने पत्रकारों को बताया कि उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने उनकी बातों को ध्यान से सुना और न्याय का भरोसा दिलाया है। वाकर ने कहा कि श्रद्धा की मौत से हम -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

आज का युवा, कल का भविष्य है : राष्ट्रपति

देहरादून (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज दून विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में 36 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। समारोह में वर्ष 2021 के स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी के 669 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले 36 विद्यार्थियों में 24 छात्र शामिल थी। उन्होंने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की थीम 'उभरती नारी शक्ति' को चरितार्थ किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देवभूमि उत्तराखंड को नमन करते हुए कहा कि आज दून विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लेकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। डिग्री और मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि इस दिन की स्मृति इन विद्यार्थियों के जीवन-यात्रा के सबसे यादगार अनुभव में से एक रहेगी। आज इन विद्यार्थियों का एक सपना साकार हो रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह विश्वविद्यालय शिक्षा के विभिन्न मानकों पर एक उत्कृष्ट संस्थान के रूप में अपनी पहचान बनाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी देश की प्रगति, उसके मानव संसाधन की गुणवत्ता पर निर्भर होती है। मानव संसाधन की गुणवत्ता, शिक्षा की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। आज का युवा, कल का भविष्य है, इस सूत्र वाक्य को अंगीकार करते हुए, दून विश्वविद्यालय को सिर्फ राज्य स्तर पर ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर गुणवत्तापरक मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में कार्यरत रहना है। राष्ट्रपति ने कहा कि दून विश्वविद्यालय युवाओं को सक्षम बनाने के लिए उन्हें कौशल प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है। विश्वविद्यालय द्वारा पांच विदेशी भाषाओं और तीन स्थानीय भाषाओं का भी अध्ययन व अध्यापन कार्य किया जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा स्थानीय भाषाओं को प्रोत्साहित करना हमारी लोक संस्कृति की संरक्षण का सराहनीय प्रयास है। हमारी लोक भाषाएं हमारी संस्कृति की अमूर्त धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि हम स्वाधीनता के 75 वर्ष पूरे होने पर आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। हमारा राष्ट्रीय लक्ष्य है कि देश को अगले पच्चीस वर्षों के अमृत-काल में विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करें। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए युवा शक्ति का सहयोग अधिक महत्वपूर्ण होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि विश्वविद्यालय में 'सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी चेयर स्थापित की गई है, जो राज्य के विकास के लिए नीति-निर्माण और क्षमता विकास के लिए समर्पित है। डॉ. नित्यानंद हिमालयी शोध एवं अध्ययन केंद्र भी स्थापित किया गया है, जिसमें राज्य के भौगोलिक, ईकोलॉजिकल, आर्थिक और सामाजिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों में शोध और अध्ययन को प्रोत्साहित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में राष्ट्रीय स्तर के अनेक संस्थान भारतीय सैन्य अकादमी, भारतीय वन्य जीव संस्थान, लाल बहादुर शास्त्री अकादमी, वन अनुसंधान संस्थान, भारतीय पेट्रोलियम अनुसंधान संस्थान तथा गोविंद बल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय विद्यमान हैं जिनकी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दून विश्व विद्यालय भी इन संस्थानों की तरह ख्याति प्राप्त करेगा। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत करते हुए कहा कि आज एक सुखद अनुभूति रही है। आज दून विश्वविद्यालय में सर्वोच्च मातृशक्ति के रूप में माननीय राष्ट्रपति जी हम सभी को आशीर्वाद प्रदान करने उपस्थित हुई हैं। विश्वविद्यालय ने पूरे वर्ष के लिए 'उभरती नारी शक्ति' थीम को आत्मसात किया है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हमारे सामने है। दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संघर्षमय जीवन का फलक अत्यंत व्यापक रहा है। उनकी प्रगतिशील चेतना ही थी जिसने इन भीषण संघर्षों की ज्वाला में तपाकर उनको विश्व के सबसे ब ? लोकतांत्रिक देश भारत की राष्ट्रपति होने का गरिमामय आसन प्रदान किया। राष्ट्रपति जी का जीवन संघर्ष के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण की भी प्रेरणादाई मिसाल है। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करना वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य है।

हिमाचल में 16 नवनिर्वाचित विधायक दसवीं और 12वीं पास, 63 विधायक करोड़पति

शिमला (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में इस बार 68 नवनिर्वाचित विधायकों में से 16 केवल 10वीं और 12वीं पास हैं। नौ विधायक 10वीं और सात विधायक 12वीं पास हैं। 52 विधायकों की शैक्षणिक योग्यता स्नातक व इससे ऊपर है। इसमें 16 विधायक स्नातक, 19 विधायक स्नातकोत्तर, 15 विधायक स्नातक प्रोफेशनल और 02 डॉक्टरेट हैं। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफोर्म (एडीआर) ने चुनाव परिणाम आने के बाद ये आंकड़े जारी किए हैं। इस बार करोड़पति विधायकों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। 68 में 63 विधायक करोड़पति हैं, जबकि 2017 में करोड़पति विधायकों की संख्या 52 यानि 76 प्रतिशत थी। 2022 में यह संख्या बढ़कर 63 यानि 93 प्रतिशत हो गई। कांग्रेस के 40 में से 38 और भाजपा के 25 में से 22 तथा तीन निर्दलीय विधायक भी करोड़पति हैं। इनमें 34 यानी 50 फीसदी विधायकों की संपत्ति पांच करोड़ से अधिक, 23 की दो करोड़ से पांच करोड़, 9 की 50 लाख से दो करोड़, दो की 50 लाख से कम है। चौपाल से भाजपा विधायक बलबीर वर्मा के पास सर्वाधिक 128 करोड़ की संपति है। दूसरे नंबर पर कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह हैं, जो 101 करोड़ के मालिक हैं। जबकि आनी से भाजपा के लोकेंद्र कुमार की सबसे कम संपत्ति 29 लाख है। इस बार चुने गए 28 विधायकों पर आपराधिक और 12 पर गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। कांग्रेस के 40 में से 23 विधायकों और भाजपा के 25 में से 05 विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। एक विधायक पर हत्या का मामला दर्ज है। कांग्रेस के 09 और भाजपा के 03 विधायकों पर गम्भीर आपराधिक मामले हैं। वर्ष 2017 की विधानसभा में 22 विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज थे जो आंकड़ा अब 28 पहुंच गया है। उम्र की बात करें तो 68 में से 29 नवनिर्वाचित विधायक 25 से 50 साल के बीच और 38 विजेता प्रत्याशी 51 से 80 साल के बीच के हैं। महिला प्रतिनिधित्व की बात करें तो इस बार 68 में से केवल एक महिला विधायक बनीं हैं। 2017 में महिला विधायकों की संख्या चार थी।

सीआरपीएफ जवान फंदे से लटका

बक्सा (हि.स.)। बाक्सा जिला के न्यू भोटेपोवाबाड़ी में सीआरपीएफ जवान नबा दास का शव शुक्रवार की सुबह ससुराल में फंदे से लटकता हुआ मिला। जवान के पिता ने पत्नी दीपास्मिता दास के परिवार वालों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। बाक्सा जिला के पश्चिमी खागराबाड़ी निवासी जवान नबा दास अपनी पत्नी दीपास्मिता दास के न्यू भोटेपोवाबाड़ी स्थित अपनी ससुराल में रह रहा था। उसका शव शुक्रवार की सुबह रहस्यमय तरीके से फंदे पर लटकते हुए मिला। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। जवान के पिता ने पत्नी दीपास्मिता दास के परिवार वालों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। मृतक जवान के पिता का आरोप है कि पूर्व में भी उसकी पत्नी दीपास्मिता दास के परिवार वाले काफी प्रताड़ित करते थे। सूचना मिलते ही स्थानीय जालाह पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया। साथ ही इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एनसीपीसीआर का निर्देश : गैर-मुस्लिम छात्रों को प्रवेश देने वाले मदरसों की जांच कराएं राज्य

नई दिल्ली। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर ऐसे सभी सरकारी वित्तीय मदद ले रहे और मान्यता प्राप्त मदरसों की जांच के निर्देश दिए हैं, जो गैर-मुस्लिम बच्चों को प्रवेश दे रहे हैं। एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने बताया कि हमें यह शिकायत मिली है कि कुछ मदरसों में गैर-मुस्लिम बच्चों को बिना उनके परिजनों की इजाजत के धार्मिक शिक्षा दी जा रही है। यह भी संज्ञान में आया है कि कुछ राज्य और केंद्र शासित प्रदेश उन्हें छात्रवृत्ति भी दे रहे हैं। यह सीधे तौर पर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 28(3) का उल्लंघन है, जो शैक्षणिक संस्थानों को माता-पिता की अनुमति के बिना बच्चों को किसी धार्मिक शिक्षा में भाग लेने के लिए बाध्य करने से रोकता है। आयोग का मानना है कि ये बेहद गंभीर मामला है, जिसकी जल्द जांच होनी चाहिए। आयोग ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को निर्देश दिया है कि वे राज्य के क्षेत्र में आने वाले सभी गैर-मुस्लिम बच्चों को प्रवेश देने वाले सरकारी वित्त पोषित एवं मान्यता प्राप्त मदरसों की विस्तृत जांच कराएं। जांच में ऐसे मदरसों में जाने वाले बच्चों के साथ बातचीत कर भी स्थिति की जांच करने की बात कही गई है। आयोग ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को इस निर्देश पर उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी 30 दिन के भीतर जमा कराने को कहा है। बता दें कि मदरसा ऐसे संस्थान हैं, जहां बच्चों को धार्मिक शिक्षा दी जाती है। ये तीन तरह के होते हैं- मान्यता प्राप्त, गैर-मान्यता प्राप्त और जिनकी पहचान नहीं हुई हो।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

नगांव (हि.स.)। नगांव जिला के कामपुर के कुवारिआटी में शुक्रवार को हुई एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति की पहचान पुरनीगोदाम निवासी संजय बराक के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया है कि तेज रफ्तार ट्रक (एमएलएक्स-9812) के खाई में गिरने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया है कि ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खाई में पलट गया। ट्रक के मालिक की पहचान कसुवा के संखोला निवासी अबू बक्क सिदिक के रूप में हुई है। घायल युवक को फिलहाल कामपुर एफआरयू में प्रेषित किया गया। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ। ज्ञात हो कि ट्रक पलटने से पहले एक घर के बरामदे को भी तोड़ दिया।

रॉयल एनफील्ड ने जू-रोड के 4एसेस में हिमालयन के 3 नए रंगों को किया लांच

गुवाहाटी। रॉयल एनफील्ड ने आज जु रोड के एजे टावर स्थित 4एसेस एनफील्ड रिटेल प्रा. लिमिटेड के शोरूम में हिमालयन के 3 नए रंगों को लांच किया। इस सिलसिले में शोरूम के निदेशक श्री चिराग गुप्ता ने कहा कि नए लांच किए गए रंगों में ग्लेशियर ब्लू, ड्यून ब्राउन व स्लीट ब्लैक शामिल हैं, जो हमारे रॉयल एनफील्ड के जू रोड़ स्थित शोरूम में उपलब्ध हैं। इस अवसर पर अभिजीत दास ने कहा कि हिमालयन को ग्रिल और साइड पैनल पर एक नए डिबॉस्ड लोगो के रूप में और मानक के रूप में एक यूएसबी चार्जिंग पोर्ट के साथ कुछ अपडेट किया गया हैं। नए लांच किए गए सभी रंग हिमालयी क्षेत्र में देखे गए रंगों से प्रेरित हैं। उदाहरण के लिए, ग्लेशियर ब्लू रंग, हिमालय में ठंडे ग्लेशियरों से प्रेरित है, जबकि ड्यून ब्राउन नुब्रा घाटी, लद्दाख में टीलों के रंग जैसा दिखता है। ये सभी नए रंग मौजूदा पाइन ग्रीन, ग्रेनाइट ब्लैक और ग्रेवेल ग्रे रंगों में शामिल हो गए हैं जो रॉयल एनफील्ड हिमालयन में उपलब्ध हैं। ड्यून ब्राउन हिमालयन की कीमत 2.22 लाख रुपए है, जबकि ग्लेशियर ब्लू और स्लीट ब्लैक की कीमत 2.23 लाख रुपए है। इन रंगों में हिमालयन की कीमत बेस मॉडल की तुलना में थोड़ी अधिक है, जिसकी कीमत 2.16 लाख रुपए (सभी कीमतें एक्स-शोरूम) है। श्री गुप्ता ने कहा कि हम सभी से अनुरोध करते हैं कि हमारे द्वारा दिए गए नए अनुभव और सेवाओं के लिए हमारे जू रोड़ स्थित 4एसेस रॉयल एनफील्ड शोरूम में आएं और अपना अनुभव साझा करे। उन्होंने बताया कि ग्राहकों को बिक्री के बाद उनके वाहनों को बेहतर सेवा देने के उद्देश्य से जू रोड के बाय लेन 2, भास्कर नगर में अत्याधुनिक सर्विस सेंटर स्थापित किया गया है। जहां उत्कृष्ट प्रशिक्षित यांत्रिकी की उपलब्धता के साथ वाहनों की आसानी से मरम्मत की जा सकती है। ग्राहक सेवा पर आकर्षक छूट का लाभ उठा सकेंगे। 4एसेस एनफील्ड में हमारा लक्ष्य उत्कृष्ट ग्राहक मोटरसाइकिलिंग अनुभव को आगे बढ़ाना है। हमारा उद्देश्य हमारे सेवा केंद्र में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सर्वोत्तम सेवा प्रदान करना है और उसके लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

पृष्ठ एक का शेष

असम-मेघालय सीमा...

के क्षेत्र या सीमाओं को बदलने के लिए सक्षम है। मेघालय को 1972 में असम से अलग राज्य के रूप में बनाया गया था और इसने असम पुनर्गठन अधिनियम, 1971 को चुनौती दी थी, जिससे साझा 884.9 किमी लंबी सीमा के विभिन्न हिस्सों में 12 क्षेत्रों से संबंधित विवाद पैदा हुए थे।

समान नागरिक संहिता...

शीतकालीन सत्र के दौरान यूसीसी पर प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया गया है। समान नागरिक संहिता भारत में नागरिकों के व्यक्तिगत कानूनों को बनाने और लागू करने का एक प्रस्ताव है, जो सभी नागरिकों पर उनके धर्म, लिंग और यौन अभिविन्यास की परवाह किए बिना समान रूप से लागू होता है। वर्तमान में, विभिन्न समुदायों के व्यक्तिगत कानून उनके धार्मिक शास्त्रों द्वारा शासित होते हैं। यह कोड संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत आता है, जो बताता है कि भारत के पूरे क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता को सुरक्षित करने का प्रयास करेगा। विशेष रूप से, भाजपा के 2019 के लोकसभा चुनाव घोषणापत्र में, पार्टी ने सत्ता में आने पर यूसीसी के कार्यान्वयन का इसका वादा किया था। बता दें कि संसद का शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर से शुरू हुआ है और इसमें 17 कार्य दिवस होंगे। सरकार ने अधिसूचित कार्यक्रम के अनुसार सत्र के दौरान कुल 16 नए विधेयक पेश करने की योजना बनाई गई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके), राष्ट्रीय जनता दादल (आरजेडी), समाजवादी पार्टी (एसपी), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), सीपीआई (मार्क्सवादी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विपक्षी सदस्य, और कांग्रेस ने यह कहते हुए विधेयक पेश करने का विरोध किया कि यदि यह पारित हो जाता है, तो यह देश में प्रचलित सामाजिक ताने-बाने और विविधता में एकता को नष्ट कर देगा। सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि राज्यसभा में विपक्ष ने आज भारत में समान नागरिक संहिता विधेयक, 2020 का पुरजोर विरोध किया, यह असंवैधानिक है। अल्पसंख्यकों के शैक्षिक, सांस्कृतिक, धार्मिक अधिकार संविधान के अनुसार मौलिक अधिकारों के अंतर्गत आते हैं।

महिलाओं के लिए ...

राजमार्ग मंत्री ने कहा कि समाज में गुणात्मक परिवर्तन होना चाहिए। यह किसी धर्म या संप्रदाय के खिलाफ नहीं है। हमें मिलकर देश का विकास करना चाहिए। गडकरी ने कहा कि किसी भी धर्म की महिलाओं चाहे वे हिंदू, मुस्लिम या सिख हों समान अधिकार मिलना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने यह भी पूछा कि दुनिया के किस मुस्लिम देश में दो नागरिक संहिता हैं? किस मुस्लिम देश में महिलाओं के लिए धर्म के आधार पर कानून बनाए गए हैं? फिर भारत में क्यों? अगर केंद्र सरकार किसी मुद्दे पर निर्णय लेती है और राज्य आपत्ति करते हैं, तो जो संदेश जाएगा वह अच्छा नहीं होगा क्योंकि समवर्ती सूची है। इसलिए मुझे लगता है कि अगर राज्य और सभी दल सामूहिक निर्णय लेते हैं कि यह मानवता और देश के लिए अच्छा होगा। समान नागरिक संहिता लाना गुजरात और हिमाचल प्रदेश में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में भाजपा के प्रमुख चुनावी वादों में से एक था। 29 अक्तूबर को, गुजरात सरकार ने घोषणा की थी कि वह यूसीसी के कार्यान्वयन के लिए एक समिति बनाएगी। उस दिन कैबिनेट की बैठक में फैसला लिया गया था।

भाजपा नहीं चाहती...

दी थी। शर्मा ने कहा कि भारत में रहने वाले पुरुष को तीन-चार महिलाओं से शादी करने का अधिकार नहीं है जब तक वह पहली पत्नी को तलाक नहीं दे देता। अगर मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहनने के लिए कहा जाता है, तो लड़के भी ऐसा क्यों नहीं करते? महिलाओं पर अजमल के विवादित बयान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में, हमारे पास बदरुद्दीन अजमल जैसे कुछ नेता हैं। वे कहते हैं कि महिलाओं को जल्द से जल्द बच्चों को जन्म देना चाहिए क्योंकि वह एक उपजाऊ खेत की तरह हैं। महिला के प्रसव की तुलना किसी खेत से नहीं की जा सकती है। मैंने बार-बार कहा है कि महिलाएं 20-25 बच्चों को जन्म दे सकती हैं, लेकिन उनका खाना, कपड़ा, पढ़ाई और अन्य सभी खर्च अजमल को वहन करना होगा। फिर, हमें कोई समस्या नहीं है। रफ्यूम कारोबारी से लोकसभा सांसद बनकर भी बच्चों का खर्चा नहीं दे सकते हैं तो किसी को बच्चे के जन्म पर व्याख्यान देने का अधिकार नहीं है। हम केवल उतने ही बच्चे पैदा करेंगे, जिन्हें हम पेट भरकर खिला सकें और उन्हें बेहतर इंसान बना सकें। धुबड़ी सांसद अजमल ने 2 दिसंबर को एक इंटरव्यू में *लव जिहाद* पर मुख्यमंत्री की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी थी। अजमल ने कहा था कि 40 साल की उम्र के बाद वे माता-पिता के दबाव में शादी करते हैं। इसलिए, कोई कैसे उम्मीद कर सकता है कि वे 40 के बाद बच्चे पैदा करेंगे? यदि आप उपजाऊ भूमि में बोते हैं तो ही आप अच्छी फसल पैदा कर सकते हैं। तभी विकास होगा।

गुवाहाटी में आग से ...

आग लगी होगी। इस वजह से लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। पुलिस मामले की जांच करते हुए नुकसान का आंकलन करने में जुटी है। इस घटना से इलाके के लोगों में भारी मायूसी देखी गयी। आग से प्रभावित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल था। ठंड के मौसम में आसियाना जल जाने से लोग बेहद गमगीन हैं। कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन इस हादसे पर नजर बनाए हुए है।

हिमाचल में सीएम ...

हिमाचल प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, हिमाचल प्रदेश कांग्रेस प्रमुख प्रतिभा वीरभद्र सिंह सहित अन्य मौजूद विधायक शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, बैठक में 39 विधायक शामिल हैं और एक विधायक मंडी से शिमला के रास्ते में है। वहीं, इससे पहले राजीव शुक्ला ने कहा था कि वोटिंग से सीएम का नाम तय होगा। उन्होंने कहा कि विधायकों के शिमला पहुंचने के बाद कांग्रेस विधायक दल की बैठक के दौरान मतदान कराया जाएगा, जिसके बाद सीएम का नाम तय होगा। बता दें कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक को लेकर अब विधायकों का आना शुरू हो गया है। कांग्रेस विधायक पार्टी मुख्यालय पहुंच रहे हैं। पार्टी मुख्यालय के भीतर केवल विधायकों को जाने की अनुमति है। बता दें कि कांग्रेस ने विधायक दल की बैठक बुलाई है, लेकिन इससे पहले प्रतिभा सिंह के समर्थकों ने उन्हें सीएम बनाने की मांग की है। प्रतिभा सिंह के समर्थकों ने हिमाचल का सीएम कैसा हो, प्रतिभा सिंह जैसी हो नारे लगाए। वहीं, इससे पहले ओबराय सीसल होटल के बाहर, जहां सभी विधायक ठहरे हुए हैं, राज्य कांग्रेस प्रमुख प्रतिभा सिंह के समर्थकों ने भूपेश बघेल की कार को घेर लिया। प्रतिभा सिंह के समर्थकों ने भूपेश बघेल की कार को घेरकर राज्य कांग्रेस प्रमुख के समर्थन में नारे लगाए और उन्हें मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग की। वहीं, प्रतिभा सिंह ने कहा कि हम बैठक में मुख्यमंत्री का नाम तय करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के अंदर कोई गुटबाजी नहीं है और सभी विधायक हमारे साथ हैं। बता दें कि विधायक दल की बैठक में सभी विधायकों से मुख्यमंत्री को लेकर राय जानी जाएगी। सभी की राय जानने के बाद पर्यवेक्षक अपनी रिपोर्ट हाई कमान को सौंपेंगे। इससे पहले सूत्रों के अनुसार, खबर आई थी कि कांग्रेस पार्टी प्रचार समिति के अध्यक्ष व नादौन से विधायक सुखविंदर सिंह सुक्खू बीते रोजी चंडीगढ़ पहुंच गए थे। उनके साथ कुछ विधायक भी मौजूद थे। सुबह में उनके कुछ समर्थक विधानसभा स्थित विधायक सदन में ही थे। बताया गया कि उन्होंने विधायकों के साथ बैठक कर शाम को होने वाली विधायक दल की बैठक के लिए रणनीति तैयार की।

1,500 करोड़ की 14 ...

जिले से इसकी शुरुआत हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने इस मौके पर कहा कि गोलाघाट जिले के लिए आज बहुत गर्व का दिन है। आज हमने गोलाघाट जिले के लिए 1,500 करोड़ रुपए की लागत से 14 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। डॉ. शर्मा ने कहा कि मुझे विश्वास है कि ये परियोजनाएं इस जिले को असम के सबसे प्रगतिशील जिलों में से एक के रूप में चिह्नित करेंगी। मुझे विश्वास है कि बागरीजेंग में मेडिकल कॉलेज, 631 करोड़ रुपए की लागत वाली अन्य परियोजनाओं के साथ भारत माता के वीर सपूत कुशल कोंवर और वीर शहीद जिंटू गोगोई के पैतृक जिले के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम होगा। कार्यक्रम में राज्य सरकार के मंत्री अजंता नेउग, नंदिता गार्लोसा, केशव महंत और अतुल बोरा के साथ विधायक बिश्वजीत फुकन, भाबेन भराली, मृणाल सैकिया एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुस्लिम महिलाओं की...

आधार पर हाई कोर्ट द्वारा मुस्लिम लड़कियों की कम उम्र में शादी को वैध ठहराए जाने के आदेश को चुनौती दी थी। इस याचिका पर पीठ ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। पीठ ने इस मामले में केंद्र को 4 सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। बता दें कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत मुस्लिम लड़कियों की 15 साल की उम्र में ही विवाह किया जा सकता है। हालांकि, कानून के अनुसार, देश में लड़कियों की शादी की उम्र 18 साल तय है। इससे कम उम्र में लड़कियों की शादी करना अपराध की श्रेणी में आता है। जबकि, मुस्लिम लड़कियों की शादी 15 वर्ष में ही करना वैध माना जाता है। बता दें कि इस मामले की सुनवाई सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ कर रही थी। इस मामले में अब अगली सुनवाई 8 जनवरी 2023 को होगी, जब केंद्र सरकार को अपना जवाब दाखिल करना है।

विवाह समारोह में ...

ने कहा कि 54 लोग घायल हुए हैं जबकि पांच लोगों की मौत हो चुकी है। स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी के अनुसार भूंगरा निवासी सगत सिंह गोगादेव के पुत्र की गुरुवार को शादी होनी थी। बरात रवानगी के लिए यह सभी लोग गांव में एकत्रित हुए थे जहां भोजन से पहले सिलेंडर से गैस रिसाव होने के कारण विस्फोट हुआ, विस्फोट इतना भयानक था कि मकान की एक छत भी धराशाई हो गई। मौके पर सिलेंडर फटने से लगी आग में वहां मौजूद 60 से अधिक लोग झुलस गए, जिसमें कि महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलने पर जिला कलेक्टर ने जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में दिशा निर्देश दिए और घटनास्थल की ओर प्रस्थान किया, जहां से गंभीर रूप से झुलसे लोगों को जोधपुर के लिए रवाना किया गया। निजी वाहनों और 108 एंबुलेंस से कई फेरों में घायलों को जोधपुर पहुंचाया गया जहां उनका उपचार जारी है। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद आरसीए चेयरमैन वैभव गहलोत शेरगढ़ विधायक मीना कंवर समेत कई अन्य लोग भी अस्पताल पहुंचे। हादसे में सकत सिंह के परिवार में दूल्हा सुरेंद्र सिंह, उसके पिता शक्ति सिंह, मां दाकू कंवर, बहन रसाला कंवर, भाई सांग सिंह, भाभी पूनम कंवर और दो भतीजे एपी और रतन भी झुलसे हैं। घटना के बाद गांव में माहौल गमगीन है। जोधपुर में विगत 2 माह के भीतर सिलेंडर विस्फोट का यह दूसरा मामला है जहां जनहानि और धन हानी बड़े स्तर पर हुई है। इससे पहले 8 अक्तूबर को जोधपुर के कीर्ति नगर क्षेत्र में गैस रिफलिंग करते हुए पी विस्फोट हुआ था, जिसमें कि 15 से ज्यादा लोग झुलस गए थे और 5 से ज्यादा लोगों की जान गई थी।

महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा ...

ने शाह को बताया कि महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद अब उस स्तर पर पहुंच गया है कि उससे हिंसा भड़क सकती है। कोल्हे ने कहा कि शाह ने 14 दिसंबर को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की बैठक बुलाई है।

चौराहे पर कोई ...

ने निकाय चुनाव से पहले कानपुर में 387.59 करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। सीएम के आने से पहले सपा विधायक अमिताभ वाजपेई को पुलिस ने घर पर नजरबंद कर दिया। सपा विधायक अमिताभ वाजपेई ने कहा कि पुलिस झूठे सबूत गढ़ कर विधायक इरफान सोलंकी की सुपारी लेकर आई थी। मुख्यमंत्री के आते ही हर बार की तरह इस बार भी हमारे घर के बाहर पुलिस का पहरा लगा दिया। विपक्ष के विधायकों को लोकतंत्र में अपनी बात रखने का अधिकार है। मैं मुख्यमंत्री को डेंगू के प्रकोप पर ध्यान आकर्षित करने के लिए मच्छरदानी भेंट करना चाहता था। वहीं, कांग्रेस नेता और प्रदेश सचिव विकास अवस्थी को भी पुलिस ने बर्रा-2 स्थित आवास पर नजरबंद कर दिया। वह शहर में फैले डेंगू और मलेरिया को लेकर सीएम को ज्ञापन देने जा रहे थे। योगी आदित्यनाथ के सीएम बनने के एक दिन बाद यानी 20 मार्च 2017 से लेकर 21 नवंबर 2022 तक के आंकड़े हमें मिले। पुलिस ने बताया कि पिछले पांच सालों में पुलिस ने 7500 से ज्यादा एनकाउंटर किए हैं। इनमें 168 अपराधियों की मौत हुई है। 55 इसमें मुस्लिम वर्ग से हैं। 2900 से ज्यादा अपराधी गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। इन 168 में 35 ऐसे लोग थे जिनके ऊपर पहले से कोई इनामी राशि घोषित नहीं थी। जबकि 8 ऐसे थे जिनके ऊपर 2 लाख रुपए से अधिक की इनामी राशि घोषित थी। इस दौरान मुठभेड़ के दौरान सीओ समेत 14 पुलिसवाले शहीद हुए है। इसके अलावा, 1100 पुलिसकर्मी जख्मी हुए हैं।

उपमुख्यमंत्री फडणवीस ...

बहुत दुखी हैं। बेटी की हत्या के कारण वो अंदर से टूट गए हैं। वाकर बताया कि वो वर्ष 2019 में आफताब और श्रद्धा की शादी का प्रस्ताव लेकर आफताब के परिवार से मिलने गए थे, लेकिन आफताब के परिवार ने न केवल ठुकरा दिया था बल्कि उनका अपमान कर उन्हें घर से निकाल दिया। विकास वाकर ने बताया कि आफताब के परिवार का व्यवहार शुरु से अच्छा नहीं था। अगर आफताब के परिवार ने समझदारी दिखाई होती तो इतनी बड़ी घटना नहीं होती। उन्होंने कहा कि अगर मामले पर बात होती तो बात इस मुकाम तक नहीं पहुंचती। श्रद्धा के पिता विकास वाकर ने महाराष्ट्र की वसई पुलिस पर आरोप लगाया कि अगर वो एक्शन लेती तो श्रद्धा आज जीवित होती। विकास वाकर ने कहा कि इस मामले की शिकायत पालघर पुलिस के समक्ष की गई थी, अगर पुलिस इस मामले पर कार्रवाई करती तो आज मेरी बेटी अभी जिंदा होती । दिल्ली पुलिस पर भरोसा जताते हुए उन्होंन कहाकि श्रद्धा मर्डर केस में न्याय मिलेगा। मुझे इस बात की तो जानकारी थी कि आरोपित अफताब मेरी बेटी श्रद्धा को मारता-पीटता है, लेकिन वह हत्या कर देगा, इसका अनुमान नहीं था। विकास वाकर ने मांग की कि अफताब को फांसी की सजा दी मिलनी चाहिए। विकास वाकर के वकील सीमा कुशवाहा ने कहा कि हालांकि लोगों को डेटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करने का अधिकार है, लेकिन इन डेटिंग ऐप्स पर नजर रखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सामने अपराधी याा आतंकवादी हो सकते हैं, इसलिए इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। सीमा कुशवाहा ने कहा कि मुझे लगता है कि चार्जशीट में आफताब के परिवार के सदस्यों के नाम भी होने चाहिए। इस बारे में वे भी प्रयास कर रही हैं।

स्वर्वेद भाष्य

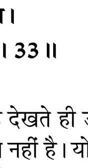

चतुर्थ मंडल **पंचम अध्याय**

(आनन्द)

आनन्द भोगी जब मिलैं, देखत ले पहिचान।
कहन सुनन की बात नहिं, अयन सयन में ज्ञान ॥ 33 ॥

शब्दार्थ : (अयन) आंख (सयन) संकेत, इशारा।

भाष्य : परमानंद प्राप्त सहज योगी जब मिलता है, तब वह देखते ही उस योगी को पहचान लेता है, उसे कहने-सुनने की आवश्यकता नहीं है। योगी को योगी चक्षु और संकेत से जान लेता है। योगी को योगी परचानता है, सर्वसाधारण संसारी व्यक्ति योगी के बाह्य दर्शन को पाकर उन्हें नहीं पहचा सकते।

पिव संग से प्यारी चली, सखिन वचन मुसुकान।
अनुभव गम दोनों भली, पिव सुख दोनों जान ॥ 34 ॥

शब्दार्थ : (मुसुकान) स्मित, थोड़ा हसना और भावभरी आंख से देखना अर्थात अर्ध दृष्टि कर अर्ध हास्य करना।

भाष्य : दो पति वाली सुहागिन स्त्रियां अपनी इंद्रिय-सुख को जानती है॥ वे अपनी दूसरी सखी के वचन को सुनकर मुस्काराती हैं, क्योंकि वे दोनों पति के सुख को अनुभव करके जान गई हैं। इस दोहे में ब्रह्मानंद महान सुख की व्याख्या में स्त्री-पुरुष के इंद्रिय-सुख का उदाहरण देकर वर्णन किया गया है।

कार्बी आंग्लांग में सात करोड़ की ड्रग्स जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार

सीएम हिमंत ने कहा, गूड जॉब

गुवाहाटी (विभास)। कार्बी आंग्लांग जिले में दो ट्रकों से करीब सात करोड़ रुपए मूल्य की नशीली दवाओं के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक गुरुवार देर रात सूचना के आधार पर पुलिस ने असम-नागालैंड सीमा के पास खटखाटी क्षेत्र में दो ट्रकों को जांच के लिए रोका। वाहनों की जांच के दौरान एक ट्रक से 30,000 याबा गोलियां और दूसरे ट्रक से 757.15 ग्राम हेरोइन बरामद की गई, जिसे साबुन की 15 डिब्बियों में पैक किया गया था। इस दवा और हेरोइन की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सात करोड़ रुपए आंकी गई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा ने ट्वीट कर पुलिस को इस सफलता पर बधाई दी। इससे पहले, पिछले महीने में असम पुलिस ने दो अलग-अलग घटनाओं में कछार और कार्बी आंग्लांग जिलों से कई करोड़ रुपए के मादक पदार्थ जब्त किए थे। पुलिस ने कथित तौर पर मादक पदार्थ तस्करी में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। कछार जिले के लखीपुर क्षेत्र में नशा के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 1.80 लाख गोलियों के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया था कि जब्त की गई गोलियों का अंतर्राष्ट्रीय बाजार मूल्य करीब 50 करोड़ रुपए है। आरोपियों की पहचान अब्दुल सईद, इबाजुर रहमान और समीर आलम के रूप में हुई है, जो कछार जिले के रहने वाले हैं।

टैंपू रोके जाने को लेकर मारपीट, एक गंभीर रूप से घायल

दक्षिण सालमारा (हि.स.)। दक्षिण सालमारा-मानकचार जिला के असम-मेघालय सीमावर्ती इलाके के सासीभूई बाजार में टैंपो रोके जाने को लेकर हुए विवाद के बाद मारपीट में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि इमान अली नामक युवक पर 6 लोगों द्वारा टैंपू रोके जाने के बाद हुई विवाद को लेकर मारपीट किए जाने का आरोप लगा है। गंभीर रूप से घायल इमान अली को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना को लेकर बिलाल हुसैन द्वारा कालापानी पुलिस चौकी में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर युवक से मारपीट करने का आरोप कान्दू शेख, सुल्तान शेख, नूर शाह आलम, अब्दुल रशीद, जावेद अली और शरीफूल इस्लाम पर लगा है। पुलिस दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

सीएम हिमंत व कैबिनेट मंत्रियों ने खेत में स्थानीय लोगों के साथ किया *लंच*

गोलाघाट (विभास)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा ने शुक्रवार को कैबिनेट मंत्रियों के साथ धान के खेत में स्थानीय लोगों के साथ दोपहर का भोजन किया। मुख्यमंत्री ने धान के खेतों में स्थानीय लोगों से भी बातचीत की। गोलाघाट जिले के रहधोला पाथर में धान की कटाई करने वाली महिलाओं के साथ बातचीत करना और उनके साथ दोपहर का भोजन करना बहुत प्रेरणादायक था। हमारी महिलाएं न केवल अपने परिवार का समर्थन करती हैं बल्कि अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। व्यवस्थाओं के लिए माननीय विधायक मृनाल का आभारी हूं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा ने ट्वीट किया। इससे पहले दिन में, असम के मुख्यमंत्री ने बोगोरिजेंग में एक मेडिकल कॉलेज सहित 14 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। सीएम ने ट्वीट किया कि हमारे विकास के लिए पखवाड़े को जारी रखते हुए, गोलाघाट जिले के बोगोरिजेंग में 631 करोड़ रुपए के मेडिकल कॉलेज सहित 14 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक जिले की आकांक्षाओं को पूरा करने में परियोजनाएं बहुत बड़ी भूमिका निभाएंगी। हिमंत विश्वशर्मा ने ट्वीट किया कि मुझे यकीन है कि लगभग 1500 करोड़ रुपए की ये परियोजनाएं ऐतिहासिक जिले की आकांक्षाओं को पूरा करने में एक बड़ी भूमिका निभाएंगी, जिसने कुशाल कोंवर और जिंटू गोगोई सहित देश के बहादुर सपूतों को जन्म दिया है। उन्होंने न्यूरोलॉजिकल समस्याओं से पीड़ित एक 11 वर्षीय लड़के के इलाज का भी आश्वासन दिया।हिमंत विश्वशर्मा ने ट्वीट किया, गोलाघाट में एक 11 वर्षीय लड़के का उसके पिता के इलाज और खर्च वहन करने का आश्वासन दिया। इस संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए।

माजबाट में पुन: स्वचालित हथियार बरामद

उदालगुड़ी (हि.स.)। उदालगुड़ी जिला के माजबाट में पुन: स्वचालित हथियार बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गयी है। पुलिस ने अभियान चलाकर एक एके-56 राइफल के साथ 20 जिंदा कारतूस बरामद किया है। माजबाट पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात माजबाट के सिकरीडांगा में उदालगुड़ी के एएसपीओ जीवन बरुवा और माजबाट थाने के प्रभारी राजीव गोहाईं के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने अभियान चलाया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि जमीन के नीचे छिपाकर रखे गए एक एके-56 राइफल के साथ 20 जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस अभी भी सीमावर्ती क्षेत्रों में अभियान चला रही है। ज्ञात हो कि बीटीसी इलाके में पहले भी भारी संख्या में हथियार, कारतूस, गोला-बारूद बरामद होते रहे हैं। माना जाता है कि पूर्व बोडो विद्रोहियों ने अपने हथियारों को जमीन में गाड़कर छिपा रखा है। जिसे समय-समय पर पुलिस द्वारा बरामद किया जा रहा है।

सड़क हादसे में एक की मौत

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिला के गोलकगंज के दक्षिण रायपुर में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यह दुर्घटना बीती रात राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 17 पर हुई। शादी समारोह में शामिल होने जा रहे एक युवक की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान कमलेश्वर राय के रूप में हुई है। युवक का घर गोलकगंज के खेकशियाली में है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि कमलेश्वर राय अपनी मां के साथ दक्षिण रायपुर के गोलकगंज में एक रिश्तेदार के यहां विवाह समारोह में आए थे। बीती रात में सभी विवाह हॉल में व्यस्त थे, इसी दौरान कमलेश्वर राय राष्ट्रीय राजमार्ग-17 को पार करते समय एक ट्रक (एएस-17सी-6310) की चपेट मे आ गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची गोलकगंज पुलिस घायल कमलेश्वर राय को गोलकगंज अस्पताल ले गई, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

रंजीत भट्टाचार्य ने जालुकबाड़ी के किसानों को स्प्रे मशीन एवं पानी की आपूर्ति मशीनें वितरित कीं

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा के निर्देश पर भाजपा किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष रंजीत भट्टाचार्य ने कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ शुक्रवार को जालुकबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के पसरिया में पहुंचकर खेतों में किसानों की शिकायतों का जायजा लिया। पसरिया के किसानों ने उन्हें विभिन्न उत्पादों की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। भाजपा किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष रंजीत भट्टाचार्य ने कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ जालुकबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के पसरिया के कृषि क्षेत्र में पहुंचकर किसानों की शिकायतों का जायजा लिया। पसरिया के किसानों ने उन्हें विभिन्न उत्पादों की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर भट्टाचार्य ने आज पसरिया के किसानों को इलेक्ट्रॉनिक स्प्रे मशीन एवं जलापूर्ति मशीन का वितरण किया। भट्टाचार्य ने कहा कि आने वाले दिनों में मुख्यमंत्री ने किसानों की मदद के लिए पर्याप्त उपाय किए हैं। पसरिया कृषक श्रमिक सहकारी समिति ने पसरिया में 100 बीघा भूमि पर सरसों की खेती शुरू कर दी है। वहीं लखीमी कृषि और समाज कल्याण समिति ने 50 बीघा भूमि पर सरसों की खेती शुरू की है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा की पहल पर वितरित किए गए इन कृषि उपकरणों से किसानों को उनकी कृषि गतिविधियों में काफी मदद मिलने की उम्मीद है।

सीआरपीएफ के 129वें बटालियन मुख्यालय में जिम एवं एमटी गैरेज का उद्घाटन

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ जिला स्थित सीआरपीएफ की 129वीं बटालियन मुख्यालय में शुक्रवार को जिम हॉल एवं एमटी गैरेज का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस उप महानिरीक्षक (परिचालन), रेंज सीआरपीएफ, लोवर असम के जयदेव केसरी उपस्थित थे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि द्वारा 129वीं बटालियन सीआरपीएफ मुख्यालय में विनिर्माण किए गए आधुनिक मशीनों से लैस जिम हॉल का उद्घाटन किया गया तथा जवानों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए अवगत करवाया कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। स्वास्थ्य हमारे जीवन की अमूल्य धरोहर है, इसे संजोकर रखना हम सभी का नैतिक दायित्व है। जिम हॉल में स्थापित की गई आधुनिक मशीनों द्वारा शारीरिक चुस्ती-फुर्ती बनाए रखने में सहायता मिलेगी। इसलिए बटालियन में बनाए गए जिम का सभी अधिक-से-अधिक लाभ उठाकर अपने शरीर को स्वस्थ बनाए। इसके उपरांत बटालियन मुख्यालय के प्रशासनिक ब्लॉक में वृक्षारोपरण किया गया। जवानों को आज के तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन के युग में पौधरोपण के महत्व को समझाते हुए वृहद पौधरोपरण हेतु प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही बटालियन परिवहन परिसर में बनाए गए एमटी गैरेज का भी उद्घाटन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। उपरोक्त कार्यक्रमों के उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा बटालियन क्वार्टर गार्ड पर सलामी ली गई तथा गार्ड की वेश-भूषा का निरीक्षण किया गया, जो कि उत्तम दर्जे की पाई गई। इस अवसर पर सीआरपीएफ की 129वीं बटालियन के कमाण्डेंट गुलाब सिंह, उप कमाण्डेंट रवि मिश्रा, सहायक कमाण्डेंट आरएस सूर्यवंशी, अधीनस्थ अधिकारी एवं बहादुर जवान उपस्थित रहे।

नगांव में डॉ. बाणिकांत काकती मेरिट अवार्ड वितरित

नगांव (निसं)। मैट्रिक परीक्षा में 70 प्रतिशत तथा इससे ऊपर अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को बेबेजिया स्थित गणपति हिरो प्रतिष्ठान में बाणिकांत काकोति मेधा पुरस्कार के तहत स्कूटी वितरण समारोह का आयोजन किया। सदर विधायक रूपक शर्मा अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। विधायक रूपक शर्मा ने अपने भाषण में कहा कि पूरे असम में सबसे ज्यादा स्कूटी नगांव के छात्रों को मिली है, जो मेधा के क्षेत्र में नगांव के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि मेधावी लक्षण जीवन को सफल बनाता है। इसलिए समय का सदुपयोग करते हुए अध्ययन करने से सफलता कदम चुमती है। उन्होंने डॉ वाणीकांत काकोति के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे गरीब परिवार से थे। लेकिन अपने अध्ययन के बल पर कामयाबी हासिल कर विद्वान बने और उन्होंने असमिया भाषा, साहित्य और संस्कृति की एकनिष्ठ सेवा की। विधायक ने छात्र-छात्राओं को हेलमेट पहनने की अपील की। उल्लेखनीय है कि इस सभा में नगांव कालेज के प्राचार्य डॉ शरत बरकटकी ने डॉ वाणीकांत काकोति के बारे में विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। सभा का संचालन श्रीहिरो के मालिक अनिल शर्मा और गणपति हिरो प्रतिष्ठान के मालिक पंकज शर्मा ने की। सभा में सभी अतिथियों का फुलाम गमछा से स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला परिवहन अधिकारी सुनीत कुमार बोरा, नगांव गर्ल्स कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बलींद्र नाथ भुइंया, खागरिजान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रमेश नाथ सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि नगांव जिले के 2583, होजाई जिले के 1218 तथा डिमा हसाओ जिले 152 छात्र-छात्राओं को इसी प्रतिष्ठान में स्कूटी प्रदान किया जाएगा, जिसकी शुरुआत आज विधिवत रूप से विधायक रूपक शर्मा ने की।

एसएसबी की 6वीं वाहिनी ने चलाया सफाई अभियान

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ जिला के रानीगुली स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 6वीं वाहिनी के अंतर्गत सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित समस्त सीमा चौकियों में वाहिनी कमाडिंग अधिकारी लोकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में शुक्रवार से स्वच्छता पखवाडा अभियान 2022 शुरू किया गया। इसके तहत आज सफाई अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में सीमा चौकी कमांडर एवं कार्मिकों के द्वारा सीमा चौकियों एवं नजदीक ग्रामीण क्षेत्रों एवं बाजारों में सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही स्कूलों के बच्चों के साथ मिलकर स्वच्छता पखवाडा अभियान 2022 को सफल बनाने के लिए ग्रामीण जनता को जागरूक किया जा रहा है।

पूसीरे न्यू जलपाईगुड़ी और हावड़ा के बीच चलाएगी शीतकालीन स्पेशल ट्रेन

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने शीतकाल के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी के बीच दोनों दिशाओं में एक ट्रिप के लिए एक शीतकालीन विशेष ट्रेन का संचालन करने का निर्णय लिया है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने शुक्रवार को एक बयान में बताया है कि ट्रेन संख्या 03027 (हावड़ा- न्यू जलपाईगुड़ी स्पेशल) 24 दिसंबर को हावड़ा से 23.40 बजे रवाना होगी और अगले दिन न्यू जलपाईगुड़ी 10.10 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 03028 (न्यू जलपाईगुड़ी- हावड़ा स्पेशल) 25 दिसंबर को न्यू जलपाईगुड़ी से 12.00 बजे रवाना होगी और उसी दिन हावड़ा 23.05 बजे पहुंचेगी। दोनों छोर से यात्रा के दौरान यह स्पेशल ट्रेन वाया किशनगंज, मालदा टाउन, आजिमगंज, कटवा और बैण्डेल स्टेशन होकर चलेगी। इस रूट पर अन्य ट्रेनों के प्रतीक्षासूची वाले यात्री इस सुनहरे अवसर का लाभ उठा सकते हैं। इस विशेष ट्रेन में 17 कोचों का संयोजन होगा। इसमें एक एसी थ्री-टीयर, दो एसी टू- टीयर कम थ्री-टीयर, छह स्लीपर क्लास, छह जनरल सीटिंग और दो लगेज कोच शामिल होंगे। इसके अलावा, पूसीरे ने 05675 अगरतला- धर्मनगर पैसेंजर स्पेशल का कुमारघाट, पेंचारथल, पानीसागर और धर्मनगर स्टेशनों पर 12 दिसंबर से समय संशोधित करने का निर्णय लिया है। उक्त ट्रेन अब कुमारघाट 20.43 बजे पहुंचेगी और 20.45 बजे रवाना होगी; पेंचारथल 21.05 बजे पहुंचेगी और 21.06 बजे रवाना होगी; पानीसागर 21.21 बजे पहुंचेगी और 21.22 बजे रवाना होगी तथा अपने अंतिम गंतव्य धर्मनगर 22.00 बजे पहुंचेगी।

सीबीएसई के फार ईस्ट जोन ताईक्वांडो टूर्नामेंट-2022 का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल काहिलीपाड़ा, गुवाहाटी द्वारा सीबीएसई का फार ईस्ट जोन ताईक्वांडो टूर्नामेंट, 2022 आयोजित किया गया है। शुक्रवार को यह त्रिदिवसीय कार्यक्रम शुरू हुआ और रविवार, 11 दिसंबर, 2022 को यह समाप्त होने वाला है। कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया, जिनमे टीमेट, आरओ, सीबीएसई से, मिस्टर महादेव डेका, खेल अनुरागी एवं 2009 वर्ष के मिस्टर यूनिवर्स और मिस्टर पंकज दास, डायरेक्टर, मॉडर्न इंग्लिश स्कूल भी शामिल थे। उद्घाटन समारोह के बाद एक गीत और ढोल वादन प्रदर्शित हुआ। सीबीएसई स्कूलों के सभी प्रतियोगी मार्च पास्ट और प्रतिभागी टीम के कप्तान शपथ ग्रहण करते हुए समारोह का हिस्सा बनें। प्रतियोगिता के लिए 128 स्कूलों के 700 से अधिक छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण किया। जोन और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में कुल मिलाकर चार राज्यों से प्रविष्टियां प्राप्त हुईं जिनमे असम, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और ओडिशा शामिल हैं। यह पहली बार नहीं है कि स्कूल ने ताइक्कांडो टूर्नामेंट का आयोजन किया है। इससे पहले भी इसी साल की शुरुआत में, स्कूल ने कामरूप मेट्रो डिस्ट्रिक्ट ताइक्कांडो एसोसिएशन के साथ मिलकर पहली ऑल असम इंटर-स्कूल ताइक्कांडो चैंपियनशिप 2022 शीर्षक प्रतियोगिता का आयोजन किया था। यह स्कूल छात्र-छात्राओं के समग्र विकास के लिए खेल और इससे संबंधित गतिविधियों का समर्थन करता हुए उन्हें भविष्य के अवसरों के लिए तैयार करता है। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती जोनाली दास जी ने कहा, ×ह्ल्ह्वश्ह्ल;हमें अपने स्कूल परिसर में इस कार्यक्रम को आयोजित करने का सौभाग्य मिला है और हम मेहमानों, छात्र-छात्राओं , शिक्षकों और भाग लेने वाले स्कूलों को उनकी उपस्थिति से सम्मानित करने के लिए धन्यवाद देते हैं। हमारा स्कूल हर खेल को बढ़ावा देता है। और ताइक्कांडो उनमें से एक है। यह एक संग्रामी खेल है, जो छात्र-छात्राओं को लड़ने के अलावा और भी बहुत कुछ सिखाता है। यह छात्र-छात्राओं को खेल की भावना के साथ उत्साहित करता हैं एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करता है। इसके उपरांत, यह छात्र-छात्राओं को शारीरिक और मानसिक लचीलापन बनाने के लिए प्रशिक्षित करता है। उन्होंने और कहा कि स्वास्थ्य लाभ के साथ ही, यह छात्र-छात्राओं में अनुशासन और आत्म-नियंत्रण जैसे जीवन कौशलों का विकास होने में मदद करता है। तायक्कोंडो खेल में अत्यंत प्रशिक्षण और ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होती है, जो छात्र-छात्राओं को अपने दिमाग को अपने शरीर के साथ संरेखित करने में सहायता करती है और अपने शारीरिक और मानसिक आंदोलनों और सजगता को बेहतर ढंग से नियंत्रित करने में मदद करता है। ये शिक्षा छात्र-छात्राओं को भविष्य में एक सफल जीवन प्राप्त करने में मदद करते हैं। खेल मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के मुख्य पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग है। खेल से छात्र-छात्राओं में खेल-कौशल, आत्मविश्वास और नेतृत्व-कौशल विकसित करने में मदद मिलती है। तायक्कोंडो न केवल एक बच्चे के चरित्र निर्माण, उचित उपाय खोजने तथा आत्म-अनुशासन पर एक मजबूत ध्यान देता है, उसके साथ ही वह समग्र विकास को बढ़ावा देता है। यह तन, मन, और आत्मा का तालमेल बनाते हुए बच्चों के समग्र विकास को भी सक्षम बनाता है। तीनों के बीच संतुलन बनाए रखकर छात्र- छात्राओं को अत्यंत अधिक ध्यान केंद्रित करने और सही दृष्टिकोण प्राप्त करने में सहायता प्रदान करता है, जो उन्हें अपने जीवन के लक्ष्यों के समीप ले जाता है। तायक्कोंडो छात्र-छात्राओं को अपने ग्रेड में सुधार लाने में, सुरक्षित आत्मरक्षा को प्रोत्साहित करने में तथा फिटनेस की आदतें स्थापित करने के लिए अनुमति देता है।

आईएनएस विक्रांत के लिए फ्रेंच राफेल मरीन ने अमेरिकी एफ/ए-18 को पीछे छोड़ा

- राफेल के समुद्री संस्करण में वायुसेना वर्जन के साथ 85 फीसदी से अधिक समानता होगी
- नौसेना ने रक्षा मंत्रालय को सौंपी दोनों लड़ाकू विमानों की परीक्षण रिपोर्ट, मंजूरी का इन्तजार

नई दिल्ली, (हि.स.)। देश के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत के लिए भारतीय नौसेना 26 नए डेक-आधारित लड़ाकू विमानों को खरीदने की तैयारी में है। इसके लिए सीधी प्रतिस्पर्धा में फ्रांसीसी राफेल मरीन लड़ाकू विमान ने अमेरिकी एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट को पीछे छोड़ दिया है। फ्रांसीसी और अमेरिकी कंपनियों ने गोवा में तट-आधारित परीक्षण सुविधा में अपने-अपने विमानों की क्षमताओं का प्रदर्शन किया। नौसेना ने रक्षा मंत्रालय को दोनों लड़ाकू विमानों की परीक्षण रिपोर्ट सौंप दी है। अब सरकार की मंजूरी का इन्तजार है। राफेल मरीन को फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन ने बनाया है जबकि सुपर हॉर्नेट अमेरिकी कंपनी बोइंग का उत्पाद है। डसॉल्ट और बोइंग ने क्रमशः जनवरी और जून में गोवा में तट-आधारित परीक्षण सुविधा में नौसेना के साथ अपने-अपने विमानों की क्षमताओं और स्की-जंप का प्रदर्शन किया था। नौसेना ने रक्षा मंत्रालय को दोनों लड़ाकू विमानों की परीक्षण रिपोर्ट सौंप दी है। अब नौसेना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सरकार से सरकार के बीच सौदे पर अंतिम फैसला होना बाकी है, जिसके लिए सरकार की मंजूरी का इंतजार है। नौसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राफेल मरीन नौसेना की आवश्यकताओं के लिए बेहतर फिट पाया गया है। अधिकारी ने कहा कि भारतीय वायु सेना पहले से ही

राफेल लड़ाकू विमानों के दो स्क्वाड्रन का संचालन करती है और यदि नौसेना भी उसी लड़ाकू विमान के समुद्री संस्करण का आदेश देती है, तो पुर्जों और रखरखाव में आसानी होगी। दरअसल, राफेल के समुद्री संस्करण और वायु सेना के लड़ाकू राफेल में 85 फीसदी से अधिक समानता है। भारत की समुद्री सेना को अपनी लड़ाकू क्षमता की कमी पूरी करने के लिए राफेल मरीन विमानों का इस्तेमाल करना सही है। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने पिछले सप्ताह कहा था कि आईएनएस विक्रांत के लिए भारत खुद स्वदेशी जुड़वां इंजन वाले डेक-आधारित लड़ाकू (टीईडीबीएफ) विकसित करेगा। नौसेना इन विमानों के डिजाइन और विकास के लिए एक मसौदा नोट तैयार कर रही है। नौसेना इस परियोजना पर रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) और वैमानिकी विकास एजेंसी के साथ काम कर रही है। टीईडीबीएफ का पहला प्रोटोटाइप 2026 के आसपास तैयार होने की संभावना है और इसका उत्पादन 2032 तक शुरू हो सकता है। चूंकि टीईडीबीएफ अभी भी एक दशक दूर है, इसलिए नौसेना विकल्प के तौर पर 26 लड़ाकू विमानों को खरीदने पर विचार कर रही है। जानकारों का कहना है कि राफेल के समुद्री संस्करण और भारतीय वायु सेना के राफेल के साथ 85 फीसदी से अधिक समानता होगी। इसका मतलब है कि पुर्जों के रसद प्रबंधन और रखरखाव की समानता में जबरदस्त फायदे होंगे। फ्रांसीसी कंपनी ने भी इस बात पर जोर दिया है कि राफेल मरीन भारतीय वायुसेना के 36 राफेल लड़ाकू विमानों के समान होने से प्रशिक्षण, रखरखाव और रसद समर्थन में आसानी होगी। यह विमान आईएनएस विक्रमादित्य की तरह आईएनएस विक्रांत से भी उड़ान भरने के लिए स्की-जंप का उपयोग करेंगे। फिलहाल विक्रमादित्य से रूसी मूल के मिग-29के लड़ाकू विमानों का संचालन किया जा रहा है।

फाइटर जेट राफेल के मुकाबले 'राफेल मरीन' की खासियत - भारतीय वायु सेना के उपयोग में आने वाले राफेल जेट के समुद्री संस्करण 'राफेल मरीन' में एक अंडरकारेज और नोज व्हील, एक बड़ा अरेस्टर हुक, एक एकीकृत सीढ़ी जैसे कई अन्य मामूली अंतर हैं। स्की टेक-ऑफ के लिए राफेल मरीन चार-पांच टन बाहरी भार पूर्ण आंतरिक ईंधन के साथ ले जा सकता है। कम आंतरिक ईंधन के साथ यह मिशन की आवश्यकताओं के आधार पर अधिक हथियार ले जा सकता है। इसमें लड़ाकू हवाई गश्त, अवरोधन, एडी एस्कॉर्ट, समुद्री और जमीनी हमले शामिल हैं। राफेल मरीन लड़ाकू विमानों का नवीनतम संस्करण है। परमाणु सक्षम राफेल मरीन हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल उल्का, हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल स्कैल्प और हैमर प्रिसिजन गाइडेड गोला-बारूद ले जा सकता है।

डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल अपने पद से दें इस्तीफा : अलका लांबा

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) में हुई अवैध नियुक्तियों के मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा भ्रष्टाचार के आरोप तय करने के आदेश दिये जाने को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता अलका लांबा ने स्वाती मालीवाल के इस्तीफे के मांग की है। साथ ही केजरीवाल पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या आप की नैतिकता महज एक जुमला है। अलका लांबा ने कहा कि अगस्त 2015 से अगस्त 2016 में डीसीडब्ल्यू ने कुल 87 नियुक्तियां कीं। इसमें से 71 अनुबंध आधारित थी और शेष "डायल 181" सेवा में की गई थी। इन कुल 87 नियुक्तियों में 20 लोग सीधे तौर पर आम आदमी पार्टी से जुड़े पाए गए हैं। इनकी नियुक्तियों में नियमों और प्रक्रिया को ताक पर रखा गया था और भ्रष्टाचार विरोधी शाखा ने जांच के आधार पर एफआईआर दर्ज की थी। उक्त एफआईआर का संज्ञान लेते हुए राउज एवेन्यू कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि डीसीडब्ल्यू में नियुक्तियों के दौरान

नियम और प्रक्रियाओं की धज्जियां उड़ाते हुए अपने सगे संबंधियों को मौका दिया गया। जनता के पैसे से उनकी तनख्वाह का भुगतान हुआ। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने आदेश में यहां तक कहा कि आरोपित ये नहीं कह सकते कि उन्होंने अपने और आम आदमी पार्टी के निकटवर्ती लोगों की नियुक्तियों में अपने अधिकार का गलत इस्तेमाल कर उन्हें आर्थिक लाभ नहीं पहुंचाया। कोर्ट ने दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल और अन्य के खिलाफ आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय करने का आदेश पारित किया है। अलका लांबा ने कहा कि कोर्ट द्वारा पारित आदेश आप के भ्रष्टाचार को उजागर करता है। रोज जनता को भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई की बात कहने वाले केजरीवाल और उनके नेता अब क्यों चुप हैं। उनके एक के बाद एक नेता भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों में जांच के दायरे में आते जा रहे हैं, लेकिन हमेशा दूसरों पर आरोप लगाकर बाद में माफी मांगनेवाले केजरीवाल खुद के नेताओं के भ्रष्टाचार पर चुप्पी साध लेते हैं।

पंजाब से जुड़े मुद्दों पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने की गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात

नई दिल्ली, (हि.स.)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान सीमावर्ती राज्य होने के नाते कई मुद्दों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों का शीघ्र समाधान होगा। संसद परिसर में मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में भगवंत मान ने कहा कि सीमावर्ती राज्य के मुख्यमंत्री होने के नाते वे समय-समय पर गृह मंत्री से मिलते रहते हैं। उन्होंने गृह मंत्री के सामने राज्य से जुड़े दो-तीन विषय रखें जिनपर उन्होंने हमें आश्वासन दिया है। भगवंत मान ने कहा कि केंद्र सरकार के पास राज्य का ग्रामीण विकास से जुड़ा हुआ फंड अटका हुआ है उसे जारी किए जाने की मांग की गई। यह फंड

पिछली सरकारों की गलतियों से अटका हुआ है। साथ ही उन्होंने कहा कि एक सीमावर्ती राज्य होने के नाते वहां की पुलिस को आधुनिक होना चाहिए। हम पंजाब में ड्रग और माफिया जैसे बड़े अपराधों से निपट रहे हैं। ऐसे में पुलिस का तकनीकी तौर पर सक्षम होना जरूरी है। मान ने कहा कि पंजाब में कई स्थानों पर सीमा से जुड़ी बाड़ भारतीय क्षेत्र में काफी अंदर है। ऐसे में बाड़ के दूसरी तरफ की जमीन पर खेती करने के लिए किसानों को अनावश्यक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसमें सीमा सुरक्षा बल का भी समय बेकार होता है। हमने अपनी मांग रखी की कि इस बाड़ को सीमा से 200 से 300 मीटर की दूरी तक शिफ्ट किया जाए ।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी शनिवार को करेंगे मप्र की सबसे चौड़ी सुरंग का लोकार्पण

रीवा, (हि.स.)। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 10 दिसंबर को मध्य प्रदेश के एक दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे यहां प्रदेश की सबसे चौड़ी अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त सिक्स लेन सुरंग (टनल) का लोकार्पण करेंगे। इसे रीवा-सीधी के बीच नेशनल हाई-वे अथॉरिटी ने 1004 करोड़ रुपये की लागत से बनाया है। इस टनल की खासियत यह भी है कि इसके ऊपर से गुजर रही नहर के ऊपर सड़क बनी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, केन्द्रीय मंत्री गडकरी शनिवार को दोपहर 12 बजे विशेष विमान से नागपुर से 12.45 बजे रीवा के चोरहटा हवाई पट्टी पहुंचेंगे। केन्द्रीय मंत्री हेलीकॉप्टर से सर्रा हेलीपैड जिला सीधी आएंगे और कार से फोरलेन चोरहटा बाईपास पर नवनिर्मित मोहनिया टनल पहुंचकर दोपहर 1.15 बजे सीधी की ओर से मोहनिया टनल का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद केन्द्रीय मंत्री टनल का निरीक्षण कर दोपहर 1.30 बजे मोहनिया टनल स्थल पर लगाए गए 100 फिट का राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। इसके बाद केन्द्रीय मंत्री रीवा जिले में मोहनिया टनल के समीप आयोजित आमसभा तथा लोकार्पण समारोह में शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री गडकरी दोपहर 3.30 बजे हेलीकॉप्टर से प्रस्थान कर 3.40 बजे हवाई पट्टी चोरहटा पहुंचकर विशेष विमान से 3.45 बजे नागपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। नवनिर्मित मोहनिया टनल का लोकार्पण करने के बाद सीधी से रीवा की दूरी 7 किमी कम हो जाएगी।

इसके अलावा वाहनों को मोहनिया घाटी के घुमावदार मोड़ और चढ़ाई से भी राहत मिलेगी। वाहनों के लिए घाटी से गुजरते हुए अभी 30 मिनट का समय लगता है। टनल से 5 मिनट में ही मोहनिया पहाड़ की दूरी तय हो जाएगी। अभी सीधी से रीवा की दूरी 82 किमी है, लेकिन टनल के शुरू जाने के बाद यह दूरी 75 किमी हो जाएगी। मोहनिया टनल के अंदर 100 सीसीटीवी कैमरे, पंखे और फायर-कंट्रोल सिस्टम लगाए गए हैं। साथ ही टनल के अंदर अत्याधुनिक लाइटिंग भी लगाई गई है। इस टनल प्रोजेक्ट की लागत 1 हजार 4 करोड़ है। यहां थ्री-थ्री लेन की दो टनल हैं, एक टनल की चौड़ाई साढ़े 13 मीटर है। मसलन एक टनल में एक तरफ से तीन वाहन एक साथ गुजर सकते हैं। दोनों टनल के बीच तीन स्थानों पर इंटर पासिंग की व्यवस्था की गई है, जिससे टनल के अंदर जाने के बाद वाहन बीच से वापस लौट सकें। दोनों टनल की लम्बाई 2.29 मीटर है। टनल के बाद सीधी की ओर से 12.5 मीटर और रीवा की तरफ 500 मीटर की एप्रोच रोड है। टनल को पूरी तरह से आधुनिक विधि से निर्मित कराया गया है, जिससे टनल बहु उपयोगी बन चुकी है।

12 दिसंबर को भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व करेंगी महिलाएं : जयराम रमेश

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान के सवाई माधोपुर में 12 दिसंबर को महिलाएं भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व करेंगी। इस दिन भारत जोड़ो यात्रा में सिर्फ महिलाएं ही चलेगी। इस पद यात्रा को "महिला शक्ति पद यात्रा" के नाम से जाना जाएगा। रमेश ने कहा कि 19 दिसंबर को भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान के अलवर जिले में पहुंचेगी। यहां एक विशाल रैली का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 24 दिसंबर की रात तक यात्रा दिल्ली पहुंचेगी। दिल्ली से लगभग एक सप्ताह बाद यात्रा अपने अगले

पड़ाव के लिए रवाना होगी। रमेश ने कहा कि दिल्ली में यात्रा को इस लिए रोकना पड़ रहा है क्योंकि यात्रियों के कंटेनरों की मरम्मत होनी हैं। कुछ और नये कंटेनरों का इंतजाम करना है। इस लिए यात्रा को दिल्ली में लगभग एक सप्ताह के लिए रोका जा रहा है। दो या तीन जनवरी से यात्रा अपने अगले पड़ाव के लिए दिल्ली से रवाना होगी।

राजौरी के चिंग्स में कई पाकिस्तानी गुब्बारे मिले

राजौरी, (हि.स.)। जम्मू संभाग के राजौरी जिले के चिंग्स क्षेत्र में एक जहाजनुमा गुब्बारे सहित कई पाकिस्तानी गुब्बारे मिले हैं। जहाजनुमा गुब्बारे पर अंग्रेजी में पीआईए लिखा हुआ है। चिंग्स क्षेत्र में शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने पाकिस्तानी गुब्बारे देखे तो तुरंत पुलिस को सूचित किया। पाकिस्तानी गुब्बारे देखे जाने की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने गुब्बारों के गुच्छे को कब्जे में ले लिया है। इनमें से एक जहाजनुमा गुब्बारे पर अंग्रेजी में पीआईए लिखा है। गुब्बारों के साथ किसी तरह की संदिग्ध सामग्री या हथियार आदि गिराए जाने की आशंका के चलते पुलिस ने अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर आसपास के क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया है।

भूपेन्द्र मंत्रिमंडल का इस्तीफा, 12 दिसंबर को भूपेन्द्र पटेल लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

- शनिवार 10 दिसंबर को प्रदेश कार्यालय में होगी नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक

अहमदाबाद, (हि.स.)। गुजरात विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक और प्रचंड जीत के बाद अब नई सरकार गठन की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके तहत शुक्रवार को मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने राज्यपाल आचार्य देवव्रत से राजभवन में पहुंच कर उनसे मुलाकात की और कैबिनेट मंत्रियों के साथ उन्हें अपना इस्तीफा सौंप दिया। जानकारी मिली है कि शनिवार को भाजपा के गांधीनगर स्थित प्रदेश कार्यालय कमलम में नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक की जाएगी। इसमें औपचारिक तौर से विधायक दल के नेता के तौर पर भूपेन्द्र

पटेल के नाम पर मुहर लगेगी। सरकार के नए मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण के लिए प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने राज्यपाल से शनिवार को 2 बजे का समय मांगा है। माना जा रहा है कि विधायक दल की बैठक के बाद भूपेन्द्र पटेल प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल के साथ राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। इससे पूर्व गुरुवार को ही प्रदेश अध्यक्ष ने विधानसभा चुनाव जीतने के बाद अपने पहले प्रेस कांफ्रेंस में बताया था कि 12 दिसंबर को गांधीनगर विधानसभा भवन के पीछे हेलीपैड ग्राउंड में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी उपस्थित रहेंगे। वहीं प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने साफ कर दिया था कि मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ही रहेंगे। उल्लेखनीय है कि गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा ने ऐतिहासिक और प्रचंड जीत हासिल करते हुए 182 सदस्यीय विधानसभा में 156 सीट पर विजय पताका फहरायी है।

स्वाति मालीवाल को बर्खास्त करे आप सरकार : सिरसा

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली प्रदेश भाजपा नेता मंजिंदर सिंह सिरसा ने मांग की है कि कोर्ट द्वारा दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष के खिलाफ आरोप तय होने के बाद दिल्ली सरकार को स्वाति मालीवाल को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त करना चाहिए। सिरसा ने ट्वीट में दिए वीडियो में कहा कि आम आदमी पार्टी और उनके नेता के भ्रष्टाचार के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा होगा की पार्टी का छोटा से छोटा कार्यकर्ता भी इतना भ्रष्ट है। आप एक कट्टर बेईमान पार्टी है। स्वाति मालीवाल पर कोर्ट ने आरोप तय किए हैं। ऐसे में

स्वाति मालीवाल को दिल्ली महिला आयोग का अध्यक्ष रहने का कोई अधिकार नहीं है। अरविंद केजरीवाल को मामले में सामने आना चाहिए और तुरंत प्रभाव से मालीवाल को बर्खास्त करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के एक कोर्ट ने दिल्ली महिला आयोग में नियुक्तियों के मामले में स्वाति मालीवाल पर आरोप तय किए हैं। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना है कि आप के कार्यकताओं की आयोग में अनियमित ढंग से नियुक्तियां की गई है।

भारत-चीन सीमा विवाद पर संसद में हो चर्चा :कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र में भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर चर्चा होनी चाहिए। केन्द्र सरकार को देश के सामने इस मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि लद्दाख सीमा के पास चीन हमारी जमीन पर अतिक्रमण कर रहा है। यह एक गंभीर मुद्दा है। इस विषय पर केन्द्र सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा कांग्रेस कोशिश कर रही है कि इस मुद्दे पर संसद में चर्चा हो। चौधरी ने कहा कि इंडो-चीन की स्थिति क्या है, यह हम सभी को जानने का अधिकार है। इस लिए सरकार को अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस प्रवक्ता इससे पहले भी दावा करते रहे हैं कि चीनी सेना हमारी भूमि पर लगातार अतिक्रमण कर रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे समेत कई कांग्रेस नेताओं ने सोनिया गांधी को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी को जन्मदिन पर बधाई दी और उनके स्वस्थ जीवन एवं दीघार्यु होने की कामना की। खड़गे ने ट्वीट किया कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। उनकी विनम्रता समर्पण और विपरीत हालात में खड़े रहने की उनकी अदम्य भावना ने करोड़ों लोगों को प्रेरित किया है। मैं उनके दीघार्यु होने और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश

बघेल ने सोनिया गांधी को जन्मदिन की बधाई देते हुए उन्हें अपना प्रेरणास्त्रोत बताया। उन्होंने ट्वीट किया कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्षा हम सबकी नेता सोनिया गांधी जी को जन्मदिवस पर बधाई एवं शुभकामनाएं। आपने राजनीति में समर्पण सेवा व सुचिता के अभूतपूर्व मानक स्थापित किए हैं। आप हम सब की प्रेरणा हैं। आपके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की हम सब कामना करते हैं। जीवेत् शरदः शतम। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने भी सोनिया गांधी को जन्मदिन की बधाई दी। सोनिया गांधी आज 76 साल की हो गई। वह दो दशक से अधिक समय तक कांग्रेस की अध्यक्ष रहीं। सन 2004 से 2014 तक कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार के समय वह इस गठबंधन की अध्यक्ष थीं और राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की भी प्रमुख रहीं।

भारत-चीन के बीच व्यापार घाटा दस साल में बढ़कर 36.31 अरब अमेरिकी डॉलरः पीयूष गोयल

नई दिल्ली, (हि.स)। भारत और चीन के बीच वित्त वर्ष 2004-05 से 2013-14 के बीच दस साल में व्यापार घाटा बढ़कर 36.21 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने राज्यसभा में यह जानकारी दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को राज्यसभा में एक पूरक सवाल के जवाब में कहा कि वित्त वर्ष 2004-05 से लेकर 2013-14 के बीच चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 36.21 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 तक इसमें 100 फीसदी की वृद्धि हुई है। पीयूष गोयल ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में कहा कि वित्त वर्ष 2004-05 में चीन के साथ व्यापार घाटा

1.48 अरब अमेरिकी डॉलर था, जो वित्त वर्ष 2013-14 में बढ़कर 36.21 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 में चीन के साथ व्यापार घाटा करीब 100 फीसदी बढ़कर 73.31 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि चीन से आयातित अधिकांश उत्पाद पूंजीगत सामान, मध्यवर्ती सामान और कच्चा माल है। इसका भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार एवं बिजली जैसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों की मांग को पूरा करने के लिए उनका उपयोग किया जाता है। उन्होंने बताया कि आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए सरकार ने ह्यपीएलआईह्न योजना सहित कई कदम उठाए गए हैं, जिनके परिणाम सामने आने लगे हैं।

कानपुर के विकास के लिए काम कर रही डबल इंजन की सरकार : योगी आदित्यनाथ

–मुख्यमंत्री ने 388 करोड़ रुपए की 272 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

कानपुर, (हि.स.)। कानपुर औद्योगिक नगरी के रुप में विख्यात है और यहां से देश विदेश तक व्यापार होता है, लेकिन 70 से 80 के दशक में लोगों ने ध्यान नहीं दिया। इससे यहां का कारोबार कमजोर हुआ, अब केन्द्र और प्रदेश की डबल इंजन की सरकार होने से एक बार फिर कानपुर का कारोबार बढ़ रहा है। यही नहीं कानपुर सहित पूरे उत्तर प्रदेश के विकास के लिए डबल इंजन की सरकार प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। यह बातें शुक्रवार को कानपुर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीएसएसडी कालेज में प्रबुद्ध वर्ग के सम्मेलन में कही। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश सरकार की कानून व्यवस्था की सराहना की और पिछली सरकारों की कानून व्यवस्था पर तंज भी कसा। कहा कि पहले ऐसे शरारती तत्व रहते थे जो एक चौराहे पर किसी बहन-बेटी को छेड़ता थे और दूसरा चौराहे पर डकैती डालता था। वह लोग आज ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। अगर करने का प्रयास करेंगे तो अगले चौराहे पर पुलिस ढेर कर देगी। आज चौराहे सीसीटीवी कैमरे से लैस हैं। उन्हें दूसरे

चौराहे पर पहुंचने से पहले ही पकड़ लिया जाता है।

बंद हुआ सीसामऊ नाला – मुख्यमंत्री ने कहा कि कानपुर ने अपने उद्योग के लिए पहचान बनाई। कुछ लोगों की नजरें कानपुर में रही और ये शहर दुर्व्यवस्था का शिकार हो गया। कानपुर की पहचान मोक्ष दायनी के रुप में बनी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद कानपुर आकार सीसामऊ नाला को बंद कराया। नाला को सेल्फी पॉइंट में बदल दिया गया। नमामि गंगे परिजोयजना का सबसे क्रिटिकल पॉइंट कानपुर था। यहां पर जो काम हुए या प्रयोग हुए उससे प्रयागराज में गंगा आचमन लायक हो गई है। यहां के विकास के लिए प्रधानमंत्री ने मेट्रो की सौगात दी, पहले फेस का उद्घाटन खुद प्रधानमंत्री ने किया और दूसरे व तीसरे फेस का लोकार्पण करने के लिए प्रधानमंत्री जल्द कानपुर आएंगे।

कानपुर की बदल रही छवि – योगी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कानपुर की छवि बदलने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। नमामि गंगे, मेट्रो रेल, डिफेंस कॉरिडोर, स्मार्ट सिटी, डिफेंस कॉरिडोर आदि से कानपुर को बदला जा रहा है। इसके बाद प्रबुद्ध वर्ग से डॉक्टर, उद्यमी, शिक्षक समेत 51 लोगों को सम्मानित किया।

इन योजनाओं का किया लोकार्पण – कार्यक्रम में सीएम ने 387.59 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी। पालिका स्टेडियम में बने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, कारगिल पार्क में बोटिंग समेत 174.12 करोड़ की डेढ़ सौ परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसके अलावा 213.47 करोड़ की 122 परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया।

12500 लाभार्थी हुए शामिल – प्रबुद्धजन सम्मेलन में 11 विभागों के 12 हजार 500 लाभार्थी को भी बुलाया गया है। इसमें स्वनिधि और आवास योजना के 5500, उज्जवला योजना के 2000 और कन्या विवाह सहायता योजना और मातृ शिशु के 1500 लाभार्थी पहुंचे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में अनामिका सिंह को मिला राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान

बलिया, (हि. स.)। दिल्ली स्थित हिंदी विकास संस्थान द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हिंदी ओलंपियाड में सनबीम स्कूल अगरसंडा की छात्रा अनामिका सिंह को राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान मिला है। दिल्ली के तीन मूर्ति भवन में एनआईओएस की चेयरमैन डॉ. सरोज शर्मा तथा प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. अजय तिवारी ने प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस वर्ष 23 अगस्त को यह ओलंपियाड आयोजित किया गया था, जिसमें जिले के अगरसंडा स्थित सनबीम स्कूल के कक्षा प्रथम से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया था। परिणाम की घोषणा आठ नवंबर को की गई थी। इस ओलंपियाड में सनबीम के 15 बच्चों ने स्वर्ण पदक तथा दसवीं कक्षा की अनामिका सिंह ने स्वर्ण पदक सहित राष्ट्रीय प्रतिभा

सम्मान प्राप्त किया है। अनामिका सहित सभी विद्यार्थियों की इस सफलता से विद्यालय में प्रसन्नता की लहर दौड़ गई। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष संजय कुमार पांडेय तथा सचिव अरुण कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थी ही भाषा को उच्च शिखर पर मुकाम दिला सकते हैं। विद्यालय निदेशक डा. कुंवर अरुण सिंह ने कहा कि आज भी यहां इतनी प्रतिभा छिपी है कि अनेक साहित्यकार उभर कर आ सकते हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. अर्पिता सिंह ने अनामिका को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों और उनके मार्गदर्शक अध्यापकों का अथक परिश्रम ही है जो विद्यार्थियों को समस्त प्रतियोगिताओं में उच्च शिखर पर ले जाता है। अनामिका ने यह सम्मान प्राप्त कर न केवल अपने माता-पिता अपितु विद्यालय सहित संपूर्ण जिले को गौरवान्वित किया है।

'युग और मैं वाराणसी के दिल में अपने छोटे से पल को ढूंढ रहे : अजय देवगन

—वाराणसी में फिल्म भोला की शूटिंग के बीच अभिनेता ने बेटे के साथ अपनी तस्वीर शेयर की, लिखा फोटो का कैप्शन

वाराणसी, (हि.स.)। बॉलीवुड के सिंहम नाम से मशहूर अभिनेता अजय देवगन इन दिनों धर्म नगरी काशी में अपनी फिल्म भोला की शूटिंग में व्यस्त है। फिल्म की शूटिंग में भाग लेने के लिए अभिनेता अभिषेक बच्चन भी शहर में मौजूद हैं। शूटिंग के बीच फुर्सत के पलों में अभिनेता अजय देवगन ने अपने बेटे युग देवगन के साथ की फोटो सोशल मीडिया एकाउंट पर शेयर की। फोटो देखते ही देखते वायरल हो गई। लोग अभिनेता के फोटो

पर लाइक और कमेंट कर रहे हैं। फोटो में गंगा की गोद में खड़ी नौका पर अभिनेता लेटे हुए हैं और उनके पुत्र युग ने उनके सीने पर सिर रखा हुआ है। चित्र के नीचे अभिनेता ने कैप्शन में लिखा है- युग और मैं वाराणसी के दिल में अपने छोटे से पल को ढूंढ रहे हैं। इसके पहले बेटे के साथ बनारस आये अजय देवगन ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाने के बाद होटल में बेटे के साथ की तस्वीर भी शेयर की थी। बताया जा रहा है कि फिल्म भोला साउथ फिल्म कैथी का आधिकारिक रीमेक है। फिल्म भोला अगले साल 30 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। उधर, भोला फिल्म की शूटिंग में भाग लेने आये अभिनेता अभिषेक बच्चन ने श्री संकटमोचन दरबार में दर्शन पूजन किया। लगभग 15 मिनट तक मंदिर परिसर में दर्शन पूजन करने के बाद अभिषेक लौट गये। इस दौरान मंदिर के बाहर उन्होंने अपने प्रशंसकों के साथ सेल्फी भी खिंचवाई।

एडीजी सुरक्षा यूपी विनोद सिंह ने काशी विश्वनाथ धाम में सुरक्षा व्यवस्था को परखा

-पुलिस आयुक्त और कमिश्नर से ली जानकारी, दिया दिशा निर्देश

वाराणसी, (हि.स.)। प्रदेश के एडीजी सुरक्षा विनोद सिंह और पुलिस आयुक्त मुथा अशोक जैन ने शुक्रवार को काशी विश्वनाथ धाम में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने धाम में अफसरों से सुरक्षा व्यवस्था के एक–एक बिंदुओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने अफसरों को आश्वयक दिशा निर्देश भी दिया। इसके पहले उन्होंने बाबा विश्वनाथ का दर्शन पूजन किया। इस दौरान वाराणसी परिक्षेत्र के कमिश्नर कौशलराज शर्मा, जिलाधिकारी एस राजलिंगम भी मौजूद रहे। धाम की सुरक्षा पर आयुक्त सभागार में एडीजी सुरक्षा बैठक भी करेंगे। बैठक में सीआईएसएफ की ओर से धाम की फुलप्रूफ सुरक्षा के लिए तैयार हो रही कार्ययोजना का प्रजेंटेशन दिया जाएगा। जिसमें अधिकारियों से सुझाव लिये जाएंगे। तत्पश्चात वह शासन में भेजा जाएगा। बैठक के बाद वह लखनऊ लौट जाएंगे। इसके पहले गुरूवार की शाम एडीजी सुरक्षा वाराणसी पहुंचे। छावनी क्षेत्र स्थित पीएसी के गेस्ट हाउस में उनकी अगवानी डीसीपी सुरक्षा सूर्यकांत त्रिपाठी ने की।

गुप्तारघाट स्थित नरसिंह मंदिर का नये महंत बने विमलकृष्ण दास

अयोध्या, (हि. स.)। गुप्तारघाट स्थित नरसिंह मंदिर का नया महंत विमलकृष्ण दास महाराज को बनाया गया। शुक्रवार को मंदिर प्रांगण में एक महंताई समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में अयोध्यानगरी के विशिष्ट संत-महंत व धमार्चार्यों ने साधुशाही परंपरानुसार विमलकृष्ण दास को कंठी, चद्दर, तिलक देकर महंती की मान्यता दी। अपनी ताजपोशी से नवनियुक्त महंत बहुत ही अभिभूत दिखे। इस अवसर पर मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास महाराज ने कहा कि गुप्तारघाट स्थित नरसिंह मंदिर का कार्यभार विमलकृष्ण दास को सौंपा गया है। वह हमारे छावनी की परंपरा के हैं। यहां की जो परंपरा गौ, संत, ब्राह्मण, दीन-हीन, अनाथ आदि सब प्रकार की सेवा करने की है। वह सेवा करने में विमलकृष्ण दास पूरी तरह तत्पर हैं। जो इन सेवाओं में लगे हुए भी हैं। उन्हें संतों-महंतों के बीच महंती दी गई है। अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरीशंकर दास

महाराज ने कहा कि नरसिंह मंदिर की गद्दी रिक्त पड़ी थी, जिसकी पूर्ति की गई है। गद्दी पर महंत कमलनयन दास महाराज के कृपापात्र शिष्य विमलकृष्ण दास की ताजपोशी हुई है। जो साधु सेवा करने में पूरी तरह तत्पर हैं। उन्हें नरसिंह मंदिर का नया महंत घाोषित किया गया है। समाज ने उनको कंठी, चद्दर व तिलक लगाकर महंत नियुक्त किया है। अब से नरसिंह मंदिर के महंत विमलकृष्ण दास होंगे। नये महंत विमलकृष्ण दास महाराज ने कहा कि वह आश्रम का सर्वांगीण विकास करेंगे। उन्हें आज जिस पद की बागडोर सौंपी गई है। उस पर वह अक्षरशः खरा उतरेंगे। सदैव महंत पद की प्रतिष्ठा बनाकर चलेंगे। उस पर कभी आंच नहीं आने देंगे। उनके द्वारा ऐसा कोई कार्य नही किया जायेगा, जिससे महंत पद की छवि धूमिल हो। अंत में नवनियुक्त महंत ने पधारे हुए संत-महंत एवं धमार्चार्यों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत-सम्मान किया। महंताई समारोह में दशरथ महल के विंदुगाद्याचार्य महंत देवेंद्र प्रसादाचार्य, रंगमहल पीठाधीश्वर महंत रामशरण दास, तपस्वी छावनी के ओमप्रकाश दास, महंत रामशरण दास रामायणी, जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि आलोक कुमार सिंह रोहित, भाजपा नेता शक्ति सिंह समेत अन्य संत-महंत व मंदिर से जुड़े शिष्य-परिकर मौजूद रहे।

विमान के लेट होने से नाराज यात्रियों ने बाबतपुर एयरपोर्ट पर दिया धरना

—एयरलाइंस के अफसरों और स्टाफ के मनाने पर माने

वाराणसी, (हि.स.)। बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अन्तर राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर विमान के विलंबित होने से नाराज यात्रियों ने गुरूवार शाम टर्मिनल बिल्डिंग में हंगामा करने के बाद जमीन पर बैठ कर धरना भी दिया। यह देख एयरलाइंस के कर्मचारियों ने उन्हें मनाने का प्रयास किया तो जमकर नोकझोंक भी हुई। धरने में शामिल 166 यात्रियों ने आरोप लगाया कि विमान लगभग दस घंटे विलंबित रहा। नाराज यात्रियों को एयरपोर्ट के साथ एयरलाइंस के अफसर भी समझाते बुझाते रहे। स्पाइस जेट एयरलाइंस के विमान एसजी-201 को गुरुवार को मुंबई से सुबह 7.45 बजे उड़ान भरकर 10 बजे वाराणसी एयरपोर्ट आना था। इसी विमान को सुबह 10.30 बजे बाबतपुर एयरपोर्ट से उड़ान भर दोपहर 12.30 बजे मुंबई पहुंचना था। मुंबई जाने वाले यात्री विमान में सवार होने के लिए पूर्वाह 09 बजे तक बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंच गए थे। जब निर्धारित समय पर स्पाइस जेट का विमान नहीं आया तो यात्रियों ने एयरलाइंस के कर्मचारियों से पूछताछ की। जब तीन घंटा से अधिक समय बीतने पर भी विमान नही आया तो नाराज यात्रियों ने नारेबाजी कर एयरपोर्ट के मेन टर्मिनल बिल्डिंग में धरना दिया। सुबह 10:30 बजे जाने वाला विमान रात 10:30 बजे वाराणसी एयरपोर्ट से मुंबई के लिए उड़ान भरा तो एयरलाइंस के अफसरों ने भी राहत की सांस ली।

डबल इंजन की सरकार ने सिर्फ झारखंड को लूटा: मुख्यमंत्री

मेदिनीनगर, (हि.स.)। जिला मुख्यालय मेदिनीनगर शहर स्थित शिवाजी मैदान में शुक्रवार को खतियानी जोहार यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग मंत्री मिथलेश ठाकुर, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख और श्रम मंत्री सत्यानन्द भोक्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर जेएमएम के जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा के नेतृत्व में सभी नेताओं ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को माला पहनाकर कार्यक्रम में स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान कई लोगों ने जेएमएम की सदस्यता भी ग्रहण की। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने विपक्ष की पार्टी भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार भाजपा

की सरकार ने 20 वर्षों में सिर्फ झारखंड को लूटने का काम किया है। इनके कार्यकाल में सिर्फ जनता के साथ छलावा किया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकाल में कई योजनाओं को बंद कर दिया गया लेकिन जब हेमन्त की सरकार आई तो बंद पड़े सभी योजनाओं को शुरू किया गया है। आज बुजुर्गों को पेंशन दी जा रही है। सरकार आपकी द्वार कार्यक्रम की तहत सभी प्रखंडों में जनता की समस्याओं को सुनकर उनका ऑन द स्पॉट निष्पादन किया जा रहा है।

हाई कोर्ट ने वकीलों के लिए सुविधा बढ़ाने संबंधी जनहित याचिका को फिर से किया पुनर्जीवित

रांची, (हि.स.)। धुर्वा स्थित हाई कोर्ट के नए भवन में वकीलों के लिए सुविधा बढ़ाने संबंधी जनहित याचिका पर कोर्ट इस मामले को फिर से सुनने को तैयार हो गया है। वर्ष 2015 में खत्म हुए इस जनहित याचिका को पुनर्जीवित करने की आग्रह करने वाली एडवोकेट एसोसिएशन, झारखंड हाई कोर्ट की याचिका की सुनवाई शुक्रवार को हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। कोर्ट ने इस याचिका को स्वीकार करते हुए याचिकाकर्ता से कहा कि वह इस मामले में कुछ नए आग्रह अदालत से करना चाहता है तो पिटीशन दाखिल करे। कोर्ट ने अगली सुनवाई 13 जनवरी निर्धारित की। उल्लेखनीय है कि नए हाईकोर्ट भवन में अधिवक्ताओं के लिए चेंबर की संख्या 500 से बढ़ाकर 1000 करने, लाइब्रेरी, महिला एडवोकेट के लिए सुविधा, एसोसिएशन के लिए चेंबर सहित कई अन्य सुविधा दिलाने का आग्रह किया गया है।

विकास के नाम पर हमारे नेता के सामने खड़ा होने लायक भाजपा में कोई चेहरा नहीं : उमेश कुशवाहा

-पार्टी के राष्ट्रीय परिषद की बैठक 10 दिसंबर को, 11 को को होगा खुला अधिवेशन

पटना, (हि.स.)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने मीडिया से बात करते हुए शुक्रवार को यहां कहा कि कुढ़नी में हम लोग बहुत कम अंतर से हारे हैं।महा गठबंधन के हमारे नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार को ऊंचाई पर ले जाने का जो काम किया है, विकास के जो नए आयाम खड़े किये हैं वो जग जाहिर है। भाजपा के पास विकास के नाम पर हमारे नेता के सामने खड़ा होने लायक कोई चेहरा नहीं है। चुनाव के दौरान हर वर्ग के लोगों में महा गठबंधन की स्वीकार्यता दिखाई पड़ी। प्रदेश अध्यक्ष कुशवाहा ने कहा कि भाजपा के लोगों ने जो हथकंडे अपनाये हैं और हमारी जनता को भटकाने का काम किया है वो जग जाहिर है। किस प्रकार भ्रम फैला कर लोकतंत्र की हत्या की गयी, वह सारी बातें आप मीडिया के लोग बखूबी जानते हैं। भाजपा का असली चेहरा साम्प्रदायिकता और जातिवाद का है। कुढ़नी में उन्होंने करोड़ों रुपये पानी की तरह बहाए। लोकतंत्र में

जनता मालिक होती है और कुढ़नी की जनता ने अभी जो फैसला सुनाया है वह हमें स्वीकार है। प्रदेश अध्यक्ष ने एक सवाल के जवाब में कहा कि किसी भी प्रकार का विश्लेषण करने के पक्ष में हम नहीं हैं।

महा गठबंधन के हम सभी लोग, हमारे घटक दल के सभी साथी एक साथ बैठकर समीक्षा करेंगे और आगे की रणनीति बनाएंगे महागठबंधन के प्लेटफार्म पर बैठ जो तय करेंगे, उससे आप सबको अवगत कराएंगे। जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारे नेता नीतीश कुमार के विजन का कई अन्य राज्य सरकारों के साथ ही केन्द्रीय सरकार ने भी अनुसरण करने का काम किया है।महा गठबंधन में चट्टानी एकता के साथ हमारे तमाम साथी एक हैं, कोई खींचतान नहीं है। आप मीडिया के लोग भरोसा रखिए और इस जीत से भाजपा के लोगों को ज्यादा खुश होने की जरूरत नहीं है। राजनीति में हार-जीत होती ही रहती है, यह लोकतंत्र का पहलू है पर हमलोग हार से घबराने वाले लोग नहीं हैं क्योंकि जो गिरता है वही संभलता है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा दस दिसम्बर को कपूर्री सभागार में राष्ट्रीय परिषद की बैठक होने वाली है। जबकि 11 दिसम्बर को श्री कृष्ण मेमोरियल हाल में पार्टी का खुला अधिवेशन होगा, जिसमें हमारे दल के सभी नेता, सभी सांसद, विधायक, विधान पार्षद, पूर्व सांसद, विधायक, विधान पार्षद, पार्टी के पदाधिकारी एवं पार्टी के अन्य साथियों को बुलाया गया है।

बिहार को अपराध से बचाने के लिए राजसभा सदस्य ने संसद में गुहार लगायी

बगहा, (हि.स.)। बिहार में लगातार गिर रहे कानून व्यवस्था को बताते हुए राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र दुबे ने संसद में गृह मंत्री अमित शाह से बिहार को बचाने के लिए गुहार लगायी है, उन्होंने कहा है कि हत्या, लूट, बलात्कार बैंक डकैती जैसे अपराध हो रहें हैं। उन्होंने कहा है कि मेरे जिला अंतर्गत नरकटियागंज में समाजसेवी राजेश श्रीवास्तव की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई,उसके अगले दिन होटल संचालक सूरज बैठा की हत्या जिला में कर दी गई। 7 दिसंबर को एसबीआई बैंक को लूट लिया गया। भागलपुर में सरेआम महिला को कुल्हाड़ी से काटकर मौत के घाट उतार दिया गया, ऐसी घटनाएं महागठबंधन की नई सरकार में हो रही है। पुलिस प्रशासन मूक दर्शक बनी हुई है और अपराधियों का मनोबल बढ़ गया है भय का माहौल व्याप्त है। लोग रात्रि में 8:00 बजे के बाद घर से बाहर निकलने से कतरा रहे हैं, इस तरह का माहौल 1990 से 2005 तक के शासनकाल में हुआ करता था।राज्यसभा सांसद के द्वारा संसद में उठाए गए इस मुद्दे की सराहना बगहा के विधायक सह जिलाअध्यक्ष राम सिंह, जिला उपाध्यक्ष मनोज सिंह, जिला महामंत्री अचिंत्य कुमार लल्ला,भूपेंद्रनाथ तिवारी, भूप यादव, पंकज झुनझुनवाला , सांसद के प्रतिनिधि सह जिला मंत्री रितु जायसवाल,जिला प्रवक्ता दीपक राही,दीपू तिवारी, सिपू चौबे एवं तमाम भाजपा के तमाम कार्यकताओं ने की है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

– जननी बाल सुरक्षा योजना के मिलते हैं आर्थिक लाभ

मोतिहारी, (हि.स.)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत शुक्रवार जिले के सभी पीएचसी, सीएचसी,रेफरल अस्पताल सहित सदर अस्पताल में शुक्रवार को शिविर आयोजित कर गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व एएनसी जांच की गयी। साथ ही उन्हे जरूरी चिकित्सकीय परामर्श के साथ रहन-सहन, साफ-सफाई, खान-पान, गर्भावस्था के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां की जानकारी भी दी गई, ताकि सुरक्षित और सामान्य प्रसव को बढ़ावा मिल सके और मातृ-शिशु मृत्यु दर पर विराम लग सके। सीएस डॉ अंजनी कुमार ने बताया कि मोतिहारी, ढ़ाका, सुगौली, पकड़ीदयाल, चकिया सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में महिला चिकित्सकों,नर्स, के द्वारा गर्भवती महिलाओं की वजन, बीपी, शुगर, ब्लड प्रतिशत के साथ एएनसी, ब्लड, यूरिन, एचआईवी, ब्लड ग्रुप, हार्ट-बीट आदि की भी जांच की गई और परामर्श के साथ ही उन्हें आयरन कैल्शियम की दवाई मुफ्त दी गयी।उन्हें एनीमिया से बचाव की जानकारी भी दी गई। सदर अस्पताल की महिला चिकित्सक डा. सुरुचि कुमारी व सुधा कुमारी ने बताया कि प्रसव अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तुरंत जांच करानी चाहिए।समय पर जांच कराने से किसी भी प्रकार की परेशानी का शुरूआती दौर में ही पता चल जाने से उसे आसानी से दूर किया जा सकता है। इसके लिए सरकार द्वारा प्रत्येक माह की नौ तारीख को पीएचसी स्तर पर मुफ्त एएनसी जांच की व्यवस्था की गई है। ताकि प्रसव के दौरान गर्भवती महिलाओं को किसी प्रकार की अनावश्यक शारीरिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े और सुरक्षित प्रसव को बढ़ावा

मिल सके। सदर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ श्रवण कुमार पासवान ने बताया कि जननी बाल सुरक्षा योजना के तहत ग्रामीण एवं शहरी दोनों प्रकार की गर्भवती महिलाओं को सरकारी अस्पताल में प्रसव कराने के बाद अलग-अलग प्रोत्साहन राशि सरकार द्वारा प्रदान की जाती है। इसमें ग्रामीण इलाके की गर्भवती महिलाओं को 1400 रुपये एवं शहरी क्षेत्र की महिलाओं को 1000 रुपये दिया जाता है। इस योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए सरकारी अस्पतालों पर संदर्भित करने के लिए आशा कार्यकर्ता को भी प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान है। इसमें प्रति प्रसव ग्रामीण क्षेत्रों में 600 रुपये एवं शहरी क्षेत्रों के लिए 400 रुपये दिया जाता है। इस योजना के तहत संस्थागत प्रसव पर आम लोगों के बीच जागरूकता बढ़ रही है।

संपादकीय

चुनाव नतीजों के मायने

राजधानी दिल्ली के नगर निगम की सत्ता आम आदमी पार्टी (आप) ने हासिल की है, लेकिन जनादेश 2020 के विधानसभा चुनाव जैसा नहीं रहा है। 'आप' ने भाजपा के 15-साला वर्चस्व को ध्वस्त किया है, लेकिन उखाड़ कर फेंकने का दावा खोखला साबित हुआ है। ऐसी भाषा ही क्यों बोली जाए? नगर निगम चुनाव में 'आप' को करीब 42 फीसदी वोट मिले और उसने 134 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल किया। विधानसभा चुनाव की तुलना में 'आप' के वोट 11 फीसदी घटे हैं। यह बहुत बड़ा आंकड़ा है, लिहाजा सचेत होने का जनादेश मिला है। भाजपा के वोट करीब 3 फीसदी बढ़े हैं और उसके 104 पार्षद जीते हैं। यह एक शानदार पराजय है। केजरीवाल को सचेत हो जाना चाहिए, क्योंकि उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत सरकार के मंत्रियों-गोपाल राय, कैलाश गहलोत और सत्येन्द्र जैन-के चुनाव क्षेत्रों में भाजपा जीती और 'आप' को एक-एक सीट ही नसीब हुई है। तिहाड़ जेल में बंद मंत्री सत्येन्द्र जैन के इलाके में 'आप' का सूपड़ा ही साफ हो गया है। 'आप' के अमानतुल्ला खां सरीखे विधायकों के क्षेत्रों में भी 'आप' पराजित हुई है। केजरीवाल को सोचना चाहिए कि भ्रष्टाचार एक प्रमुख मुद्दा है और उस पर जनादेश 'आप' के विपरीत भी जा सकता है। 'आप' का लगातार दावा और सर्वे 230 पार्षद जीतने के थे और भाजपा को 20 पार्षदों तक समेट देने के थे। दोनों संदर्भों में केजरीवाल नाकाम रहे, लिहाजा उन्हें अब मंथन करना चाहिए कि मुफ्तखोरी की योजनाओं और नीतियों के सहारे कब तक जीतने वाली राजनीति की जा सकती है?

> गुजरात में भी उसे करीब 15 फीसदी वोट मिल सकते हैं और दहाई से कम कुछ विधायक भी जीत कर आ सकते हैं। ऐसा जनादेश के शुरुआती रुझानों से स्पष्ट हुआ। हालांकि गुजरात चुनाव का स्वतंत्र और विस्तृत विश्लेषण बाद में करेंगे, लेकिन इतना साफ हो चुका है कि हिमाचल में 'आप' के दावे हवा-हवाई साबित हुए, क्योंकि उसका खाता तक नहीं खुल सका। अलबत्ता कुछ फीसदी वोट तो मिले होंगे। उनके आधार पर 'आप' का 'राष्ट्रीय पार्टी' बनने का रास्ता सुगम जरूर हो सकता है। गुजरात प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का गृह राज्य है और तुलनात्मक दृष्टि से विस्तृत भी है। वहां करीब 53 फीसदी वोट के साथ भाजपा 150 से ज्यादा सीटों पर जीत का ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित करती हुई लगी। गुजरात में 1985 के चुनाव में मुख्यमंत्री माधव सिंह सोलंकी के नेतृत्व में कांग्रेस ने 149 सीट हासिल की थी। गुजरात में अभी तक वही रिकॉर्ड रहा है।

बहरहाल 'आप' को एक बड़ी उपलब्धि हासिल होती स्पष्ट लग रही है कि शीघ्र ही उसे 'राष्ट्रीय पार्टी' का दर्जा दिया जा सकता है। दिल्ली और पंजाब में 'आप' की सरकारें हैं। गुजरात में भी उसे करीब 15 फीसदी वोट मिल सकते हैं और दहाई से कम कुछ विधायक भी जीत कर आ सकते हैं। ऐसा जनादेश के शुरुआती रुझानों से स्पष्ट हुआ। हालांकि गुजरात चुनाव का स्वतंत्र और विस्तृत विश्लेषण बाद में करेंगे, लेकिन इतना साफ हो चुका है कि हिमाचल में 'आप' के दावे हवा-हवाई साबित हुए, क्योंकि उसका खाता तक नहीं खुल सका। अलबत्ता कुछ फीसदी वोट तो मिले होंगे। उनके आधार पर 'आप' का 'राष्ट्रीय पार्टी' बनने का रास्ता सुगम जरूर हो सकता है। गुजरात प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का गृह राज्य है और तुलनात्मक दृष्टि से विस्तृत भी है। वहां करीब 53 फीसदी वोट के साथ भाजपा 150 से ज्यादा सीटों पर जीत का ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित करती हुई लगी। गुजरात में 1985 के चुनाव में मुख्यमंत्री माधव सिंह सोलंकी के नेतृत्व में कांग्रेस ने 149 सीट हासिल की थी। गुजरात में अभी तक वही रिकॉर्ड रहा है। प्रधानमंत्री आह्वान करते रहे कि इस बार वह कीर्तिमान टूटना चाहिए। लगातार 27 साल की सत्ता के बावजूद सातवीं बार ऐसी जीत अभूतपूर्व और प्रधानमंत्री के प्रति जनता के अगाध विश्वास और व्यापक समर्थन का ही यथार्थ है। भाजपा में यह तय करने की भी ख़बर है कि मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल 10-11 दिसंबर को नये सिरे से मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। गुजरात के इस जनादेश के साथ ही भाजपा बंगाल में वाममोर्चा सरकार के कार्यकाल की बराबरी कर लेगी। कमोबेश दिल्ली और गुजरात के चुनावों में कांग्रेस इतना पिछड़ चुकी है कि उसे 'राजनीति छोड़ो यात्रा' का आगाज़ करना चाहिए। हम जान नहीं सके कि गुजरात में कांग्रेस 125 सीटें जीत कर बहुमत हासिल करने और सरकार बनाने के किस मुग़ालते में थी? भाजपा का चुनावी हासिल यह है कि बेशक वह चुनावी सीटों के मामले में पिछड़ जाए, लेकिन उसकी राजनीतिक ज़मीन नहीं खिसकती। उसका एक निश्चित जनाधार बरकरार रहता है और इसी आधार पर उसने अभी से आगामी विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियां और रणनीतिक विमर्श शुरू कर दिए हैं। गुजरात में 27 साल के बाद भी किसी क्षेत्र और किसी समुदाय में भाजपा के प्रति मोहभंग के भाव पैदा नहीं हुए हैं। वह प्रत्येक क्षेत्र में विजयी रही है।

कुछ अलग

जनता ने तीनों ही पार्टियों को सफलता भी दी है और सबक भी सिखाया है

गुजरात दिल्ली और हिमाचल के चुनाव परिणामों का सबक क्या है? दिल्ली और हिमाचल में भाजपा हार गयी और गुजरात में उसकी एतिहासिक विजय हुई है। हमारी इस चुनाव-चर्चा के केंद्र में तीन पार्टियाँ हैं- भाजपा, कांग्रेस और आप! इन तीनों पार्टियों के हाथ एक-एक प्रांत लग गया है। दिल्ली का चुनाव तो स्थानीय था लेकिन इसका महत्व प्रांतीय ही है। दिल्ली का यह स्थानीय चुनाव प्रांतीय आईने से कम नहीं हैं। दिल्ली में आप पार्टी को भाजपा के मुकाबले ज्यादा सीटें जरूर मिली हैं लेकिन उसकी विजय को चमत्कारी नहीं कहा जा सकता है। भाजपा के वोट पिछले चुनाव के मुकाबले बढ़े हैं लेकिन आप के घटे हैं। आप के मंत्रियों पर लगे आरोपों ने उसके आकाशी इरादों पर पानी फेर दिया है। भाजपा ने यदि सकारात्मक प्रचार किया होता और वैकल्पिक सपने पेश किए होते तो उसे शायद ज्यादा सीटें मिल जातीं। भाजपा ने तीनों स्थानीय निगमों को मिलाकर सारी दिल्ली का एक स्थानीय प्रशासन लाने की कोशिश इसीलिए की थी कि अरविंद केजरीवाल की टक्कर में वह अपने एक मजबूत महापौर को खड़ा कर दे। भाजपा की यह रणनीति असफल हो गई है। कांग्रेस का सूपड़ा दिल्ली और गुजरात, दोनों में ही साफ हो गया है। गुजरात में कांग्रेस दूसरी पार्टी बनकर उभरेगी, यह तो लग रहा था लेकिन वह इतनी दुर्दशा को प्राप्त होगी, इसकी भाजपा को भी कल्पना नहीं थी।

> भाजपा की यह रणनीति असफल हो गई है। कांग्रेस का सूपड़ा दिल्ली और गुजरात, दोनों में ही साफ हो गया है। गुजरात में कांग्रेस दूसरी पार्टी बनकर उभरेगी, यह तो लग रहा था लेकिन वह इतनी दुर्दशा को प्राप्त होगी, इसकी भाजपा को भी कल्पना नहीं थी।

कांग्रेस के पास गुजरात में न तो कोई बड़ा चेहरा था और न ही राहुल गांधी वगैरह ने चुनाव-प्रचार में कोई सक्रियता दिखाई। सबसे ज्यादा धक्का लगा, आम आदमी पार्टी को! गुजरात में आम आदमी पार्टी ने बढ़-चढ़कर क्या-क्या दावे नहीं किए थे लेकिन मोदी और शाह ने गुजरात को अपनी इज्जत का सवाल बना लिया था। मुझे याद नहीं पड़ता कि भारत के किसी प्रधानमंत्री ने अपने प्रांतीय चुनाव में इतना पसीना बहाया हो, जितना मोदी ने बहाया है। आप पार्टी का प्रचारतंत्र इतना जबर्दस्त रहा कि उसने भाजपा के पसीने छुड़ा दिए थे। अरविंद केजरीवाल का यह पैंतरा भी बड़ा मजेदार है कि दिल्ली का स्थानीय प्रशासन चलाने में उन्होंने मोदी का आशीर्वाद मांगा है। इस चुनाव में आप पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली लेकिन उसकी अखिल भारतीय छवि को मजबूती जरूर मिली है। ऐसा लगता है कि 2024 के आम चुनाव में मोदी के मुकाबले अरविंद केजरीवाल का नाम सशक्त विकल्प की तरह उभर सकता है। फिर भी इन तीनों चुनावों में ऐसा संकेत नहीं मिल रहा है कि 2024 में मोदी को अपदस्थ किया जा सकता है। दिल्ली और हिमाचल में भाजपा की हार के असली कारण स्थानीय ही हैं। मोदी को कांग्रेस जरूर चुनौती देना चाहती है लेकिन उसके पास न तो कोई नेता है और न ही नीति है। हिमाचल में उसकी सफलता का असली कारण तो भाजपा के आंतरिक विवाद और शिथिल शासन है। जब तक सारे प्रमुख विरोधी दल एक नहीं होते, 2024 में मोदी को कोई चुनौती दिखाई नहीं पड़ती।

संसद की कार्रवाई को बाधित करने की स्थितियां हैं, यह अलोकतांत्रिक है, अमर्यादित हैं

संसद सत्र से जनता को हैं बड़ी उम्मीदें, पर सदस्यों का हंगामा कहीं पानी ना फेर दे

ललित गर्ग

> शीतकालीन सत्र लोकतांत्रिक समझौते के साथ समझ को विकसित करने का उदाहरण बने, यह अपेक्षित है। समझौते में शर्तें व दबाव होते हैं जबकि समझ नैसर्गिक होती है। इन्हीं दो स्थितियों में जीवन का संचालन होता है और इन्हीं से राष्ट्र, समाज और लोकतंत्र का संचालन भी होता है। लोकसभा के उपनेता एवं रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने यह संकेत दिया कि संसद के मौजूदा सत्र में महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण जैसे विषय उसकी प्राथमिकता में होंगे। यह तो सर्वविदित है कि विपक्ष गत कुछ समय की कतिपय राजनीतिक घटनाओं से उत्साहित एवं आक्रामक हुआ है। इन्हीं बुलन्द हुए हौसलों में विपक्ष की तरफ से संसद में जिन मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की जहां कोशिश होगी, वहां सत्तापक्ष को इन विषयों पर विपक्ष की ओर से उठाए गए प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तत्पर रहना चाहिए।

लोकतंत्र में सफलता की कसौटी है- संसद की कार्रवाही का निर्विघ्न संचालित होना। संसद के शीतकालीन सत्र शुरू होने से पूर्व ही हंगामा होने के आसार दिखाई दे रहे हैं। यह कोई नई-अनोखी बात नहीं है। क्योंकि समूचे विपक्ष ने इस सत्र को हंगामेदार करने की ठान ली है। जहां तक महंगाई, बेरोजगारी, चीन सीमा, सरकारी प्रतिष्ठानों एवं एजेन्सियों के कथित दुरुपयोग, कॉलेजियम जैसे मुद्दों को उठाने एवं इन विषयों पर सरकार से जवाब मांगने का प्रश्न है, यह स्वस्थ एवं जागरूक लोकतंत्र की निशानी है। लेकिन इन्हीं मुद्दों को आधार बनाकर जहां संसद की कार्रवाई को बाधित करने की स्थितियां हैं, यह अलोकतांत्रिक है, अमर्यादित हैं। शीतकालीन सत्र लोकतांत्रिक समझौते के साथ समझ को विकसित करने का उदाहरण बने, यह अपेक्षित है। समझौते में शर्तें व दबाव होते हैं जबकि समझ नैसर्गिक होती है। इन्हीं दो स्थितियों में जीवन का संचालन होता है और इन्हीं से राष्ट्र, समाज और लोकतंत्र का संचालन भी होता है। लोकसभा के उपनेता एवं रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने यह संकेत दिया कि संसद के मौजूदा सत्र में महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण जैसे विषय उसकी प्राथमिकता में होंगे। यह तो सर्वविदित है कि विपक्ष गत कुछ समय की कतिपय राजनीतिक घटनाओं से उत्साहित एवं आक्रामक हुआ है। इन्हीं बुलन्द हुए हौसलों में विपक्ष की तरफ से संसद में जिन मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की जहां कोशिश होगी, वहां सत्तापक्ष को इन विषयों पर विपक्ष की ओर से उठाए गए प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तत्पर रहना चाहिए। विपक्ष को यह आभास कराना ही चाहिए कि उसका उद्देश्य अपने सवालों के जवाब पाना है, न कि हंगामा कर सदन की कार्यवाही ठप करना। सत्तापक्ष को इसके लिए भी तत्पर रहना चाहिए कि संसद के इस सत्र में प्रस्तावित विधेयक पारित हों। ये विधेयक व्यापक विचार-विमर्श के साथ पारित होने चाहिए। जब कभी आवश्यक विधेयक संसद में अटके रह जाते हैं तो इससे कुल मिलाकर देश को नुकसान होता है।

संसद में राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श होना चाहिए, ताकि देश को कोई दिशा मिल सके, विकास के कार्यों को गति मिल सके, लेकिन इसके स्थान पर आरोप-प्रत्यारोप अधिक होना दुर्भाग्यपूर्ण है। कई बार तो इसे लेकर गतिरोध कायम हो जाता है जो संसद के अमूल्य समय की बर्बादी है। मौजूदा माहौल में सरकार के लिए चर्चा से इनकार करना मुश्किल होगा, लेकिन विपक्ष को भी इस बात का ध्यान रखना होगा कि अधिक आक्रामक रुख अख्तियार कर वह संसद की कार्यवाही को बाधित करने तक सीमित न रह जाए। ऐसा होने से लोकतंत्र की मूल भावना पर आघात होता है। विपक्ष सौहार्दपूर्ण माहौल बनाने और सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए पहल करें एवं एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करें। विपक्ष के तेवरों को देखते हुए यही प्रतीत हो रहा है कि वह दोनों सदनों में सरकार की घेराबंदी के किसी मौके को नहीं छोड़ना चाहेगा, ऐसी स्थितियां बनना देशहित में नहीं है। विरोध या आक्रामकता यदि देशहित के लिये, ज्वलंत मुद्दों पर एवं समस्याओं के समाधान के लिये हो तभी लाभदायी है। लोकमान्य तिलक ने कहा भी है कि - 'मतभेद भुलाकर किसी विशिष्ट कार्य के लिये सारे पक्षों का एक हो जाना जिंदा राष्ट्र का लक्षण है।' राजनीति के क्षेत्र में आज सर्वाधिक चिन्तनीय विषय है- विपक्षी दलों का सत्तापक्ष के प्रति विरोध या आक्षेप-प्रत्याक्षेप करना। सत्ता पक्ष को कमजोर करने के लिये संसदीय कार्रवाई को बाधित करना और तिल का ताड़ बनाने जैसी स्थितियों से देश का वातावरण दूषित, विषाक्त और भ्रान्त बनता है। देश की संसद को निरपेक्ष भाव एवं सकारात्मक ढंग से राष्ट्रीय परिस्थितियों का जायजा लेते हुए लोगों को राहत प्रदान करने के प्रावधानों पर चिन्तन-मंथन के लिये संचालित करना होगा। संसद केवल विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच वाद-विवाद का स्थल नहीं होती है बल्कि जन हित में फैसले करने का सबसे बड़ा मंच होती है। इसके माध्यम से ही सत्तारुढ़ सरकार की जवाबदेही और जिम्मेदारी तय होती है और जरूरत पड़ने पर जवाबतलबी भी होती है परन्तु यह भी सच है कि सत्ता और विपक्ष की संकीर्णता एवं राजनीतिक स्वार्थ देश के इस सर्वोपरि लोकतांत्रिक मंच को लाचार भी बनाते हैं जो 130 करोड़ जनता की लाचारी बन जाते हैं। कहना कठिन है कि संसद के शीतकालीन सत्र में क्या होगा, लेकिन अच्छा यह होगा कि राजनीतिक दल उन देशों की संसद में होने वाली कार्यवाही को अपना आदर्श बनाएं, जहां प्रत्येक विषय पर धीर-गंभीर एवं सार्थक बहस होती है। आखिर अपने देश में अमेरिका और ब्रिटेन की संसद की तरह से बहस क्यों नहीं हो सकती? यदि संसद में होने वाली बहस का स्तर ऊंचा उठ सके तो देश सबसे बड़े लोकतंत्र के साथ-साथ श्रेष्ठ लोकतंत्र की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ सकता है। लेकिन संसद में होने वाली बहस के गिरते स्तर के चलते उसकी गरिमा में गिरावट आ रही है और आम जनता संसदीय कार्यवाही को लेकर उत्साहित नहीं होती। 29 दिसम्बर तक चलने वाले सत्र के दौरान सरकार की तरफ से 16 विधेयक पेश करने की योजना बनाई गई है। यदि विपक्ष हंगामा करने को अपना मकसद नहीं बनाता और सत्तापक्ष उसकी ओर से उठाए गए मुद्दों को सुनने के लिए तत्पर रहता है तो संसद का यह शीतकालीन सत्र एक कामकाजी सत्र का उदाहरण बन सकता है। संसद में केवल ज्वलंत मसलों पर उपयोगी चर्चा ही नहीं होनी चाहिए, बल्कि विधायी कामकाज भी सुचारू रूप से होना चाहिए। यदि संसद को अपनी उपयोगिता और महत्ता कायम रखनी है तो यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि वहां पर राष्ट्रीय महत्व के मसलों पर सार्थक चर्चा हो।

कश्मीर में चल रहा संघर्ष ऐतिहासिक

> कश्मीर घाटी में एटीएम और कश्मीरी मुसलमानों के भीतरी संघर्ष को समझने के लिए घाटी पर मुग़लों के कब्जे से शुरू कर सकते हैं, लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए शाहमीर वंश और चक वंश के राज को समझना होगा। शाहमीर वंश स्वात घाटी (स्वात आजकल पाकिस्तान के खैबर पख्तूनखवा प्रान्त का एक जिला है) का था और चक या गिलगित क्षेत्र के रहने वाले थे। इसलिए यदि कश्मीर घाटी, गिलगित और बलतीस्तान को एक भौगोलिक और राजनीतिक क्षेत्र मान लिया जाए तो कश्मीर में विदेशी राज मुगल काल से शुरू होता है जब अंतर ने इस इलाक़े पर कब्जा कर लिया था लेकिन एक बात ध्यान में रखनी होगी कि कश्मीर घाटी में शाहमीर व चक शासन काल में ही अरब सैयद, मध्य एशिया के तुर्क और मुगल घाटी में आ गए थे। कुछ हमलावरों के साथ आए और शेष राज दरबार में नौकरी व रुतबे के लिए आए।

कश्मीर में चल रहे घटनाक्रम को समझने के लिए अरब, तुर्क, मुग़ल (एटीएम) और कश्मीरी मुसलमानों के बीच सदियों से चल रहे संघर्ष को समझना आवश्यक है। कश्मीर घाटी में एटीएम और कश्मीरी मुसलमानों के भीतरी संघर्ष को समझने के लिए घाटी पर मुग़लों के कब्जे से शुरू कर सकते हैं, लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए शाहमीर वंश और चक वंश के राज को समझना होगा। शाहमीर वंश स्वात घाटी (स्वात आजकल पाकिस्तान के खैबर पख्तूनखवा प्रान्त का एक जिला है) का था और चक या चक्र गिलगित क्षेत्र के रहने वाले थे। इसलिए यदि कश्मीर घाटी, गिलगित और बलतीस्तान को एक भौगोलिक और राजनीतिक क्षेत्र मान लिया जाए तो कश्मीर में विदेशी राज मुगल काल से शुरू होता है जब अंतर ने इस इलाक़े पर कब्जा कर लिया था। लेकिन एक बात ध्यान में रखनी होगी कि कश्मीर घाटी में शाहमीर व चक शासन काल में ही अरब सैयद, मध्य एशिया के तुर्क और मुगल घाटी में आ गए थे। कुछ हमलावरों के साथ आए और शेष राज दरबार में नौकरी व रुतबे के लिए आए। इसी कालखंड में इस पूरे क्षेत्र की आबादी को मतान्तरित करके इस्लाम पंथ या शिया पंथ में शामिल करने का अभियान शुरू हो गया था। इसका कारण था कि स्वात व गिलगित के लोग कश्मीरियों से पहले ही मतान्तरित हो चुके थे। 1586 में मुग़लों ने कश्मीर घाटी पर कब्जा कर लिया। कश्मीरियों ने इसका शक्ति भर विरोध किया लेकिन विजय मुग़लों के हाथ रही। मुगल शासकों ने घाटी में मतान्तरण के काम को और आगे बढ़ाया। दरबार में रुतबे के कारण एटीएम का कश्मीरी लोगों पर दबदबा व आतंक बराबर क़ायम रहा। ये स्वयं को इस्लाम के रहबर मानते थे, इसलिए मस्जिदों व इवादत खानों पर इन्हीं का कब्जा था। मस्जिदों के माध्यम से एटीएम कश्मीरी मुसलमानों पर मानसिक नियंत्रण रखता था या फिर उनका शोषण करता था। कश्मीर की राजनीतिक सत्ता, प्रत्यक्ष या परोक्ष एटीएम के और मज़हबी सत्ता प्रत्यक्ष ही एटीएम के मुल्ला मौलवियों के हाथ आ गई थी। इसलिए कश्मीरी मुसलमान इनके नागपाश को तोडने की या तो हिम्मत नहीं रखते थे या फिर साहस नहीं दिखा पाते थे। लेकिन बौद्धिक दृष्टि से कश्मीरी इन सैयदों, तुर्कों और मुग़लों से कहीं आगे थे। कश्मीर को तो वैसे भी सरस्वती का घर कहा जाता है और कश्मीरियों को सरस्वती पुत्र। यह ठीक है कि कश्मीरियों ने इस्लाम पंथ या शिया पंथ को पकड़ लिया था लेकिन इससे उनकी बौद्धिक क्षमता तो नष्ट नहीं हुई थी। बौद्धिक क्षमता में एटीएम के मुल्ला मौलवी, क़ाज़ी, मुफ़्ती, पीरजादे सब देसी कश्मीरी मुसलमानों यानि केएम के आगे बौने पड़ते थे। इसे कश्मीरियों का दुर्भाग्य ही कहना होगा कि ऐसे मौक़ों पर कश्मीर के ही कुछ जयचन्दों ने भी कश्मीरियों को मतान्तरित करने वालों का साथ दिया। सूहा भट्ट उनमें से सबसे ज्यादा कुख्यात था। ऐसा भी नहीं कि कश्मीरी युद्ध में निष्णात नहीं थे। उन्होंने मुग़लों का डट कर मुक़ाबला किया था। लेकिन अकबर ने धोखे से कश्मीर पर कब्जा किया। उसके बाद ही मुग़लों ने कश्मीरियों को कायर कह कह कर उनमें हीन भावना भरने का मनोवैज्ञानिक प्रयोग जारी रखा हुआ था। लेकिन इस सब के वाबजूद कश्मीर घाटी में एटीएम मूल के मुसलमानों की जनसंख्या 2-3 फीसदी से कभी ज्यादा नहीं रही। नगण्य संख्या के बावजूद 95 फीसदी देसी कश्मीरी मुसलमानों (केएम) पर एटीएम का दबदबा बराबर रहा। परन्तु इस पूरे परिदृश्य में महाराजा रणजीत सिंह और महाराजा गुलाब सिंह के आ जाने से हालात बदल गए। महाराजा रणजीत सिंह ने सप्त सिन्धु क्षेत्र में से विदेशी शासकों को पराजित कर और वहां के छोटे छोटे राजाओं को एक राज्य में मिला कर पूरे पश्चिमोत्तर भारत में एकीकरण व आज़ादी का बिगुल बजा दिया। गुलाब सिंह का उसने जम्मू के राजा के तौर पर चिनाव नदी के किनारे राजतिलक किया। उसके बाद गुलाब सिंह ने इस पर्वतीय क्षेत्र के छोटे छोटे सामन्तों का एकीकरण शुरू किया। रणजीत सिंह और गुलाब सिंह के इस अभियान से सीमान्त पेशावर से लेकर श्रीनगर तक विदेशी सत्ता उखड़ गई और उसके साथ ही एटीएम का दबदबा भी हवा में झूलने लगा। जम्मू कश्मीर की सत्ता प्रदेश के लोगों के ही हाथ आ गई। गुलाब सिंह रियासत के पहले महाराजा हुए। मुग़ल-अफ़ग़ान शासकों का स्थान स्थानीय शासकों ने ले लिया है, यह पीड़ा भी एटीएम को भीतर ही भीतर सालती रहती थी। शाहमीर व चक वंश के शासन में एटीएम का राज्य तो नहीं था लेकिन शासकों के हम मजहब होने के कारण दबदबा तो था ही। मुगल काल में तो उन्होंने सत्ता को संभाल ही लिया था। मस्जिदों पर कब्जा तो था ही। लेकिन सत्ता का आभामंडल छिन जाने से एटीएम का दर्दे दिल वही जान सकते थे। ऊपर से तुर्राह यह कि गुलाब सिंह से लेकर महाराजा हरि सिंह के शासन काल में बीच बीच में ख़बरें उड़ती रहती थीं कि कश्मीरी मुसलमान फिर से अपने पुरखों की विरासत में वापिस लौटने की तैयारी कर रहे हैं। आर्य समाज भी घाटी में सक्रिय था जिसने घर वापिसी का शुद्धि आन्दोलन चला रखा था। महाराजा रणवीर सिंह (1857-1885) के कार्यकाल में तो घर वापसी की यह योजना काफी आगे बढ़ गई थी। लेकिन स्वामी दयानन्द जी की यह सलाह कश्मीरी पंडितों के रास नहीं आई। वे देसी कश्मीरी मुसलमानों की घर वापसी के पक्ष में नहीं थे। लेकिन महाराजा रणवीर सिंह व कश्मीरी मुसलमान इस काम के लिए वजिद थे। तब कश्मीरी पंडितों ने महाराजा रणजीत सिंह को डराया, यदि कश्मीरी मुसलमानों की घर वापिसी की प्रार्थना का विरोध हुआ तो वे वितस्ता की गहराई में डूब कर आत्महत्या कर लेंगे। पंडितों की आत्महत्या के भय से महाराजा भी भयभीत हो गए। अभियान रुक गया था। लेकिन एटीएम का दूसरा था। आखिर यह अभियान कब तक रुक सकता था? आज तो श्रीनगर के पंडित ही घर वापसी के रास्ते में दीवार वन गए थे लेकिन कल यदि महाराजा ने यह दीवार गिरा दी या स्वयं ही भरभरा कर गिर गई तब? यदि कश्मीरी मुसलमान वापिस अपने पुराने घर में चले गए तो एटीएम की सत्ता तो दूर की बात थी, इनको खाने के भी लाले पड़ सकते थे।

नागरिक बोध

भारत नई पहल करे

पिछले साल काबुल पर तालिबान का कब्जा होते ही भारत सरकार बिल्कुल हतप्रभ हो गई थी। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या करे? हमारे विदेश मंत्री ने कहा था कि हम बैठे हैं और देख रहे हैं। उसी समय मैंने तालिबान के कब्जे के एक-दो दिन पहले ही लिखा था कि भारत सरकार को अत्यंत सतर्क रहने की जरुरत है लेकिन मुझे खुशी है कि हमारे कुछ अनुभवी अफसरों की पहल पर भारत सरकार ने ठीक रास्ता पकड़ लिया। उसने दोहा (क़तर) में स्थित तालिबानी तत्वों से संपर्क बढ़ाया, अफगानिस्तान को हजारों टन गेहूं और दवाइयां भेजने की घोषणा की और तालिबान सरकार से भी संवाद किया। काबुल स्थित अपने दूतावास को भी सक्रिय कर दिया। उधर तालिबान नेताओं और प्रवक्ता ने भारत की मदद का आभार माना, हालांकि भारत सरकार ने उनकी सरकार को कोई मान्यता नहीं दी है। इस बीच इस साल जनवरी में प्रधानमंत्री मोदी ने मध्य एशिया के पांचों गणतंत्रों के मुखियाओं के साथ सीधा संवाद भी कायम किया था। उन्होंने शांघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में अफगानिस्तान के बारे में भारत की चिंता को व्यक्त किया था। अफगानिस्तान में आतंकवादी शक्तियां अब ज्यादा सक्रिय न हो जाएं, इस दृष्टि से भारत ने कई पड़ौसी देशों के प्रतिनिधियों का सम्मेलन भी किया था लेकिन हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित दोभाल बधाई के पात्र हैं कि जिन्होंने नई दिल्ली में कल पांचों मध्य एशिया राष्ट्रों— तुर्कमेनिस्तान, कजाकिस्तान, उजबेकिस्तान, ताजिकिस्तान और किरगिजिस्तान— के सुरक्षा सलाहकारों का पहला सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में मुख्य विषय यही था कि अफगानिस्तान को आतंकवाद का अड्डा बनने से कैसे रोका जाए? पाकिस्तान के ज्यादातर आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान के कबाइली इलाकों से अपना जाल फैलाते हैं। न पाकिस्तान और न ही अफगान सरकार उन पर काबू कर पाती है। उनकी शक्ति का असली स्त्रोत वह पैसा ही है, जो इस्लामी देशों से आता है और अफीम की खेती है। सभी सुरक्षा सलाहकारों ने इन स्त्रोतों पर कड़ी रोक लगाने की घोषणा की है। सभी प्रतिनिधियों ने तालिबान सरकार से मांग की है कि वह इन आतंकियों को किसी भी तरह की सुविधा न लेने दे। अपने इस आग्रह को उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव न. 2593 के अनुसार ही बताया है। भारत सरकार की इस पहल का कुछ न कुछ ठोस असर जरूर होगा लेकिन यह तो तात्कालिक समस्या का तात्कालिक उपचार है। फिलहाल जरूरत है, संपूर्ण दक्षिण एशिया और मध्य एशिया के राष्ट्रों के बीच यूरोपीय संघ की तरह एक साझी संसद, साझी न्यायपालिका, साझा बाजार, साझी मुद्रा, मुक्त व्यापार और मुक्त आवागमन की व्यवस्था कायम हो। यदि भारत इसकी पहल नहीं करेगा तो कौन करेगा? सरकारें करें या न करें, इन देशों की जनता, जिसमें ईरान, म्यांमार और मोरिशस को भी शामिल कर ले तो इन 16 राष्ट्रों को मिलाकर 'जन-दक्षेस' नामक संगठन के जरिए एक युगांतरकारी संगठन खड़ा किया जा सकता है। यदि भारत की पहल पर यह संगठन बन गया तो एशिया अपने 10 वर्षों में ही यूरोप से अधिक समृद्ध हो सकता है।

देश दुनीया से

ताकि कोई पार्टी मुगालता न पाले

दो दिन में आए तीन महत्वपूर्ण चुनावों के नतीजे और चुनावों में अलग-अलग पार्टी की जीत का संदेश समझने की जरूरत है। गुजरात में भाजपा की महाजीत, दिल्ली में नगर निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी की जीत, हिमाचल में कांग्रेस की जीत से इतना तो तय है कि लोकतंत्र मजबूत हो रहा है। मतदाताओं ने तीनों जगह अलग-अलग मुद्दों पर अलग-अलग पैमानों पर अपनी पसंद की पार्टी का चयन किया है। यह लोकतंत्र की मजबूती की मिसाल है, और लोकतंत्र की खूबसूरती भी। चुनावों व उप-चुनावों के नतीजे देखें, तो आज का मतदाता किसी भी पार्टी के दबाव में नहीं है। भले ही सियासी दल आरोप लगाएं, लेकिन नतीजे मतदाताओं की समझदारी और देश की सियासत की नई राह की ओर इशारा कर रहे हैं। तमाम आलोचनाओं के बावजूद गुजरात चुनावों ने साबित किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज भी राज्य में सबसे लोकप्रिय और बड़े नेता हैं, जो 27 साल की एंटी-इनकंबेंसी पर भारी पड़ते हैं। गुजरात में यह सबसे बड़ी चुनावी जीत है, कभी माधो सिंह सोलंकी के समय कांग्रेस को 149 सीटें हासिल हुई थीं। हालांकि, सोलंकी को मिले मत प्रतिशत का रिकॉर्ड भाजपा नहीं तोड़ पाई है। सोलंकी के समय कांग्रेस को 55.3 प्रतिशत वोट मिले थे, पर इस बार भाजपा को करीब 53 प्रतिशत वोट मिले हैं। भाजपा के गठन के समय 1980 में गुजरात में पार्टी को सिर्फ नौ सीटें मिली थीं और 42 वर्ष में वह 150 के पार पहुंच गई।

> मतदाताओं ने तीनों जगह अलग-अलग मुद्दों पर अलग-अलग पैमानों पर अपनी पसंद की पार्टी का चयन किया है। यह लोकतंत्र की मजबूती की मिसाल है, और लोकतंत्र की खूबसूरती भी। चुनावों व उप-चुनावों के नतीजे देखें, तो आज का मतदाता किसी भी पार्टी के दबाव में नहीं है। भले ही सियासी दल आरोप लगाएं, लेकिन नतीजे मतदाताओं की समझदारी और देश की सियासत की नई राह की ओर इशारा कर रहे हैं। तमाम आलोचनाओं के बावजूद गुजरात चुनावों ने साबित किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज भी राज्य में सबसे लोकप्रिय और बड़े नेता हैं, जो 27 साल की एंटी-इनकंबेंसी पर भारी पड़ते हैं। गुजरात में यह सबसे बड़ी चुनावी जीत है, कभी माधो सिंह सोलंकी के समय कांग्रेस को 149 सीटें हासिल हुई थीं।

गुजरात में भाजपा ने सितंबर 2021 में ही चुनावी तैयारियां शुरू कर दी थीं, जब पार्टी हाईकमान ने तब के मुख्यमंत्री विजय रूपानी समेत पूरे मंत्रिमंडल को बदल दिया था। पार्टी नेताओं को तत्कालीन सरकार के खिलाफ नाराजगी समझ में आ गई थी। जिन लोगों ने उस वक्त पहली बार विधायक बने भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाने पर पार्टी आलाकमान की आलोचना की होगी, वे अब उस फैसले का मतलब समझ गए होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भले ही चुनावी नारे के तौर पर अपनी सभाओं में इस बात का जिक्र किया हो कि भूपेंद्र भाई अब नरेंद्र भाई का रिकॉर्ड तोड़ेंगे, लेकिन यह चुनावी बात सच साबित हो गई है। मगर इस बात का मतलब यह नहीं निकाला जाना चाहिए कि यह उनके कामकाज पर मोहर है। यह जीत भाजपा के नजरिये सिर्फ नरेंद्र मोदी के चेहरे की जीत है। गुजरात में सरकार के खिलाफ नाराजगी जरूर थी और इसीलिए पार्टी ने सरकार के काम के बजाय प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ा। प्रधानमंत्री मोदी ने 31 रैली और तीन बड़े रोड शो के साथ 135 विधानसभा सीटों पर चुनाव प्रचार किया था, जबकि गृह मंत्री अमित शाह ने 23 रैलियां कर 108 सीटों पर प्रचार किया था। तमाम बड़े नेताओं के अलावा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी पूरी तरह से सक्रिय था। संघ की सक्रियता का एक उदाहरण प्रधानमंत्री के गृह नगर बडनगर क्षेत्र की सीट उंझा है, जहां पिछली बार कांग्रेस जीत गई थी। इस बार यहां संघ प्रमुख के विश्वस्त किरिट पटेल को पार्टी ने टिकट दिया था। इसी तरह, अमित शाह के क्षेत्र में भी पिछली बार कांग्रेस जीत गई थी, लेकिन इस बार सीट भाजपा की झोली में लौट आई है। इससे उलट कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व वहां से पूरी तरह नदारद था। कांग्रेस के स्थानीय नेताओं और उम्मीदवारों ने यह चुनाव लड़ा और आखिरी वक्त तक यह नहीं समझ पाए कि पिछली बार दमदार चुनौती देने के बावजूद कांग्रेस नेतृत्व ने इस बार गुजरात को क्यों बेसहारा छोड़ दिया? वैसे कांग्रेस की इस हार में आम आदमी पार्टी के योगदान को भी नहीं नकारा जा सकता। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल लगातार सक्रिय रहे और पार्टी को भले ही ज्यादा सीटें नहीं मिली हों, लेकिन उन्होंने करीब 13 प्रतिशत वोट हासिल कर लिए हैं। यदि पिछली बार के कांग्रेस के 40 प्रतिशत मतों को देखा जाए, तो इस बार पार्टी को 27 प्रतिशत मत मिले हैं। मोटे तौर पर कांग्रेस के वोटों का एक बड़ा हिस्सा आम आदमी पार्टी ने हासिल कर लिया है। हिन्दुस्तान के इतिहास को देखें, तो किसी पार्टी को किसी राज्य में इतने मौके मिलना बहुत खास है। वामपंथी पार्टियां बंगाल में लगातार 34 साल सरकार चला चुकी हैं, इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए भाजपा को अगला चुनाव भी जीतना पड़ेगा।

सैनिक शासन को झटका, अमेरिका ने म्यांमार से राजनयिक संबंध का दर्जा गिराया

यंगून। सैनिक शासन को सख्त संदेश भेजते हुए अमेरिका ने म्यांमार के साथ अपने राजनयिक संबंध का दर्जा गिरा दिया है। इसके तहत यंगून स्थित अमेरिकी राजदूत थॉमस वाजदा को इसी महीने लौटने को कहा गया है। उनकी जगह किसी पूर्णकालिक राजदूत की नियुक्ति नहीं की जाएगी।

सूत्रों की तरफ से भेजे गए एक ई-मेल के जवाब में अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कहा कि राजदूत वाजदा की रवानगी के बाद वहां मौजूद दूसरे नंबर के अधिकारी (डिप्टी चीफ ऑफ मिशन) डेबॉराह लिन उनकी जिम्मेदारियां संभालेंगे।

विश्लेषकों के मुताबिक इस कदम के जरिए अमेरिका के जो बाइडेन प्रशासन ने यह संदेश दिया है कि वह म्यांमार की मौजूदा सरकार को मान्यता नहीं देता है। सैनिक शासन ने 2023 में आम चुनाव कराने का एलान किया है। अमेरिका इस बात की निगरानी करेगा कि वे चुनाव किस तरह कराए जाते हैं। उसके बाद ही वह म्यांमार के बारे में अपना अगला रुख तय करेगा। फिलहाल अमेरिका ने आशंका जताई है कि मौजूदा माहौल में म्यांमार में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं है।

म्यांमार में एक फरवरी 2021 को सेना ने निर्वाचित प्रतिनिधियों का तख्ता पलट कर सत्ता खुद संभाल ली थी। अमेरिका ने इसके बाद म्यांमार पर कई प्रतिबंध लगाए थे। इसके पहले 1990 के दशक में जब सेना ने निर्वाचित प्रतिनिधियों को जेल में डाल कर सत्ता पर कब्जा जमाया, तब 20 वर्ष तक अमेरिका ने म्यांमार के लिए राजदूत की नियुक्ति नहीं की थी। 2010 में जब म्यांमार में लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल की गई, तब अमेरिका ने वहां अपना राजदूत भेजा था। इसके बाद 2011 में तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने म्यांमार की यात्रा की थी। इस तरह 57 साल के बाद किसी अमेरिकी विदेश मंत्री ने म्यांमार की यात्रा की। 2012 में बराक ओबामा म्यांमार की यात्रा करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने थे।

थॉमस वाजदा जनवरी 2021 में राजदूत बन कर यहां आए थे। उसके कुछ ही दिन के बाद आम चुनाव में विजयी हुई आंग सान सू ची की पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी का तख्ता पलट कर सेना ने सत्ता पर कब्जा जमा लिया। उसके बाद से पश्चिमी देश यहां अपना राजदूत भेजने को लेकर अनिच्छुक रहे हैं। नियुक्ति के बाद किसी राजदूत को संबंधित देश के राष्ट्राध्यक्ष के सामने अपना परिचय पत्र पेश करना होता है। फिलहाल सैनिक शासक जनरल मिन आंग हलायंग म्यांमार के राष्ट्राध्यक्ष हैं।

सूत्रों ने कहा कि पश्चिमी देश नहीं चाहते कि उनका राजदूत ऐसे व्यक्ति के सामने अपना परिचय पत्र पेश करे, जिसने तख्ता पलट किया है। उन्हें आशंका है कि इससे गलत धारणा बनेगी। इससे माना जाएगा कि ये देश सैनिक शासन को मान्यता दे रहे हैं।

अमेरिका के पहले जर्मनी, इटली, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और दक्षिण कोरिया भी म्यांमार से राजनयिक संबंधों का अपना दर्जा गिरा चुके हैं। राजयनिक सूत्रों के मुताबिक यूरोपीय देशों में आपसी सहमति बनी है कि वे यंगून में अपने दूतावास बनाए रखेंगे, लेकिन वहां अपने राजदूत म्यांमार नहीं भेजेंगे।

न्यूज ब्रीफ

पाक की पुलिस सबसे ज्यादा भ्रष्टाचारी, न्यायपालिका तीसरा सबसे भ्रष्ट संस्थान

इस्लामाबाद। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान की पुलिस सबसे ज्यादा भ्रष्टाचारी है। इसके बाद दूसरे नंबर पर टेंडरिंग और ठेकेदारी, जबकि न्यायपालिका को तीसरा सबसे भ्रष्ट संस्थान बताया गया है। वहीं चौथे स्थान पर सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार शिक्षा क्षेत्र में बताया गया है। न्यूज के मुताबिक, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल पाकिस्तान (टीआईपी) के द्वारा राष्ट्रीय भ्रष्टाचार धारणा सर्वेक्षण (एनसीपीएस) 2022 में किए गए एक सर्वेक्षण में ये जानकारी सामने आई है। सर्वेक्षण में लोगों से पाकिस्तान में विभिन्न विभागों और संस्थानों को रैंक करने के लिए कहा गया, जहां अनियमितताएं और रिश्वतखोरी देखी गई। विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के जवाबों के आधार पर पुलिस विभाग ने भ्रष्टाचारी के मामले में पहला स्थान हासिल किया है। सूत्रों के मुताबिक, वर्षों से बड़े-बड़े दावों के बावजूद पाकिस्तान की न्यायपालिका फरयादियों को न्याय दिलाने में सक्षम नहीं रही है, क्योंकि उनका मानना है कि न्याय का पैमाना हमेशा ताकतवरों के लिए ही बदल दिया गया है। भ्रष्टाचार के मामले में शिक्षा क्षेत्र ने भी चौथा स्थान हासिल किया है। सर्वेक्षण में सामने आया है कि सिंध में शिक्षा सबसे भ्रष्ट क्षेत्र रहा है, पुलिस को दूसरे सबसे भ्रष्ट के रूप में देखा गया, जबकि तीसरे सबसे भ्रष्ट के रूप में टेंडरिंग और ठेकेदारी को देखा गया है। पाक के पंजाब में पुलिस सबसे भ्रष्ट सेक्टर रही, टेंडरिंग और ठेका दूसरे नंबर पर और न्यायपालिका तीसरे नंबर पर रही है। सूत्रों ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा में न्यायपालिका लिस्ट में पहले स्थान पर है, टेंडरिंग और ठेकेदारी दूसरे और पुलिस को तीसरे स्थान पर रखा गया है।

भारतीय मूल की सुष्मिता शुक्ला न्यूयॉर्क के फेडरल रिजर्व बैंक की प्रथम उपाध्यक्ष बनी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के फेडरल रिजर्व बैंक ने भारतीय मूल की बीमा दिग्गज सुष्मिता शुक्ला को प्रथम उपाध्यक्ष और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर नियुक्त किया है। प्रथम उपाध्यक्ष के रूप में 54 वर्षीय शुक्ला संस्था की दूसरी सबसे बड़ी अधिकारी होंगी। न्यूयॉर्क फेड ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि उनकी नियुक्ति को फेडरल रिजर्व सिस्टम के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा अनुमोदित किया गया है। शुक्ला ने एक बयान में कहा, "मैं न्यूयॉर्क फेड जैसे संस्थान के लिए काम करने का अवसर पाकर सम्मानित महसूस कर रही हूं" उन्होंने कहा, "मैं अपने करियर में सीखी गई सभी बातों को लागू करूंगी, जिसमें मेरी तकनीक, संचालन और जोखिम-केंद्रित अनुभव शामिल हैं, जो प्रमुख गतिविधियों को आगे बढ़ाने और इस महत्वपूर्ण संस्थान के समर्पित नेतृत्व का समर्थन करने के लिए है।" बैंक के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ, शुक्ला संगठन की रणनीतिक दिशा की स्थापना, संचार और निष्पादन करेंगी। वह फेडरल ओपन मार्केट कमेटी के वैकल्पिक वोटिंग सदस्य के रूप में भी काम करेंगी। न्यूयॉर्क फेड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉन सी विलियम्स ने कहा, "सुष्मिता एक गतिशील, प्रेरक और अत्यधिक प्रभावी नेता हैं, जो बड़े पैमाने के उद्यमों और परिवर्तन पहलों का नेतृत्व करने के लिए व्यापक अनुभव लाती हैं।" उन्होंने कहा, "उनके पास प्रौद्योगिकी और चुस्त नवाचार विधियों का गहन ज्ञान है और वास्तव में विविध और समावेशी संस्कृति बनाने के बारे में भावुक हैं।" शुक्ला ने लगभग 20 वर्षों तक बीमा उद्योग में नेतृत्व की भूमिका निभाई है, मुख्य रूप से संचालन, प्रौद्योगिकी और उद्यम-व्यापी परिवर्तन प्रयासों का नेतृत्व किया है।

अमेरिकी आतंकवाद विरोधी अधिकारी वर्किंग ग्रुप की बैठक के लिए आएंगे भारत

न्यूयॉर्क। यूएस स्टेट डिपार्टमेंट के काउंटर टेररिज्म अधिकारी टिमोथी बेट्स अगले हफ्ते यूएस-इंडिया काउंटर टेररिज्म जॉइंट वर्किंग ग्रुप की वार्षिक बैठक में हिस्सा लेने के लिए भारत आएंगे। बेट्स, जो आतंकवाद निरोध के लिए विभाग के कार्यवाहक समन्वयक हैं, 12-13 दिसंबर की बैठक में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। विभाग ने गुरुवार को कहा कि संयुक्त कार्य समूह की 19वीं बैठक 'क्षेत्रीय और वैश्विक आतंकवादी खतरे के आकलन, सहयोगात्मक द्विपक्षीय और क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी प्रोग्रामिंग और कानून प्रवर्तन और न्यायिक साझेदारी को मजबूत करने की पहल की समीक्षा करेगी।' ग्रुप अक्टूबर 2021 में वाशिंगटन में मिला था। विभाग ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया और जापान के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ त्रिपक्षीय आतंकवाद-विरोधी चर्चा के लिए बेट्स गुरुवार को जापान में थे, जो हिंद-प्रशांत में लगातार खतरों सहित मौजूदा आतंकवाद परिदृश्य ' पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे।' बयान में कहा गया है कि भारत आने से पहले बेट्स को दोनों देशों के बीच आतंकवाद से निपटने में सहयोग और सुरक्षा साझेदारी पर बातचीत के लिए मनीला में रुकना है।

दो अलग-अलग घटनाओं में 21 लोगों की मौत

इंडोनेशिया में कोयला खदान विस्फोट, 9 श्रमिकों की मौत

जकार्ता।

इंडोनेशिया के पश्चिम सुमात्रा प्रांत में शुक्रवार को एक कोयला खदान में विस्फोट हुआ, जिसमें नौ श्रमिकों की मौत हो गई, दो अन्य घायल हो गए और एक लापता हो गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है।

एक प्रांतीय अधिकारी ने बताया कि सावहलुन्टो शहर में स्थित खदान में विस्फोट सुबह करीब साढ़े आठ बजे हुआ।

अधिकारी के मुताबिक, घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। लापता व्यक्ति की तलाश और बचाव अभियान जारी है।

बुर्किना फासो में जिहादी हमले, सेना के 12 जवानों की मौत

बुर्किना फासो। पश्चिम अफ्रीकी देश बुर्किना फासो में जिहादी समूहों ने एक हमले को अंजाम दिया। हमले में उत्तरी बुर्किना फासो में कम से कम 12 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकांश सशस्त्र बलों का समर्थन करने वाले नागरिक स्वयंसेवक थे। यह हमला बुधवार को मध्य-उत्तर क्षेत्र के बोआला में हुआ। दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक बुर्किना 2015 से जिहादी हमलों से जूझ रहा है। यहां असंतुष्ट सैन्य अधिकारियों ने इस साल दो तख्तापलट भी किए हैं। बुर्किना फासो की सीमाएं माली, नाइजर, बेनिन, टोगो, घाना और कोट द' आईवोर से मिलती हैं।

वहीं दूसरी तरफ रूस के खिमकी शहर में एक शॉपिंग मॉल में भीषण आग लग गई और अब तक यह 18,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैल गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों की मानें तो अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

रूस ने मौत के सौदागर विक्टर बाउट के बदले अमेरिका की बास्केटबॉल स्टार ब्रिटनी को छोड़ा

वाशिंगटन। अमेरिका की बास्केटबॉल स्टार ब्रिटनी ग्राइनर को रूस ने रिहा कर दिया है। इसके बदले में रूस के हथियार व्यापारी विक्टर बाउट को अमेरिका ने रिहा किया है। रूसी जेल में बंद अमेरिकी नागरिक पाल व्हीलन को रिहा कराने में अमेरिका फिलहाल विफल रहा। राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि ब्रिटनी सुरक्षित हैं। वह विमान में हैं और अपने घर जा रही हैं।

बाइडन ने यह बात व्हाइट हाउस में ब्रिटनी की पत्नी कैरेल के साथ मीडिया से बातचीत में कही। उल्लेखनीय है कि ब्रिटनी समलैंगिक हैं। यह बात उन्होंने 2013 में एक साक्षात्कार में सार्वजनिक की थी। ये रिहाई यूक्रेन युद्ध के दौरान ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और रूस अप्रत्यक्ष रूप से एक-दूसरे से लड़ रहे हैं। बंदियों की इस अदला-बदली से यह बात भी साबित हुई है कि दोनों महाशक्तियों के बीच पर्दे के पीछे बातचीत जारी है। यह स्थिति विश्व शांति के लिए अच्छे संकेत हैं।

ब्रिटनी दो बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। उनकी गिरफ्तारी रूस में नशीला पदार्थ लेकर जाने पर हुई थी। बाद में अमेरिका ने कहा था कि रूस में जिसे नशीला पदार्थ माना जाता है उस पर अमेरिका और कई अन्य देशों में प्रतिबंध नहीं है। इस कारण ब्रिटनी गलतफहमी में उक्त पदार्थ लेकर रूस पहुंच गई थीं। ब्रिटनी करीब आठ महीने रूसी कारागार में रहीं। बाइडन प्रशासन ने बदले में बदनाम हथियार व्यापारी बाउट को रिहा किया है। बाउट को एक समय मौत का सौदागर भी कहा जाता था। वह दुनिया के कई अशांत क्षेत्रों में हथियारों की आपूर्ति के लिए बदनाम रहा है। रूसी विदेश मंत्रालय ने इस अदला-बदली की पुष्टि की है। बताया गया है कि कैदियों की अदला-बदली यूएई की राजधानी अबूधाबी में हुई। रिहाई के बाद बाउट भी विमान से अपने घर के लिए रवाना हो गए। अमेरिका के एक अन्य नागरिक पाल व्हीलन जासूसी के आरोप में दिसंबर 2018 से रूसी जेल में बंद हैं। उनकी रिहाई के संबंध में दोनों देशों के बीच कोई बात नहीं हुई है।

अमेरिकी बास्केटबॉल स्टार ब्रिटनी और रूसी हथियार कारोबारी बाउट की रिहाई यूएई के राष्ट्रपति मुहम्मद बिन जाएद अल नाह्यान और सऊदी अरब के युवराज मुहम्मद बिन सलमान के प्रयास से संभव हुई। दोनों नेताओं के अमेरिका और रूस के बड़े नेताओं से अच्छे रिश्ते हैं। दोनों देशों के संयुक्त बयान में यह बात कही गई है। दोनों बंदियों को निजी विमानों से अबूधाबी लाया गया और वहीं पर उनकी अदला-बदली हुई।

स्वीडन में रेस्पिरेटरी सिंसिसियल वायरस का संक्रमण

स्टॉकहोम। स्वीडन में रेस्पिरेटरी सिंसिसियल वायरस (आरएसवी) के मामलों में मौजूदा उछाल ने पहले ही देश में कम से कम एक बाल चिकित्सा वार्ड की क्षमता को प्रभावित कर दिया है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। स्वीडन की पब्लिक हेल्थ एजेंसी के एक महामारी विज्ञानी अन्नासारा कार्नाहन ने गुरुवार को बताया, 'हम इसमें तेजी से वृद्धि देख रहे हैं, ये लहर इस बार पहले आ गई है।'

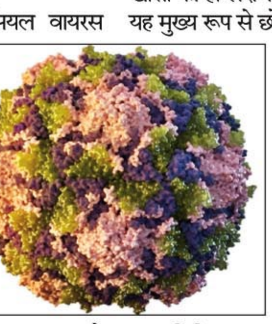

रिपोर्ट के अनुसार, वृद्धि से स्वास्थ्य अधिकारी सकते में हैं। लगातार दूसरी सर्दियों में मामलों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि देखी जा रही है। कार्नाहन ने बताया, 'जब कोई (कोविड-19) महामारी नहीं है, तो आमतौर पर हर दो साल में एक पैटर्न होता है, जिसमें एक प्रमुख महामारी एक सर्दी में आती है। यह पैटर्न (कोविड-19) महामारी के दौरान बाधित हो गया था।'

एक आरएसवी संक्रमण अक्सर कॉमन सर्दी, खांसी का ही लक्षण है, लेकिन कार्नाहन ने कहा कि यह मुख्य रूप से छोटे बच्चों को प्रभावित करता है।

उन्होंने कहा, 'सबसे छोटे बच्चों के लिए, जो पहले संक्रमित नहीं हुए हैं, यह मुश्किल हो सकता है, विशेष रूप से चिपचिपे बलगम के कारण जो बच्चों के लिए खाने और सांस लेने में मुश्किल पैदा कर सकता है।'

महामारी से संक्रमित बच्चे इमरजेंसी वार्डों और बाल चिकित्सा अस्पतालों में सामान्य से अधिक संख्या में आ रहे हैं। आरएसवी मुख्य रूप से छोटे बच्चों में फैलता है। दो वर्ष की आयु के अधिकांश बच्चे संक्रमित होने के बाद वायरस के प्रति एंटीबॉडी विकसित कर लेते हैं। हालांकि, एंटीबॉडी स्थायी प्रतिरक्षा प्रदान नहीं करते हैं।

स्वीडिश पब्लिक हेल्थ एजेंसी के अनुसार, गंभीर श्वसन लक्षणों में ऑक्सीजन के साथ उपचार की आवश्यकता हो सकती है और कुछ मामलों में वेंटिलेटर उपचार की आवश्यकता हो सकती है।

जर्मनी में प्रवासी भारतीयों से मिला यूपी प्रतिनिधिमंडल

फ्रैंकफर्ट। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 से पहले उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रवासी भारतीयों तक पहुंच को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। शुक्रवार को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में एक रोड शो में यूपी के उद्योग मंत्री नंद गोपाल गुप्ता और पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद शामिल थे।

प्रतिनिधिमंडल के साथ जा रहे अतिरिक्त मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पिछले छह वर्षों में यूपी द्वारा की गई प्रगति से यहां के भारतीय काफी प्रभावित हैं।

8 दिसंबर को फ्रैंकफर्ट में जर्मनी में निवेशक रोड शो से पहले उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने उल्लेखनीय भारत के व्यापारिक नेताओं से मुलाकात की।

उन्होंने कहा कि फ्रैंकफर्ट में भारतीय व्यापार समुदाय को उत्तर प्रदेश में अपने व्यवसाय का विस्तार करने और यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 में राज्य में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। आगामी यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के अग्रदूत के रूप में प्रतिनिधि विभिन्न देशों का दौरा कर रहे हैं और राज्य सरकार कुछ 18 देशों और भारत के 7 प्रमुख शहरों में इन्वेस्टर कनेक्ट रोड शो के माध्यम से निवेशकों तक पहुंच रही है, उत्तर प्रदेश के निवेश आकर्षण का प्रचार करने और निवेश के इरादे को बढ़ाने के लिए।

भारत के व्यापारिक नेताओं से अनुरोध किया जा रहा है कि वे उत्तर प्रदेश को भारत में अपने निवेश गंतव्य के रूप में चुनें। लॉजिस्टिक्स, टेक्सटाइल, हेल्थकेयर और फार्मा, पर्यटन, ऑटोमोटिव और ईवी जैसे क्षेत्रों में निवेश और कौशल विकास और कुशल-श्रम विनिमय में अवसरों पर चर्चा की गई।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा निर्धारित अगले पांच वर्षों में राज्य को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने की पहल में, उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (यूपी-जीआईएस) 2023 का आयोजन 10 से 12 फरवरी 2023 तक लखनऊ में किया जा रहा है।

मैंने पूर्व सेना प्रमुख बाजवा को कभी बॉस नहीं कहा : इमरान खान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि जब वह पीएम पद पर थे तो उन्होंने कभी पूर्व सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा को 'बॉस' नहीं कहा। अपने जमान पार्क स्थित लाहौर स्थित यूट्यूबर्स से बात करते हुए, उन्होंने कहा, 'मैंने जनरल कमर जावेद बाजवा को कभी 'बॉस' नहीं कहा, जब मैं उस समय प्रधानमंत्री था।'

सूत्रों ने बताया, उन्होंने दावा किया कि वह कभी भी लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद को सेना प्रमुख के रूप में नियुक्त नहीं करना चाहते थे।

उन्होंने खेद जताते हुए कहा, 'उनके खिलाफ दुष्प्रचार शुरू किया गया।'

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष ने दावा किया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बेटे सुलेमान शहबाज की घर वापसी 'राष्ट्रीय सुलह अध्यादेश (एनआरओ) दो' का हिस्सा थी।

लंदन में चार साल से अधिक का निर्वासन समाप्त करने के बाद सुलेमान पाकिस्तान लौटने के लिए तैयार हैं। खान ने कहा कि कोई समाज तब तक समृद्ध नहीं हो सकता जब तक कि उसे न्याय के सिद्धांत के तहत नहीं चलाया जाता।

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि धार्मिक अतिवाद की घटनाओं को रोकने का सबसे अच्छा तरीका लोगों को धर्म के बारे में सच्ची जानकारी देना है।

उन्होंने कहा कि उन्हें पंजाब के मुख्यमंत्री परवेज इलाही पर पूरा भरोसा है और उन्होंने कहा कि 'जैसा मैं कहता हूं वह वैसा ही करेंगे।'

उन्होंने माना कि सत्ता में रहने के बावजूद वे माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर पा रहे थे।

सूत्रों ने बताया, ऑडियो लीक के बारे में खान ने कहा कि वे क्लिप एक योजना के तहत लीक किए गए थे।

खान ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) पहले प्रतिष्ठान के अधीनस्थ रहा है और केवल कमजोरों पर हाथ रखता रहा है।'

उन्होंने कहा कि जब उनकी पार्टी सत्ता में आई, तो देश कई माफियाओं की गिरफ्त में थी, लेकिन पीटीआई सरकार उन पर नकेल नहीं कस सकी, दो परिवारों ने राज्य के संस्थानों को तोड़ दिया।

उन्होंने कहा, 'संस्थान मार्शल लॉ के अभ्यस्त हो गए हैं।'

व्हाइट हाउस की नजर में भारत बड़ी ताकत बनकर उभरेगा

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस के शीर्ष अधिकारी कर्ट कैंपबेल ने गुरुवार को कहा कि भारत न केवल अमेरिका का एक सहयोगी, बल्कि एक बड़ी ताकत बनकर उभरेगा। दो दशक में भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध जितनी तेजी से मजबूत एवं गहरे हुए हैं, वैसा किसी भी अन्य द्विपक्षीय संबंध के साथ नहीं हुआ। 'ऐस्पन सिक्योरिटी फोरम' की ओर से यहां आयोजित बैठक में भारत के संदर्भ में पूछे गए सवाल पर व्हाइट हाउस के एशिया मामलों के समन्वयक कैंपबेल ने कहा कि उनका मानना है कि 21वीं सदी में भारत के साथ द्विपक्षीय संबंध अमेरिका के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं।

अपराध-समीक्षा बैठक में बोले गहलोत

रात आठ बजे के बाद शराब बिकी तो अधिकारी होंगे सस्पेंड

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुलिस मुख्यालय में क्राइम को लेकर समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने सीकर में राजू ठेहट की हत्या की आरोपियों का पकड़ा जाना पुलिस की बड़ी उपलब्धि बताया। इसके अलावा मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि अगर किसी पुलिसकर्मी और अपराधी में गठजोड़ की बात सामने आई तो उसके खिलाफ भी सख्त एक्शन लिया जाएगा। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार समीक्षा बैठक में अशोक गहलोत ने कहा कि प्रदेश अपराध मुक्त होना चाहिए। इसके लिए पुलिस को जो करना है, वो करे। राजस्थान के अंदर बाहरी राज्यों के बदमाश शरण लेते हैं और धीरे-धीरे यही बदमाश राजस्थान में अपराध करने लगते हैं। ऐसे बदमाशों को चिन्हित कर उन्हें गिरफ्तार करें और उनके राज्यों की पुलिस को इस संबंध में अवगत कराएं। मुख्यमंत्री गहलोत ने दावा किया कि राजस्थान में क्राइम को कंट्रोल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एससीएसटी और महिला अत्याचार के मामलों में इन्वेस्टिगेशन का टाइम कम हुआ है। साल 2018 के बाद महिला अत्याचार भी कम हुए हैं। एनसीआरबी आकड़ों पर सीएम गहलोत ने कहा कि राजस्थान में आंकड़े हमेशा बढ़ा-चढ़ाकर आते हैं। हम नेशनल क्राइम से बेहतर हैं। वहीं सीएम गहलोत ने पुलिस जवानों का अपराधियों से गठजोड़ पर सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि कोई भी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी, क्रिमिनल से नेक्सस रखेगा तो उसे गिरफ्तार करेंगे। इसके साथ ही सख्त एक्शन लेकर सस्पेंड करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ड्रग का नेटवर्क चिंता का विषय बना हुआ है। इसके लिए अभियान चलाएंगे। इस अभियान में पैरेंट्स और शिक्षक वर्ग को भी शामिल करेंगे। मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। शिक्षा विभाग को भी इसमें जोड़ा जाएगा। शिक्षकों को भी निगरानी रखनी होगी। कोई बच्चा मादक पदार्थ का सेवन करता है तो शिक्षक इसकी जानकारी पुलिस और बच्चे के परिजन को दें। जिससे तस्करों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जा सके और परिजन बच्चे पर निगरानी रख सकें। राजस्थान सरकार ने रात 8 बजे बाद शराबबंदी के आदेश जारी किए थे लेकिन रात आठ बजे बाद भी शराब की दुकानें खुली मिलने की शिकायत मिलती है।

मेरिट में आने के बाद भी नियुक्ति नहीं देने पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जयपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एलडीसी भर्ती-2013 की मेरिट में आने और दस्तावेज सत्यापन के बाद भी अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं देने पर राज्य सरकार सहित संबंधित जिला परिषद से 13 दिसंबर तक जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस महेंद्र गोयल ने यह आदेश हेमंत कुमार शर्मा व अन्य की याचिका पर दिए। याचिका में कहा कि राज्य सरकार ने एलडीसी भर्ती-2013 के खाली पदों पर अब पुनः भर्ती प्रक्रिया शुरू की है। याचिकाकर्ता अभ्यर्थी भर्ती की कट ऑफ और मेरिट लिस्ट में भी आए हैं। वहीं पंचायती राज विभाग के अधीन संबंधित जिला परिषद ने उनके दस्तावेजों का सत्यापन भी कर लिया। इसके बावजूद एलडीसी के खाली पदों पर नियुक्ति के लिए बनाई अंतिम चयन सूची में उन्हें बाहर कर दिया है।

नगर निगम का चला पीला पंजा 100 से अधिक मकान तोड़े

फरीदाबाद (हिंस)। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का गंभीरता से पालन करते हुए शुक्रवार को एनआईटी नगर निगम प्रशासन ने बड़ल क्षेत्र में जबरदस्त तोड़फोड़ की कार्रवाई को अंजाम दिया। आज की कार्रवाई में नगर निगम प्रशासन ने 100 से अधिक मजबूत और पक्के और दो- दो मंजिलों के कई मकानों को ध्वस्त कर दिया। जैसे जैसे लोगों के मकानों पर पोकलेन और अर्थ मूवर मशीने चल रही थी। उतनी ही बौछार से लोगों के आखों से आंसू बहते जा रहे थे। इस तोड़फोड़ की कार्रवाई के दौरान एनआईटी डीसीपी नरेंद्र कादियान के नेतृत्व में भारी पुलिस बल मौजूद थी। इस वजह से तोड़फोड़ की कार्रवाई आज शांति पूर्वक चल रही थी। ओल्ड फरीदाबाद नगर निगम की संयुक्त आयुक्त डॉ. शिखा के नेतृत्व में एनआईटी नगर निगम का तोड़फोड़ दस्ता बड़ल क्षेत्र में पहुंची, इस तोड़फोड़ की कार्रवाई के दौरान ड्यूटी मजिस्टेट के रूप में नगर निगम के अधिशासी अभियंता ओमवीर सिंह व निगम के कार्यकारी अभियंता विनीत कुमार मौजूद थे, तोड़फोड़ की कार्रवाई की देखरेख एसडीओ सुरेंद्र हुड्डा व सुमेर सिंह कर रहे थे, इस तोड़फोड़ में नगर निगम प्रशासन ने दो पोकलेन और 6 अर्थमूवर मशीनों की मदद ली, की सहायता से बड़ल क्षेत्र में 100 से अधिक कच्चे-पक्के और दो-दो मंजिलों के मकानों को ध्वस्त कर चुके थे। एसडीओ सुरेंद्र हुड्डा ने पूछने पर बताया कि अब तक लगभग 500 से अधिक मकानों पर बुल्डोजर कर नगर निगम की लगभग 25 एकड़ जमीनों को खाली कराए जा चुके हैं, जिनकी कीमत कई सौ करोड़ रूपए में हैं, का सही अंदाजा अभी तुरंत नहीं लगाया जा सकता हैं। स्थानीय निवासी वसीम ने बताया कि लगभग 9 साल पूर्व में वह लोग गांव अटाली में रहते थे, 9 साल पूर्व में हुई हिंसा के बाद उनके 3 परिवार के लोग यहां रहने के लिए आ गए थे। लंबे संघर्ष करने के बाद फिर से उन्होनें छोटे -छोटे मकान जैसे तैसे कमा करके बनाए थे, वह भी नगर निगम ने आज तोड़ दिया। आखिरकार में वह लोग कहा जाए, उनके परिवार में छोटे -छोटे बच्चे हैं। घर में बड़े बुजुर्ग और महिलाएं हैं। इन्हें लेकर अब कहा जाए, कह रहे की घर से अपने -अपने सभी सामानों को तुरंत निकालो। ये सभी सामानों को लेकर अब कहां जाएं। इतनी जल्दी तो किराए के मकान भी नहीं मिलेंगे। मिलेंगे भी तो उनका किराया बढ़े हुए हैं। इतने तादाद में यहां के लोग बेघर हुए हैं, इन्हें किराए का मकान कहा मिलेंगें । यहां तो कोई भी मददगार नजर नहीं आ रहा हैं।

नेकां का दावा उत्तरी क्षेत्रों में साफ हो रही भाजपा

जम्मू (हिंस)। जम्मू और कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष जम्मू रतन लाल गुप्ता ने दावा किया है कि भारतीय जनता पार्टी अपनी गलत तथा जनविरोधी नीतियों के कारण उत्तर भारत में साफ हो रही है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश के चुनाव परिणामों पर बोलते हुए गुप्ता ने यह दावा किया है। उन्होंने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में चुनाव परिणाम निस्संदेह भगवा पार्टी की हार का संकेत देते हैं, जिसने चुनाव से पहले केवल लोगों को बेवकूफ बनाने के वादे किए और उन्हें कभी पूरा नहीं किया। राज्य के लोगों ने भाजपा के इस खेल को समझ लिया है तथा बैलेट पावर का इस्तेमाल कर इस पार्टी को सबक सिखाया है।

संस्कृत अध्यापक ने छात्रा को भेजे अश्लील मैसेज, ग्रामीणों नें स्कूल पर जड़ा ताला

फतेहाबाद, 9 दिसम्बर (हि.स.)। जिले के गांव चंद्रावल के राजकीय उच्च विद्यालय में संस्कृत अध्यापक द्वारा नाबालिग छात्राओं को व्हाट्सएप पर अश्लील मैसेज भेजे जाने से खफा ग्रामीणों ने शुक्रवार को जमकर हंगामा किया और स्कूल के गेट पर ताला जड़ दिया। आरोपी संस्कृत अध्यापक की उम्र 50 वर्ष से अधिक बताई जा रही है। गांव में विरोध को देखते हुए आरोपी अध्यापक पिछले एक सप्ताह से स्कूल से छुट्टी लेकर गायब है। ग्रामीणों द्वारा स्कूल पर ताला लगाकर हंगामा किए जाने की सूचना मिलने के बाद खंड शिक्षा अधिकारी जगदीश सेवदा व थाना अध्यक्ष कुलदीप सिंह मौके पर पहुंचे। बीईओ ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया और स्कूल पर लगा हुआ ताला खुलवाने के लिए कई घंटों तक संघर्ष करना पड़ा। बीईओ ने अध्यापक की घिनौनी हरकत की जांच के लिए तीन सदस्य अधिकारियों की कमेटी का गठन किया है, जिसके बाद उग्र ग्रामीण शांत हो गए। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी स्कूल में बबरू भान

नामक संस्कृत अध्यापक ने कई दिन पहले दसवीं कक्षा की छात्रा के मोबाइल नंबर पर व्हाट्सएप चैट पर अश्लील मैसेज कर दिया था। उस समय अभिभावकों ने अध्यापक के अपनी गलती स्वीकार करने और अनजाने में हो जाने का हवाला दिए जाने के बाद माफ कर दिया था, मगर 10 दिन पहले फिर आठवीं कक्षा की छात्रा के मोबाइल पर उपरोक्त अध्यापक ने व्हाट्सएप चैट पर आपत्तिजनक पोस्ट डाल दी। इसके बाद गांव में अध्यापक बबरूभान के खिलाफ बखेड़ा हो गया। गांव में विरोध के चलते आरोपी अध्यापक छुट्टी लेकर चला गया। उसके साथ-साथ स्कूल का मुखिया कैलाश चंद्र भी छुट्टी लेकर गायब हो गया। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार को अध्यापक के खिलाफ हंगामा खड़ा कर दिया। ग्रामीणों ने स्कूल पर तालाबंदी करके छात्राओं के साथ गलत हरकत करने वाले आरोपी अध्यापक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और लापरवाह स्कूल मुखिया के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने की मांग की। ग्रामीणों के विरोध के बाद शिक्षा विभाग ने मामले पर सख्त कार्रवाई करने का भरोसा दिया है। खंड शिक्षा अधिकारी जगदीश सेवदा ने बताया कि गांव चंद्रावल में संस्कृत अध्यापक के खिलाफ लोगों ने छात्राओं के साथ व्हाट्सएप चैट पर अश्लील मैसेज किए जाने के आरोप लगाए हैं। विभागीय स्तर पर तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर दी गई है, जो जांच के बाद अध्यापक दोषी मिला तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। भूना थाना अध्यक्ष कुलदीप सिंह ने बताया कि छात्राओं के अभिभावकों की तरफ से एक शिकायत शुक्रवार की देर शाम को दी गई थी, इसमें कई त्रुटियां होने के कारण अभिभावक उसे वापस ले गए थे। शिकायत मिलते ही आरोपी के खिलाफ तुरंत प्रभाव से एफआईआर दर्ज करके गिरफ्तार किया जाएगा।

शेरगढ़ गैस कांड के घायलों को अभी तो सहारे की जरूरत, हर संभव केंद्र देगा मदद : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि घायलों को अभी तो सहारे की जरूरत है। उन्हें संभव मदद केंद्र की तरफ से दी जाएगी। गैसकांड की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक अपनी बात पहुंचाई है। प्रशासन ने भी पूरी तरह तन्मयता से काम किया है। मुख्यमंत्री की तरफ से जो सहायता राशि दी गई और वे जोधपुर भी आए उसके उनका धन्यवाद है। शेखावत आज जोधपुर के समय शेरगढ़ गैस कांड पीड़ितों से मिलने एमजी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मीडिया से बातचीत में यह बात कही। केंद्रीय मंत्री शेखावत शाम को शेरगढ़ गैस कांड में घायलों की कुशल क्षेम पूछने के लिए पहुंचे। मृतकों के परिवार को ढांढस बंधाने के साथ अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। शेखावत ने जिला कलेक्टर से भी घायलों के उपचार के बारे में जानकारी जुटाई और एमजीएच में बर्न यूनिट में गए। शेखावत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अभी तो घायलों को संबल प्रदान करने का समय है। उन्हें हर तरह से मदद मिलें ऐसी जरूरत है।

न्यायिक कर्मचारी की मौत

न्यायाधीश पर कर्मचारी को बंधक बनाकर घरेलू काम कराने का आरोप

जयपुर (हिंस)। पुलिस की ओर से न्यायिक कर्मचारी सुभाष मेहरा की मौत को आत्महत्या बताने को राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ ने पूरी तरह नकारते हुए एनडीपीएस कोर्ट के न्यायाधीश पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इन अधिकारी के घर पर ही सुभाष ने आत्मदाह किया था। कर्मचारी संघ की ओर से कहा गया है कि एनडीपीएस कोर्ट के न्यायाधीश कोर्ट के सहायक कर्मचारी सुभाष मेहरा को जबरन अपने घर रखते थे और उससे कपड़े-बर्तन धोना, खाना बनाना और शौचालय की सफाई आदि कराने का काम कराते थे। न्यायाधीश उसे घर पर बंधक बनाकर रखते थे और उसे कभी कोर्ट नहीं आने देते थे। घटना से कुछ दिन पहले सुभाष प्रताड़ित होकर अपने घर चला गया था। जहां उसने परिजनों को वापस नौकरी पर नहीं जाने की बात कही थी। इस पर न्यायाधीश ने सुभाष चौक थाना पुलिस के जरिए उसे घर से उठवाया था। राजस्थान कर्मचारी संघ ने पुलिस जांच का खंडन करते हुए कहा है कि सुभाष के हाथ पर चाकू के निशान थे, लेकिन चाकू बरामद नहीं किया गया। इसके अलावा उसके गुप्तांग पर भी चोट के निशान मिले थे। वहीं उसके शव का पोस्टमार्टम बगरू में कराया गया और वहां आखिर तक न्यायाधीश वहां मौजूद क्यों रहे। कर्मचारी संघ की ओर से यह भी कहा गया है कि सुभाष के परिजनों को उसका बिना सिम का मोबाइल लौटाया गया, लेकिन सिम आज तक बरामद नहीं की गई। वहीं मृतक के भाई से पुलिस और न्यायिक अधिकारी ने दबाव में खाली कागजों पर हस्ताक्षर कराए थे। पुलिस ने सुभाष को पूर्व में सुभाष चौक थाना पुलिस की ओर से घर से उठाने की जांच भी नहीं की। इसके अलावा घटनास्थल पर पुलिस और एफएसएल की टीम एक साथ उसके परिजनों से पहले कैसे पहुंच गई। ऐसे में यह हत्या का मामला है, जिसे आत्महत्या का रूप दिया जा रहा है। कर्मचारी संघ ने यह भी आरोप लगाया गया कि हाईकोर्ट की रजिस्ट्री ने चीफ जस्टिस को तथ्यों को तोड मरोडकर पेश किया है। कर्मचारियों ने गुहार लगाई है कि सीजे उनसे रजिस्ट्री की गैर मौजूदगी में मिलकर पक्ष सुने।

लश्कर के आतंकियों के साथी को प्रोडक्शन वारंट पर लाई पठानकोट पुलिस

पठानकोट (पंजाब) जानकारी के मुताबिक हथियारों की सप्लाई पाकिस्तान से अमृतसर बार्डर पर हुई। जहां से हथियार कश्मीर घाटी ले जाने थे। बताया जा रहा है कि आतंकियों से पूछताछ में सामने आया था कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के पूर्व कांस्टेबल ने उन्हें पंजाब से उक्त हथियारों की खेप एकत्रित करने को कहा था। रमीज राजा का पठानकोट सिविल अस्पताल में मेडिकल करवाने ले जाते पुलिस जवान। दो वर्ष पहले झाकोलाहड़ी फाटक के पास से पकड़े गए लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों के साथी को पठानकोट पुलिस जम्मू-कश्मीर से प्रोडक्शन वारंट पर लाई है। आरोपी रमीज राजा को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर सात दिन का रिमांड लिया है। इससे पहले आरोपी का पठानकोट सिविल अस्पताल से मेडिकल करवाया गया। बता दें कि जून 2020 में दो आतंकियों को पुलिस ने 10 ग्रेनेड, एके-47, 60 कारतूस और दो मैगजीन समेत गिरफ्तार किया था। पूछताछ के बाद पुलिस ने लश्कर के तीसरे आतंकी जावेद अहमद बट्ट निवासी गांव शिरमल जिला शोपियां को गिरफ्तार किया था जबकि रमीज राजा तब से फरार चल रहा था। शोपियां जिला के गांव लितर निवासी रमीज राजा को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पिछले दिनों गिरफ्तार किया था।

पनीर भंडार पर खाद्य एवं सुरक्षा विभाग व सीएम फ्लाइंग ने की छापेमारी

जींद (हिंस)। नरवाना के दरोगा पनीर भंडार पर जिला खाद्य एवं सुरक्षा विभाग तथा मुख्यमंत्री उडनदस्ते की टीम ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पनीर भंडार संचालक के पास लाइसेंस वैध पाया गया। टीम ने यहां पनीर तथा क्रीम के आठ सैंपल लिए और जांच के लिए लैबोरेटरी भेजे। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगामी कार्रवाई की जाएगी। जिला खाद्य एवं सुरक्षा अधिकारी डॉ. भंवर सिंह ने बताया कि पनीर तथा क्रीम के सेंपल लेकर जांच के लिए लैबोरेटरी भेजे गए हैं। पनीर तथा क्रीम के आठ सैंपल भरे गए हैं। जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सूचना मिली थी कि नरवाना स्थित शनि मंदिर के निकट दरोगा पनीर भंडार में व्यापक स्तर पर पनीर तथा क्रीम का निर्माण किया जाता है। गुणवत्ता के मामले में खामियों से नकारा नहीं जा सकता है। जिसके आधार पर सीएम फ्लाइंग के निरीक्षक राजदीप सिंह, जिला खाद्य एवं सुरक्षा अधिकारी डॉ. भंवर सिंह दुकान पर पहुंचे। यहां पनीर भंडार संचालक पटेल नगर निवासी नसीन अख्तर मौजूद मिला।

अधिकारी करते रहे पार्षदों का इंतजार नहीं पहुंचे तो चुनाव किया स्थगित

जींद (हिंस)। नगर परिषद उप प्रधान पद चुनाव के लिए शुक्रवार को विश्राम गृह में चुनाव करवाया जाना था। चुनाव को लेकर विधायक डॉ. कृष्ण मिढा, भाजपा जिलाध्यक्ष राजू मोर, भाजपा जिला महामंत्री डॉ. राज सैनी पहुंचे थे। वहां पर सभी पार्षद भी पहुंचे थे, शुरुआती दौर में तीनों नेताओं ने पार्षदों को सर्वसम्मति से किसी एक नाम लाने की बात कही। जब कोई जवाब नहीं मिला तो उन्होंने अपनी तरफ से नाम तय करने की बात कही। कुछ देर बातचीत करने के बाद तीनों वापस बैठक में पहुंचे। जिस पर तीनों ने पार्षदों के मतदान स्थल पर हाजिरी लगाने को कहा। पार्षदों ने दो टूक कहा कि पहले प्रत्याशी के नाम की घोषणा की जाए। जिसके बाद ही वे मतदान के लिए जाएंगे, लेकिन नाम की घोषणा नहीं हुई। जिस पर पार्षदों ने हाजिरी लगाने से भी मना कर दिया। कुछ पार्षद जरूर मतदान स्थल की तरफ पहुंचे लेकिन तब तक नामांकन दाखिल करने समेत अन्य प्रक्रिया का टाइम हो चुका था। विधायक डॉ. कृष्ण मिढा व भाजपा जिलाध्यक्ष राजू मोर ने कहा कि वे सर्वसम्मति से उपप्रधान बनाने के इच्छुक है। उन्होंने सर्वसम्मति बनाने की कोशिश की गई थी। उन्होंने पार्षदों से उपप्रधान चुनाव लडने के इच्छुक से पूछा भी था लेकिन किसी ने इच्छा प्रकट नहीं की। जब तक नाम सोचकर घोषणा की जाती तब तक चुनाव का समय हो चुका था। चुनाव के रिर्टनिंग अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि पार्षदों के न पहुंचने के कारण चुनाव को स्थगित किया गया है। रिपोर्ट अधिकारियों को भेज दी गई है।

अमित शाह को नायब सिंह सैनी ने भेंट किया भगवान श्रीकृष्ण का विराट स्वरूप

कुरुक्षेत्र (हिंस)। कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के सांसद नायब सिंह सैनी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भगवान श्री कृष्ण के विराट स्वरूप के स्मृति चिन्ह को भेंट किया और कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र की योजनाओं के बारे में विचार-विमर्श भी किया। सांसद नायब सिंह सैनी ने बातचीत करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के लाखों लोगों की तरफ से भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप को स्मृति चिन्ह के रूप में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भेंट किया है। इसके बाद कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के विकास को लेकर चर्चा की गई और कई छोटी और बड़ी परियोजनाओं को गृह मंत्री के समक्ष रखा गया। उन्होंने कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र की सभी योजनाओं को बड़े ध्यान से सुना। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2022 के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल को बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की है।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री को 19 नवंबर से लेकर 6 दिसंबर तक चले अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के बारे में विस्तार से फीडबैक देते महोत्सव के बारे में जानकारी दी गई कि देश विदेश से अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का अवलोकन करने के लिए लगभग 40 से 45 लाख लोग 18 दिनों में कुरुक्षेत्र पहुंचे। सांसद ने कहा कि इस महोत्सव में शिल्प और सरस मेला मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। इसके अलावा सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी, हरियाणा पवेलियन, गीता शिल्पकला उदयान, पार्टनर स्टेट मध्य प्रदेश का पवेलियन व उनकी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। गृह मंत्री के समक्ष यह विषय भी रखा गया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के साथ डिजिटल माध्यम से करीब 1 करोड़ लोग जुड़े और सभी ने सोशल और डिजिटल संसाधनों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव को देखा। यह महोत्सव शिल्प कला के साथ-साथ लोक संस्कृति की संरक्षण का केंद्र भी बन गया है और इस महोत्सव से कुरुक्षेत्र को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष पहचान मिली है।

RE-INVITATION FOR BID

No.AF(S)27/SOPD/2022-23/92/11182-86

Sealed tenders affixing nonrefundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight and paisa twenty-five) only are re-invited by the Directorate of Fisheries, Assam, Guwahati from eligible contractors of appropriate category having currently valid registration from APWD (Bldg./ Road) CPWD or other Govt. Deptt. for the following works for Up-gradation of Meen Bhawan Complex, Guwahati under SOPD, 2022-23. The last date of submission of bid at the office of the undersigned is 19th Dec, 2022 up to 12.00 Noon. The bids will be opened on the same day at 12.30 pm where the bidders or their authorized representative may be present. The stipulated time of completion is 2(two) months for each group.

Package	Name of Work	Approximate Value of work (Rs.)	EMD(Rs.)		Tender Fee (Rs.)
			For General	For SC / ST / OBC / MOBC/ GE	
I	Up-gradation of Meen Bhawan Complex, Guwahati under SOPD, 202-23, Package-I	15,20,100.00	30,400.00	15,200.00	300.00
II	Up-gradation of Meen Bhawan Complex, Guwahati under SOPD, 202-23, Package-II	14,79,900.00	29,600.00	14,800.00	300.00

Intending quotationers may see the details and download the **Bidding document** from the website “**https://fisheriesdirector.assam.gov.in**” of the Deptt. of Fisheries, Assam from 12th Dec, 2022 up to 12.00 Noon on 19th Dec, 2022.

Sd/-
Director of Fisheries
Assam, Guwahati

-- Janasanyog /C/15677/22

35 मकान तोड़े : पास से गुजरता बेघर बुजुर्ग... हंसती पंजाब पुलिस

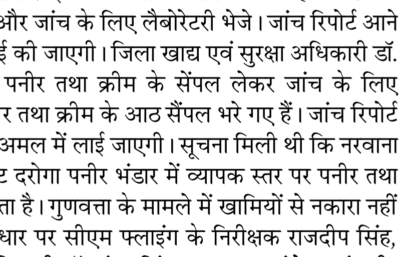

अमृतसर (पंजाब) पंजाब के जालंधर में प्रशासन ने 35 घरों को ढहा दिया है। तर्क यह है कि अवैध थे। इन घरों में लोग 60 से अधिक वर्षों से रहते थे। अब कड़ाके की ठंड में लोग बेघर हो चुके हैं। बच्चे और बुजुर्गों के सिर से छत छान चुका है। प्रशासन का कारवाइ के दौरान की एक तस्वीर बेहद चर्चा में है। एक बेबस व बेघर बुजुर्ग अपने कपड़े लेकर गुजर रहा है। ठीक उसके सामने खड़े पंजाब पुलिस के जवान हंसते कैमरे में कैद हुए हैं। इन परिवारों के जब घर उजड़ रहे थे तो इन्होंने पुलिस अधिकारियों से लेकर प्रशासन तक से अपने घरों को उजड़ने से रोकने की गुहार लगाई लेकिन सब बेकार गई। अपने उजड़े घरों को देख लोगों का दर्द मीडिया के सामने छलक गया। मीडिया से अपने दिल का गुबार निकालते हुए महिलाओं ने कहा कि हमें घर से बेघर तो कर दिया लेकिन हम अपने छोटे-छोटे बच्चों व जवान बेटियों को लेकर कहां जाएं। सर्दी के इस मौसम में अब हमारे सिर पर तो छत भी इन्होंने छीन ली है। इस उम्र में हम अब बच्चों का पालन पोषण करें या फिर मकान की किश्तें दें। इस दौरान एक महिला फूट फूटकर रो रही थी तो उसकी छोटी बच्ची खुद तो रो रही थी लेकिन अपनी मां को चुप करवा रही थी। वह मां को कह रही थी कि कोई गल्ल नहीं, मां तुसी चुप हो जावो... इस दृश्य को देख हर कोई भावुक हो गया।

No. DA31/2021/Vol-1/3/82/6

NOTICE INVITING TENDER

1. The Deputy Commissioner, Dhemaji invites tender affixing non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight and twenty five paisa) with a validity of 180 (one hundred and eighty) days only from registered contractor/firm fulfilling the eligibility criteria for supply, installation and configuration of following items.

Sl. No.	Name of the Item	Specification	Quantity
1	Digital Signature Certificates along with token	• Class 3 Digital Signature Certificate (Encrypted) along with token valid for 2 years	37 (Thirty-Seven)

1. The intending contractor/firm should submit the price including GST, logistic & installation cost and all other applicable taxes.
2. The intending contractor/firm are directed to deposit EMD amount of Rs. 3000 in form of Bank Guarantee/FDR in favour of Deputy Commissioner, Dhemaji
3. The performance security shall be accepted from the successful bidder for an amount equal to 8% of the contract value and EMD shall be adjusted as performance security from the successful bidder.
4. The tender along with valid trade license, GST Certificate and PAN card must be submitted by intending contractor/firm at O/o the Deputy Commissioner, Dhemaji on or before 3:00PM, 26th December, 2022
5. The tender shall be opened in front of intending contractor/firm or their representative at 4:00PM of 26th December, 2022 at O/o the Deputy Commissioner, Dhemaji.
6. The Short Notice Inviting Tender shall be part of the contract agreement.
7. The Deputy Commissioner, Dhemaji reserves to right to cancel this short NIT at any time without citing reason thereof.

Sd/-
Deputy Commissioner,
Dhemaji

-- Janasanyog /C/15689/22

पेटीएम अपने शेयर 'बायबैक' करने का बना रहा प्लान

13 दिसंबर को फैसला, निवेशकों को क्या फायदा होगा

नई दिल्ली।
अपने आईपीओ के फ्लॉप होने के लगभग एक वर्ष बाद पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस शेयर बायबैक करने की योजना बना रही है। कंपनी की ओर से जानकारी दी गई है कि आने वाले 13 दिसंबर को बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में शेयर बायबैक के मसले पर विचार-विमर्श किया जाएगा। आपको बता दें कि कंपनी के पास फिलहाल करीब 9,182 करोड़ रुपये की लिक्विडिटी है।

पेटीएम ने शेयर बाजार को दी जानकारी - पेटीएम की पैरेंट कंपनी की ओर से शेयर बाजार को बताया गया है कि वह अपने इक्विटी शेयरों के बायबैक के प्रस्ताव पर विचार करेगी। वन 97 कम्युनिकेशंस के मुताबिक मैनेजमेंट का मानना है कि कंपनी की मौजूदा लिक्विडिटी/वित्तीय स्थिति को देखते हुए बायबैक हमारे शेयरधारकों के लिए फायदे का सौदा हो सकता है।

क्या होता है शेयरों का बायबैक - पेटीएम अपने शेयरधारकों को राहत देने के लिए जिस बायबैक के बारे में सोच रही है वह क्या होता है आइये पहले इसे समझते हैं। आमतौर पर शेयर बायबैक के तहत कंपनी अपने प्रीमियम प्राइस पर अपने निवेशकों से शेयरों की खरीदारी करती है। शेयर बायबैक बाजार में लिक्विडिटी के संतुलन के लिए कॉरपोरेट कार्रवाई का एक हिस्सा होता है।

पेटीएम के निवेशकों को कैसे होगा शेयरों के बायबैक से लाभ - डिजिटल भुगतान सेवा प्रदाता कंपनी पेटीएम का आईपीओ वर्ष 2021 में लॉन्च हुआ था। उसके बाद शेयर बाजार में उसकी कमजोर लिस्टिंग हुई। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पेटीएम का आईपीओ पिछले एक दशक का सबसे फ्लॉप आईपीओ साबित हुआ। यह शेयर अब तक अपने इश्यू प्राइस 2150 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर नहीं पहुंच सका है। कंपनी के शेयरों में इश्यू प्राइस की तुलना में अब तक 75प्रतिशत तक की गिरावट आ चुकी है।

न्यूज ब्रीफ

अमेजॅन ने एनीम एमएमओ गेम ब्लू प्रोटोकॉल का किया खुलासा

सैन फ्रांसिस्को। अमेजन ने द गेम अवार्डस में ब्लू प्रोटोकॉल नामक एक नए एनीमे-शैली के व्यापक मल्टीप्लेयर ऑनलाइन (एमएमओ) गेम का खुलासा किया है, जिसे अगले साल की दूसरी छमाही में लॉन्च किया जाना है। रिपोर्ट के मुताबिक, गेम को बंदाई नमको द्वारा विकसित किया गया है और इसे पीएस5, एक्सबॉक्स सीरीज एक्स, एक्सबॉक्स सीरीज एस और पीसी पर रिलीज किया जाएगा। गेम को मल्टीप्लेयर एक्शन रोल-प्लेइंग गेम (आरपीजी) के रूप में वर्णित किया गया है, जो खिलाड़ियों को अलग-अलग भूमिकाएं चुनने और कहानी या मल्टीप्लेयर मोड का आनंद लेने की अनुमति देता है। पीसी खिलाड़ियों के लिए गेम का एक क्लोस्ड बीटा अगले साल की शुरूआत में जारी होने की उम्मीद है। अमेजॅन के गेम्स के उपाध्यक्ष क्रिस्टोफ हार्टमैन के अनुसार, प्रकाशन की व्यवस्था मुख्य रूप से इसलिए हुई क्योंकि कंपनी बंदाई नमको के साथ काम करना चाहती थी। हार्टमैन ने द वर्ज को बताया, हम हमेशा तीसरे पक्ष के प्रकाशक बनना चाहते हैं, भले ही हमारे खेल कितने भी सफल क्यों न हों। उन्होंने कहा, सिर्फ एक पोर्टफोलियो के नजरिए से, आपके पास अलग-अलग जॉनर हो सकते हैं, विभिन्न प्रकार के खिलाड़ियों का मनोरंजन कर सकते हैं और नए लोगों को खोजने का अवसर मिल सकता है, जो आपको आंतरिक रूप से नहीं मिलेंगे। ब्लू प्रोटोकॉल के कार्यकारी निर्माता सोचीची शिमूका ने कहा कि अमेजॅन के साथ काम करने के फायदों में से एक ट्रांसमीडिया अवसर है।

एडॉब व वेदांतु ने 485 कर्मचारियों को निकाला, स्विगी भी करेगी छंटनी

नई दिल्ली । वेदांतु व एडॉब ने 485 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। ऑनलाइन फूड डिलीवरी मंच स्विगी भी 250 कर्मचारियों की छंटनी की योजना बना रही है। एडटेक फर्म वेदांतु ने कहा कि लागत में कटौती करने और मौजूदा संसाधनों के साथ अधिक लाभ कमाने के लिए उसने 385 कर्मचारियों की छंटनी की है। यह उसके कुल कर्मचारियों का 11.6 फीसदी हिस्सा है। कंपनी इस साल 1,100 कर्मचारियों को निकाल दिया है। अब उसके कर्मचारियों की संख्या 3,300 है। कंपनी के सह-संस्थापक और कई अन्य सदस्य भी इसका हिस्सा हैं। उन्होंने अपने वेतन में 50प्रतिशत कटौती की है। उधर, एडॉब ने खर्च घटाने के लिए बिक्री विभाग के 100 लोगों को हटा दिया। हालांकि, उसने कहा कि कुछ लोगों को दूसरे विभाग में भेजा जा रहा है। ऑनलाइन गेमिंग उद्योग ने एंट्री शुल्क की जगह पूरे राजस्व पर 28 फीसदी जीएसटी लगाने की मांग की है।उद्योग ने कहा कि उसे जीएसटी की दर 18प्रतिशत से बढ़ाकर 28प्रतिशत करने पर आपत्ति नहीं है, लेकिन यह एंट्री शुल्क पर न लगाकर सकल राजस्व पर लगाया जाना चाहिए।

ग्रेप के नियमों का उल्लंघन करने पर गोदरेज गोल्फ लिंक्स बिल्डर पर लगा 10 लाख का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा। प्रदूषण को देखते हुए ग्रेप 3 के नियम लागू हो चुके हैं और उन्हीं का पालन कराने पर उत्तर प्रदेश प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड की कई टीमें जगह-जगह निरीक्षण कर रही हैं। ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के नियमों का उल्लंघन करने पर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने ग्रेटर नोएडा में गोदरेज गोल्फ लिंक्स बिल्डर पर 10 लाख रूपए का जुर्माना लगाया है। मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार दोपहर साइट पर निर्माण कार्य चल रहा था। यूपीपीसीएबी के अधिकारी के मुताबिक ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 27 में गोदरेज गोल्फ लिंक्स बिल्डर का प्रोजेक्ट है वहां निर्माण कार्य जारी था। एंटी स्मॉग गन भी नहीं लगी थी। निर्माण सामग्री खुले में पड़ी थी। प्रोजेक्ट पर मिट्टी से धूल उड़ रही थी। पानी का छिड़काव भी नहीं किया जा रहा था। इसलिए बिल्डर पर 10 लाख का जुर्माना लगाया गया और इसकी रिपोर्ट ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को भेज दी है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई ऑरेंज जोन में बना हुआ है। ग्रेटर नोएडा में एक्यूआई 300 के अंदर है और नोएडा में भी एक्यूआई 272 पर है। फिलहाल 2 दिनों से स्थिति ऑरेंज जोन में बनी हुई है जो थोड़ी राहत की बात दिखाई दे रही है।

दाल-रोटी महंगी : 1 महीने में 5प्रतिशत बढ़े गेहूं-दालों के भाव

पाम ऑयल छोड़कर सभी प्रमुख खाद्य तेलों के दाम में मामूली तेजी

नई दिल्ली।
दाल-रोटी एक बार फिर महंगी होने लगी है। बीते एक महीने में रिटेल बाजार में गेहूं व दाल के भाव 5प्रतिशत और 4प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। पाम ऑयल को छोड़कर सभी प्रमुख खाद्य तेलों की कीमतों में भी इस दौरान मामूली वृद्धि हुई है। दूसरी तरफ आलू, प्याज और टमाटर की औसत रिटेल कीमतों में गिरावट आई है।

गेहूं का औसत रिटेल भाव 31.90 रुपए प्रति किलो

केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को एक सवाल के लिखित जवाब में कहा, 'देश में गेहूं और दाल जैसी जरूरी वस्तुओं की औसत रिटेल कीमतों में हाल के महीनों में कोई तेज और लगातार वृद्धि नहीं हुई है।' गोयल के मुताबिक, 6 दिसंबर को गेहूं का औसत रिटेल भाव एक महीने पहले के 30.50 रुपए की तुलना में 31.90 रुपए प्रति किलो हो गया।

35.20 रुपए से बढ़कर 37.40 रुपए हुआ आटा

सरकार ने आटे की औसत रिटेल कीमत की जानकारी नहीं दी। लेकिन सरकार की मूल्य निगरानी प्रणाली के ब्योरे से पता चलता है कि आटे की कीमत एक महीने पहले 35.20 रुपए की तुलना में 6प्रतिशत बढ़कर 37.40 रुपए प्रति किलो हो गई है। दालों में, चना दाल की कीमत पिछले एक महीने में 2प्रतिशत बढ़ी है। ठीक एक महीने पहले चना दाल का औसत भाव 110.90 रुपए प्रति किलो था। मंगलवार को यह 112.80 रुपए प्रति किलो भाव पर बिकी। अन्य दालों के भाव में लगभग स्थिरता देखी गई।

देश के ज्यादातर इलाकों में गेहूं के भाव अभी एमएसपी से 30-40 फीसदी ऊपर है। व्यापारियों का कहना है कि मौजूदा भाव करीब-करीब रिकॉर्ड ऊंचे स्तर पर बना हुआ है। बीते 4 महीनों में कीमतें धीरे-धीरे बढ़ते हुए रिटेल में 32 रुपए किलो तक पहुंच गए हैं।

महंगाई बढ़ने के कारण क्या है

महंगाई के बढ़ने का सीधा-सीधा मतलब आपके कमाए पैसों का मूल्य कम होना है। उदाहरण के लिए, यदि महंगाई दर 7प्रतिशत है, तो आपके कमाए 100 रुपए का मूल्य 93 रुपए होगा। ऐसे कई फैक्टर हैं जो किसी इकोनॉमी में कीमतों या महंगाई को बढ़ा सकते हैं। आमतौर पर, महंगाई प्रोडक्शन कॉस्ट बढ़ने, प्रोडक्ट और सर्विसेज की डिमांड में तेजी या सप्लाई में कमी के कारण होती है। महंगाई बढ़ने के 6 बड़े कारण होते हैं: डिमांड पुल इन्फ्लेशन तब होती है जब कुछ प्रोडक्ट और सर्विसेज की डिमांड अचानक तेजी से बढ़ जाती है। कॉस्ट-पुश इन्फ्लेशन तब होती है जब मटेरियल कॉस्ट बढ़ती है। इसे कंज्यूमर को पास कर दिया जाता है।

यदि मनी सप्लाई प्रोडक्शन की दर से ज्यादा तेजी से बढ़ती है, तो इसका परिणाम महंगाई हो सकता है। कुछ इकोनॉमिस्ट सैलरी में तेज बढ़ोतरी को भी महंगाई का कारण मानते हैं। इससे प्रोडक्शन कॉस्ट बढ़ती है। सरकार की पॉलिसी से भी कॉस्ट पुश या डिमांड-पुल इन्फ्लेशन हो सकती है। इसलिए सही पॉलिसी जरूरी है। कई देश इंपोर्ट पर ज्यादा निर्भर होते हैं वहां डॉलर के मुकाबले करेंसी का कमजोर होना महंगाई का कारण बनता है।

महंगाई के आगे बेबसी क्यों

भारत में महंगाई बढ़ने को दो मुख्य कारण हैं। खाने के तेल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी और साथ ही ईंधन की कीमतों में बढ़ेतरी। दालों की कीमतों के बढ़ने से भी इंडियन फूड बास्केट तेजी से बढ़ा है। केंद्र सरकार ने इन दोनों के ही दामों में कमी लाने के लिए कदम उठाए हैं। पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने के साथ कच्चे सूरजमुखी तेल के ड्यूटी फ्री इंपोर्ट की अनुमति दी है।

सरकार के इन कदमों से महंगाई से कुछ हद तक राहत मिली है, लेकिन यह पूरी तरह से कम नहीं हो पाई है। मैन्चुफैक्चरिंग और सप्लाई चेन में दिक्कत महंगाई को बढ़ा रहे हैं। कोरोना महामारी के लॉकडाउन में मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई चेन दोनों प्रभावित हुई थी। इससे माल कम हो गया है और इसलिए उन सामानों की कीमतों में इजाफा हुआ है जो बाजारों तक कम पहुंच रहे हैं। रूस-यूक्रेन जंग ने भी इसमें बड़ा रोल निभाया है।

एलआईसी में चार सरकारी बीमा कंपनियों का हो सकता है विलय

नई दिल्ली।
देश की चार सरकारी सामान्य बीमा कंपनियों का भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में विलय हो सकता है। इन कंपनियों में द ओरिएंटल इंश्योरेंस, नेशनल इंश्योरेंस, न्यू इंडिया अश्योरेंस व यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस शामिल हैं। उद्योग के जानकारों ने बताया कि बीमा अधिनियम 1938 और बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) अधिनियम 1999 के विभिन्न प्रावधानों में संशोधन करने का प्रस्ताव दिया है। प्रस्तावित संशोधनों में कहा गया है कि जीवन और गैर-जीवन बीमा पॉलिसियों को बेचने वाली एक ही कंपनी हो। इससे आवश्यक न्यूनतम पूंजी निर्धारित करने के साथवैधानिक सीमाओं को समाप्त करने के लिए बीमा नियामक को सक्षम बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही निवेश मानदंडों में परिवर्तन के साथ अन्य विभिन्न प्रकार के बीमाकर्ताओं को मंजूरी देना शामिल है। इसके अलावा, एक अन्य कंपनी एग्रीकल्चर इंश्योरेंस को भी बाद में एलआईसी में मिलाया जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पहले घोषणा की थी कि रणनीतिक क्षेत्रों के मामले में केवल चार कंपनियां ही सरकारी हो सकती हैं। गैर-रणनीतिक क्षेत्रों के मामले में केवल एक कंपनी रहेगी। वित्त मंत्री की उस घोषणा के अनुसार, सरकार अपनी चार गैर-जीवन बीमा कंपनियों का एलआईसी में विलय कर सकती है। उपरोक्त चारों बीमा कंपनियों के कर्मचारी भी एलआईसी में विलय की मांग पहले से कर रहे हैं।

पहली बार निजी हाथों में होगी सरकारी बीमा कंपनी की कमान

एलआईसी में भी अब निजी क्षेत्र के लोगों को चेयरमैन बनने का मौका मिल सकता है। इसके शेयरों में गिरावट से सरकार ऐसी योजना बना रही है। एलआईसी इस समय 41 लाख करोड़ की संपत्तियों का प्रबंधन करती है। इसके 66 साल के इतिहास में पहली बार होगा, जब निजी क्षेत्र का कोई व्यक्ति इसका प्रमुख बनेगा। अभी तक कंपनी के ही एमडी को इसका चेयरमैन बनाया जाता रहा है। वर्तमान चेयरमैन एमआर कुमार पहले ऐसे व्यक्ति हैं, जो सीधे जोनल मैनेजर से चेयरमैन बने थे। पिछले साल हुआथा कानून में बदलाव निजी क्षेत्र की नियुक्ति के लिए पिछले साल ही एलआईसी कानून में बदलाव हुआ था, जो मार्च से लागू किया जाएगा। इसके तहत, चेयरमैन के पद को दो भाग में बांटा जाएगा। सरकार इस पर भी विचार कर रही थी कि क्या कानून में और बदलाव की जरूरत है। साथ ही वह निजी क्षेत्र की तरह भारी-भरकम वेतन दे सकती है।

अमेजन लाएगा टिकटॉक जैसा शॉपेबल कंटेंट फीड

सैन फ्रांसिस्को।
अपने प्लेटफॉर्म पर अधिक जुड़ाव पैदा करने के उद्देश्य से ई-कॉमर्स की दिग्गज कंपनी अमेजन ने घोषणा की है कि वह अपने एप्लिकेशन में इंस्पायर नाम से टिकटॉक जैसा फीड लाएगी। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, इंस्पायर कंपनी का एक प्रयास है जिससे उपयोगकर्ता खरीदारी करें, क्योंकि वे ऑनलाइन सामग्री में उत्पादों को देखते हैं।

नया फीड विकल्प एप्लिकेशन में एक लाइटबल्ब आइकन के रूप में दिखाई देगा और इस महीने यूएस उपयोगकर्ताओं को चुनने के लिए रोल आउट होगा।

ई-कॉमर्स की दिग्गज कंपनी भी फीड के लिए वीडियो बनाने के लिए प्रभावित करने वालों की भर्ती कर रही है।

इंस्पायर टैब खरीदारों को इंटीरियर डिजाइन, पालतू जानवर और स्किनकेयर जैसी श्रेणियों से चयन करने की अनुमति देगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि, वीडियो और तस्वीरों में अमेजन उत्पादों के लिंक शामिल होंगे जिन्हें सीधे खरीदा जा सकता है।

अगस्त में, कंपनी कथित तौर पर आंतरिक रूप से अपने ऐप में टिकटॉक जैसी वर्टिकल फोटो और वीडियो फीड का परीक्षण कर रही थी।

अमेजन के एक प्रवक्ता ने कहा, हम ग्राहकों के जीवन को थोड़ा आसान बनाने में मदद करने के लिए लगातार नई सुविधाओं का परीक्षण कर रहे हैं।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने आज के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। कंपनियों ने दिल्ली और चेन्नई में तेल के दामों में बदलाव किया है। सरकार ने कुछ महीने पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने की घोषणा की थी। देश में तेल के दाम लगभग पिछले चार महीने से ज्यादा समय से स्थिर हैं। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

एचडीएफसी समेत तीन बैंकों ने महंगा किया कर्ज, आरबीआई के रेपो रेट में पांचवीं बार वृद्धि के बाद अभी बढ़ेगी दर

नई दिल्ली।
आरबीआई के रेपो दर में लगातार 5वीं बार बढ़ोतरी के बाद तीन बैंकों ने कर्ज महंगा कर दिया है। इनमें एचडीएफसी बैंक, बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) और इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) शामिल हैं।

एचडीएफसी बैंक ने कर्ज की सीमांत लागत आधारित दर (एमसीएलआर) में 0.10 फीसदी बढ़ोतरी की है। नई दर 7 दिसंबर, 2022 से लागू हो गई है। संशोधन के मुताबिक, बैंक की न्यूनतम एमसीएलआर 8.20 फीसदी से बढ़कर अब 8.30 फीसदी हो गया है। ग्राहकों को एक साल की अवधि के कर्ज पर अब 8.60 फीसदी, दो साल पर 8.70 फीसदी और तीन साल पर 8.80 फीसदी ब्याज का भुगतान करना होगा। इससे पहले आईसीआईसीआई बैंक, केनरा बैंक और करूर वैश्य बैंक भी ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर चुके हैं।

बैंक ऑफ इंडिया : बैंक ने एमसीएलआर को 0.25 फीसदी बढ़ाकर 8.15 फीसदी कर दिया है। संशोधित दर सभी अवधि के कर्ज के लिए है, जो 7 दिसंबर से लागू है।

इंडियन ओवरसीज बैंक : बैंक ने अपना कर्ज 0.15 फीसदी से 0.35 फीसदी तक महंगा कर दिया है। नई दर 10 दिसंबर, 2022 से लागू होगी। ब्याज दरों में बढ़ोतरी अलग-अलग अवधि के कर्ज के लिए की गई है।

सूर्योदय स्मॉल बैंक : जमा पर 9 फीसदी तक ब्याज सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक ने जमा पर ब्याज दर में इजाफा किया है। सामान्य नागरिकों को जमा पर 9प्रतिशत ब्याज मिलेगा, जबकि वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह दर 9.50 फीसदी है। बैंक ने कहा, 6 से 9 महीने के जमा पर 5.50प्रतिशत, 9 महीने से एक साल के जमा पर 6प्रतिशत ब्याज मिलेगा।

आईटेल ने 4जी हाई-स्पीड हॉटस्पॉट के साथ मैजिक एक्स प्रो किया लॉन्च, 8 डिवाइस हो सकते हैं कनेक्ट

नई दिल्ली।
भारत के लिए अग्रणी मोबाइल ब्रांड आईटेल ने शुक्रवार को भारत में मैजिक एक्स प्रो 4जी फोन लॉन्च करने की घोषणा की, जिसे उपभोक्ताओं को बेहतर कनेक्टिविटी अनुभव प्रदान करने के लिए एक अनूठी पहल के रूप में माना जा रहा है। दो साल की सर्विस वारंटी के साथ सिर्फ 2,999 रुपये में उपलब्ध, मैजिक एक्स प्रो हाई-स्पीड हॉटस्पॉट कनेक्टिविटी प्रदान करता है जो 8 डिवाइस तक कनेक्ट हो सकते हैं।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि डुअल 4जी वोल्टई के साथ समर्थित फीचर फोन 12 भाषाओं- अंग्रेजी, हिंदी, गुजराती, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, पंजाबी, बंगाली, ओडिया, असमिया और उर्दू को भी सपोर्ट करता है।

ट्रांसियन इंडिया के सीईओ अरिजीत तालापात्रा ने कहा, स्मार्टफोन के युग में, फीचर फोन विशेष रूप से देश भर के भीतरी इलाकों और टियर 3 से नीचे के बाजारों में अभी भी कुछ उपयोगकर्ता वर्गों के लिए प्रासंगिक हैं। इन उपयोगकर्ताओं को फीचर फोन का उपयोग आसान लगता है और कई बार वे इसे अपने द्वितीयक उपकरण के रूप में उपयोग करते हैं। मैजिक एक्स प्रो ब्लू और ब्लैक कलर वेरिएंट में उपलब्ध होगा और यह ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों आउटलेट्स पर उपलब्ध होगा। तालापात्रा ने कहा, 28 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी के साथ नंबर 1 फीचर फोन मोबाइल ब्रांड होने के नाते, आईटेल अपनी अत्याधुनिक तकनीक और भविष्य के नवाचारों के साथ आकांक्षी भारत को सशक्त बनाने के अपने दृष्टिकोण के साथ जारी है। आईटेल इस सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ लाने की दिशा में काम करता रहता है और मैजिक एक्स प्रो का लॉन्च इसका प्रमाण है। इसमें 2500 एमएएच की बैटरी है जो हर फीचर की प्रभावी कार्यक्षमता सुनिश्चित करता है। मैजिक एक्स प्रो की एक और अनूठी विशेषता म्यूजिक ऐप बूम प्ले है। फीचर फोन सेगमेंट अभी भी संगीत प्रेमियों के लिए एफएम रेडियो और प्रीलोडेड गानों पर निर्भर करता है, वहीं मैजिक एक्स प्रो उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन संगीत सुनने की अनुमति देता है। कंपनी ने कहा कि बिल्ट-इन बूमप्ले उपयोगकर्ताओं को दुनिया भर के 74 मिलियन गानों को विभिन्न शैलियों जैसे फिल्मों, भक्ति आदि में स्ट्रीम करने की अनुमति देता है। तालापात्रा ने आगे कहा, मैजिक एक्स प्रो एक मास्टरपीस फीचर फोन है जो हाई-स्पीड इंटरनेट ब्राउजिंग, हॉटस्पॉट हब, 2 साल की सर्विस वारंटी और कई अन्य इनोवेटिव फीचर्स के साथ आता है जो इस सेगमेंट के लिए रोमांचक और प्रासंगिक हैं। मैजिक एक्स प्रो 4जी वीओएलटीई तकनीक से भरपूर है और इसमें 2.4-इंच (6.1 सेमी) क्यूवीजीए डिस्प्ले का सुंदर कर्व्ड और कॉम्पैक्ट है। फोन में किंगवॉइस असिस्टेंस के साथ आठ प्रीलोडेड गेम्स हैं। यह वीजीए रियर कैमरा और डुअल-सिम सपोर्ट के साथ आता है। फोन एक चार्जर के साथ आता है और बॉक्स में हैंड्स-फ्री होता है, यह सुनिश्चित करता है कि ग्राहक अच्छी तरह से सुसज्जित हैं। आईटेल भारत का अग्रणी ब्रांड है जो एचडी-सक्षम वोल्टई कॉल जैसे भविष्य के विकल्प प्रदान करता है ताकि उपभोक्ता क्रिस्टल स्पष्ट बातचीत कर सकें और अपने लेट्सचैट एप्लिकेशन के माध्यम से सस्ती कीमत पर चैट ग्रुप्स बना सकें। मैजिक एक्स प्रो के लॉन्च के साथ, आईटेल ने एक बार फिर फीचर फोन बनाकर इनोवेशन में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया है जो किसी भी स्मार्टफोन के बराबर हैं और पॉकेट-फ्रेंडली हैं।

भारत मध्य अफ्रीका को 2 अरब डॉलर का 'सॉफ्ट लोन' देगा

नई दिल्ली। भारत ने मध्य अफ्रीका में परियोजनाओं के लिए 2 बिलियन डालर के सॉफ्ट लोन देने का फैसला किया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत रुचिरा कंबोज ने गुरुवार को मध्य अफ्रीका के क्षेत्रों के साथ नई दिल्ली के सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को रेखांकित करते हुए ये बातें कही। यूएनओसीए/एलआरए (यूएन रीजनल ऑफिस फॉर यूएनओसीए) पर यूएनएससी की ब्रीफिंग के दौरान राजदूत कंबोज ने कहा, भारत के मध्य अफ्रीकी के देशों के साथ सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंध हैं। हमने इस क्षेत्र में अपनी राजनयिक उपस्थिति बढ़ाई है। क्षेत्र में विकास के लिए हमारी सहायता और समन्वय स्थायी रहा है। उन्होंने कहा, हमने क्षेत्र के देशों को कृषि, परिवहन, बिजली और पानी की आपूर्ति से जुड़ी परियोजनाओं के लिए 2 बिलियन अमरीकी डालर का सॉफ्ट लोन दिया है।

मूविंग इन विद मलाइका को बेटे अरहान ने किया फुल सपोर्ट : मलाइका

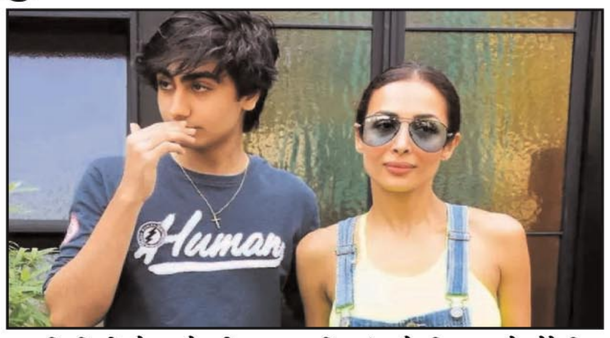

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने बताया कि उनके बेटे अरहान ने उनके रियलिटी शो मूविंग इन विद मलाइका को आगे बढ़ाने के लिए हां कहा था। मूविंग इन विद मलाइका के शुरूआती एपिसोड में निमार्ता निर्देशक कोरियोग्राफर और एक प्रिय मित्र फराह खान कुंदर दोस्ताना मुलाकात के लिए मलाइका के घर आती हैं। दोनों समय में वापस जाते हैं और मलाइका के बनने की याद ताजा करते हैं। वे उसके अतीत वर्तमान और बहुत कुछ के बारे में बात करते हैं। बातचीत में फराह पूछती हैं कि मलाइका के करीबियों ने उनके एक रियलिटी शो करने की खबर पर कैसी प्रतिक्रिया दी है पहले मलाइका के बेटे अरहान होने के नाते अरहान ने इसके लिए कैसे हामी भरी है? जिस पर मलाइका जवाब देती हैं वह सबसे अधिक सहायक थे फराह। उन्होंने कहा कि मां इसके लिए जाओ। मेरे लिए कहीं न कहीं मुझे लगता है कि आधी लड़ाई जीत ली गई थी। वह एक बच्चा है। मुझे कुछ ऐसा करने में सक्षम होना चाहिए जहां वह गर्व महसूस करे कि मैं क्या कर रही हूं वह मेरे काम से सहज है।

अक्षय ने शुरू की मराठी फिल्म वेडात मराठे दौड़ले सत की शूटिंग

-शिवाजी जी की भूमिका निभाना मेरे लिए सौभाग्य की बात

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेता अक्षय कुमार पहली बार मराठी फिल्म वेडात मराठे दौड़ले सत में काम कर रहे हैं। फिल्म में अक्षय छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभा रहे हैं। अक्षय का फर्स्ट लुक बेहद इम्प्रेसिव है। महेश मांजरेकर के निर्देशन में बन रही फिल्म की शूटिंग अक्षय कुमार ने शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अक्षय ने शूटिंग की जानकारी दी है। ये फिल्म अगले साल दिवाली तक रिलीज होगी। अक्षय ने एक तस्वीर और एक वीडियो शेयर किया है। शिवाजी की तस्वीर में हाथ जोड़े अक्षय कुमार का अक्स नजर आ रहा है। अक्षय ने कैप्शन में लिखा आज मैं मराठी फिल्म वेडात मराठे दौड़ले सत की शूटिंग शुरू कर रहा हूं जिसमें छत्रपति शिवाजी महाराज जी की भूमिका कर पाना मेरे लिए सौभाग्य है। मैं उनके जीवन से प्रेरणा लेकर और माता जिजाऊ का आशीर्वाद लेकर मेरा पूरा प्रयास करूंगा। आशीर्वाद बनाए रखिएगा। अक्षय के पोस्ट पर जमकर फैंस की तारीफ और बधाई मिल रही है। इसके अलावा फिल्म की एक छोटा सा वीडियो शेयर किया है जिसमें सिंहासन पर बैठे और चलकर आते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को शेयर कर अक्षय ने लिखा जय भवानी जय शिवाजी। अक्षय ने बताया था मैं छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभा रहा हूं। राज ठाकरे की वजह से मुझे ये भूमिका मिली है उन्होंने मुझसे कहा तुम्हे ये भूमिका निभानी चाहिए। मेरे लिए छत्रपति शिवाजी महाराज जी का किरदार निभाना बहुत बड़ी बात है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा।

पिता ने फिल्म बनाने के लिए ब्याज पर लिया था कर्ज

-संघर्ष के दिनों को याद कर इमोशनल हुए आमिर

मुबंई (ईएमएस)। अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए एक्टर आमिर खान ने कहा है कि जब वो 10 साल के थे तो उनकी फैमिली को काफी ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। उनके पिता ने एक फिल्म बनाने के लिए ब्याज पर कर्ज लिया था और उसे 8 सालों तक नहीं बन पाई। ये कहते हुए आमिर काफी इमोशनल हो जाते हैं और कुछ देर के लिए इंटरव्यू बंद कर देते हैं। आमिर आगे फिर बात करते हुए कहते हैं मुझे अब्बा जान की स्थिति देख कर काफी ज्यादा परेशानी होती थी क्योंकि वो बहुत सिंपल आदमी थे। उन्हें बस लोन नहीं लेना चाहिए था। उनकी कई फिल्में चली भी लेकिन वो हमेशा तंगहाली में रहते थे। इसकी वजह से लोगों का उनके पास फोन आता था। उस समय अब्बा उन सभी से कहते थे कि मैं क्या करूं मेरे पास पैसे नहीं हैं मेरी फिल्म अटकी है। अब्बा को इस स्थिति में देखकर मुझे काफी बुरा लगता था। आमिर खान ने बताया कि उनके अब्बा ने बाद में सभी कर्ज का एक-एक रुपया लौटा दिया। हालांकि इस दौरान आमिर की स्कूल फीस हमेशा टाइम से भरी जाती थी। उन्होंने ये भी कहा कि उनकी मां जानबूझ कर उनके लिए लंबे पैंट खरीदती थी ताकि उसको अधिक समय तक इस्तेमाल किया जा सके। काम की बात करें तो आमिर खान को आखिरी बार लाल सिंह चड्ढा में देखा गया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई थी। इस फिल्म में करीना कपूर खान नागा चैतन्य और मोना सिंह ने भी अहम भूमिका निभाई थी। ये फिल्म 1994 की हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप की ऑफिशियल हिंदी रीमेक थी। बता दें कि बॉलीवुड एक्टर आमिर खान आज जिस मुकाम पर हैं वह उन्होंने अपने मेहनत से बनाई है। बता दें कि फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले उनके पास भी काफी उतार-चढ़ाव थे। अब इतना सफलता की बड़ी-बड़ी सीढ़ियां चढ़ने के बाद आमिर खान ने अपने परिवार के सामने आए संघर्षों को याद किया।

माहिरा ने बताया फिल्म रईस का कौन सौ सीन बार-बार करना चाहेंगी

किंग ऑफ रोमांस यानि शाहरुख खान के साथ फिल्म करने का मौका मिले तो भला कौन ये मौका छोड़ना चाहेगा। ऐसा ही कुछ पाकिस्तानी एक्ट्रेस माहिरा खान के साथ भी हुआ था। उन्होंने शाहरुख संग फिल्म रईस में काम किया। अब माहिरा ने बताया है कि रईस का कौन-सा सीन वो एक्टर के साथ बार-बार करना चाहेंगी। माहिरा खान ने अपने फैंस से ट्विटर के जरिए बात की। उन्होंने अपने बिजी शेड्यूल से समय निकालकर आस्क माहिरा हैशटैग शुरू किया। इसमें फैंस को उनसे अपने मन चाहे सवाल पूछने थे। सोशल मीडिया पर ये हैशटैग धड़ल्ले से ट्रेंड हुआ और फैंस ने एक्ट्रेस ने ढेरों सवाल पूछे। माहिरा की तारीफों के बीच एक फैन ने सवाल किया कि शाहरुख खान के साथ वो कौन-सा सीन बार-बार करना चाहेंगी? इसके जवाब में माहिरा ने एक बेहद रोमांटिक फोटो शेयर की। जवाब में माहिरा खान ने फिल्म रईस के गाने जालिमा से एक रोमांटिक सीन शेयर किया है। इसमें वो शाहरुख खान की आंखों में आंखें डाले खड़ी हैं। शाहरुख ने उन्हें पकड़ा हुआ है।

दोनों एक दूसरे के प्यार में खोए हुए लग रहे हैं। फोटो शेयर करते हुए माहिरा खान ने लिखा ये वाला। माहिरा का ट्वीट सामने आने के बाद से फैंस खुश हो गए हैं। कुछ फैंस ऐसे हैं जो उन्हें शाहरुख खान के साथ दोबारा फिल्म करने को कह रहे हैं। एक यूजर ने लिखा प्लीज एक फिल्म साथ में कर लो मुझे इसकी बहुत जरूरत है। एक और यूजर ने लिखा आप और शाहरुख साथ में खूबसूरत लगते हैं। आपकी केमिस्ट्री कमाल थी। उम्मीद करता हूं आपको दोबारा पर्दे पर साथ देखने का मौका मिलेगा। लेकिन कई यूजर्स हैं जो माहिरा खान के इस ट्वीट और फोटो पर भड़क गए हैं। कई यूजर्स का कहना है कि ऐसा रोमांटिक फोटो शेयर करने पर माहिरा को शर्म आनी चाहिए। एक यूजर ने लिखा ना शर्म आती है ना एक्टिंग। एक और यूजर ने लिखा ये वाहियात है। आपके लाखों फॉलोअर्स हैं और आप क्या फालतू चीज प्रमोट कर रही हैं।

शाहरुख रोहित और सुपरस्टार्स ऋषभ शेट्टी के साथ फिल्म में आने की खबरें अफवाह

मुबंई (ईएमएस)। शाहरुख खान को लेकर हाल ही में खबरें रही हैं कि डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने अपनी आने वाली फिल्म के लिए उन्हें प्रपोच किया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें रोहित इस फिल्म में साउथ के सुपरस्टार्स ऋषभ शेट्टी रक्षित शेट्टी और हम्बेल फिल्म्स के साथ काम कर रहे हैं। इसतरह की अटकलें लगाई जा रही थीं पर्दे पर शाहरुख के साथ ऋषभ शेट्टी को देखने को मिलेगा। हालांकि अब इस मामले में जो अपडेट्स सामने आए हैं उसे जानकर फैंस निराश हो जाएंगे। बता दें कि होम्बले फिल्म्स केजीएफ और केजीएफ चैप्टर 2 और हाल ही में आई कांतारा जैसी सबसे बड़ी हिट फिल्मों के लिए फेमस हैं। इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की है। इन ब्लॉकबस्टर फिल्मों को बनाने वाले प्रोडक्शन हाउस होम्बले फिल्म्स अपनी अगली फिल्म की तरफ बढ़ने वाले हैं जो हिंदी में होगी। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि होम्बले फिल्म्स-शाहरुख खान-ऋषभ शेट्टी को लेकर जो भी ऐसी खबरें है वह अफवाह। इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रोडक्शन हाउस के एक करीबी सूत्र ने पुष्टि की है कि इन अफवाहों में बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है।

सूत्र ने कहा केजीएफ और केजीएफ चैप्टर 2 और कांतारा के बाद होम्बले फिल्म्स की अगली पैन इंडिया फिल्म प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ सालार है। जिसे डायरेक्टर प्रशांत नील डायरेक्ट कर रहे हैं। हालांकि होम्बले फिल्म्स 2023 के लिए एक और फिल्म की योजना बना रहा है लेकिन इसकी कास्टिंग अभी भी सीक्रेड बनी हुई है। कंपनी कन्नड़ सिनेमा को ग्लोबल मैप पर ले जाना चाहती है और वे अपनी फिल्मों के साथ ऐसा करने में काफी हद तक सहायक रहे हैं। बता दें कि हाल ही में निर्देशक प्रशांत नील ने भी जूनियर एनटीआर के साथ एक और फिल्म की घोषणा की है। प्रशांत नील काफी हद तक केजीएफ फ्रेंचाइजी के लिए जाने जाते हैं। रिपोर्ट ये साफ बताया गया है कि फैंस जिस तरह से शाहरुख रोहित शेट्टी नील ऋषभ और रक्षित को एक साथ सिल्वर स्क्रीन पर देखने की लालसा पाल रखे हैं लेकिन दुर्भाग्य है कि वह संयोग अभी तक नहीं बना है।

कमेडी फिल्म है डंकी : शाहरुख

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान ने सऊदी अरब में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की जहां उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्मों पठान जवानऔर डंकी के बारे में दिलकश बातों का खुलासा किया है। राजकुमार हिरानी की फिल्म डंकी में काम करने पर शाहरुख खान से जब पूछा गया कि उन्हें डंकी के सेट पर काम करके कैसा महसूस हुआ? इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा अंग्रेजी में मेरी फिल्म का नाम डंकी है। लेकिन जिस तरह से भारत का एक हिस्सा इस शब्द का उच्चारण करता है वह डंकी है। पंजाबी इसे डंकी कहते हैं। आगे किंग खान फिल्म के डिटेल्स के बारे में बताते हुए कहते हैं मैं आपको फिल्म के बारे में कितना बताऊं यह हमारे देश के सबसे शानदार फिल्म निमार्ताओं में से एक राजू हिरानी द्वारा निर्देशित फिल्म है। यह एक शानदार लेखक अभिजीत जोशी द्वारा लिखा गया है। यह उन लोगों की कहानी है जो फोन आने पर घर वापस आना चाहते हैं। यह एक कॉमडी फिल्म है। उनकी (हिरानी) फिल्में हमेशा कॉमेडी और देश के बारे में बहुत सारी भावनाओं का मिश्रण होती हैं। इसलिए यह मेरे लिए एक बड़ी जर्नी है और फिल्म दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरती है और अंत में भारत वापस आती है। आगे बातचीत में शाहरुख खान ने कहा मैंने कभी कोई एक्शन फिल्म नहीं की है। मैंने कुछ लव स्टोरीज कुछ सोशल ड्रामा और कुछ अलग फिल्में भी की हैं लेकिन कोई भी मुझे एक्शन के लिए नहीं लिया। मैं 57 साल का हूं इसलिए मैंने सोचा अगले 10 सालों तक मैं एक्शन फिल्में करता रहूंगा।

माधुरी ने शेयर किया वीडियो

माधुरी दीक्षित ने मेरा दिल ये पुकारे आजा गाने के वायरल ट्रेंड को फॉलो करते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में माधुरी पाकिस्तानी लड़की आयशा के डांस मूव्स को कॉपी करती हुई देखी जा सकती हैं। माधुरी फुल ग्रेस के साथ डांस कर रही हैं। उन्होंने इस ट्रेंड में फिर से जान डाल दी है। वायरल गाने पर माधुरी का डांस उनके फैंस को तो काफी पसंद आ रहा है। लेकिन कई यूजर्स माधुरी को इस गाने पर डांस करने पर ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने माधुरी के डांस को वायरल गर्ल आयशा के डांस संग कंपेयर करके लिखा- उससे अच्छा नहीं है मैम सॉरी। एक दूसरे यूजर ने लिखा- प्लीज मैम ये ट्रेंड नहीं। एक अन्य यूजर ने लिखा- ये ट्रेंड अब इरिटेटिंग बन गया है। एक अन्य यूजर ने लिखा- आपसे ये उम्मीद नहीं थी। वायरल वीडियो में डांस करते हुए नजर आ रही लड़की पाकिस्तान की है। लड़की का नाम आयशा है। वे एक टिकटॉकर भी है। आयशा ने अपने डांस का वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया था जो किसी शादी में शूट किया गया है। आयशा का वीडियो देखते ही देखते इंटरनेट पर छा गया। आम जनता से लेकर सेलेब्स तक सभी आयशा के डांस को रीक्रिएट कर रहे हैं। मेरा दिल ये पुकारे आजा। वीडियो में माधुरी दीक्षित नेट की खूबसूरत साड़ी में नजर आ रही हैं। माधुरी की साड़ी पर हैवी वर्क हुआ है। एक्ट्रेस ने ईयरिंग्स और कंगन पहनकर अपने लुक में चार्म एड किया है। ग्लोइंग मेकअप और ओपन हेयर में माधुरी स्टनिंग लग रही हैं।

मशहूर एक्ट्रेस सोनम करेगी बालीवुड में वापसी

-ओए ओए गर्ल के नाम से मशहूर है सोनम खान

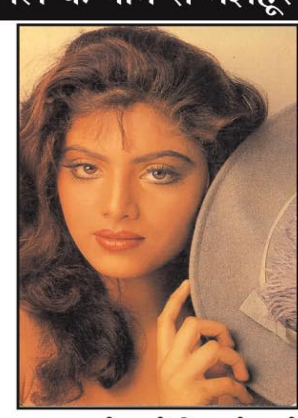

मुबंई (ईएमएस)। लंबे अरसे बाद मशहूर एक्ट्रेस सोनम खान बालीवुड में वापसी करने जा रही है। त्रिदेव फिल्म का एक गाना ओए ओए तिरछी टोपी वाले लोगों के बीच काफी मशहूर हुआ था इस गाने से एक्ट्रेस को एक नई पहचान मिली थी। यश चोपड़ा की खोज थीं जिन्होंने 1988 में मल्टी-स्टारर एक्शन फिल्म विजय से अपने करियर की शुरूआत की थीं मगर सही पहचान उन्हें फिल्म त्रिदेव से मिली। हाल ही में बातचीत में सोनम ने बताया कि वह तीन साल पहले ही बॉलीवुड में वापसी करना चाहती थीं लेकिन यह महामारी का प्रकोप था जिसने उनकी प्लानिंग को ठंडे बस्ते में डाल दिया। उन्होंने कहा मैंने बहुत कम उम्र में फिल्में छोड़ दी थी क्योंकि मेरी शादी हो गई और फिर व्यक्तिगत कारणों से भारत छोड़ना पड़ा। अंडरवर्ल्ड से जुड़े लोगों द्वारा उनके पति की लेने की कोशिश के बाद सोनम और राजीव राय अपने बेटे के साथ विदेश चले गए थे। यह जोड़ी पहले दो दशकों से अधिक समय के लिए लॉस एंजिल्स और फिर स्विट्जरलैंड चली गई थी। हालांकि समय के साथ उनकी शादी बिगड़ती चली गई और 2016 में उनका कानूनी रूप से तलाक भी हो गया थी। उन्होंने अपने विवाहित जीवन के बारे में बताया मैं वास्तव में नहीं जानती कि उस समय मेरे दिमाग में क्या चल रहा था। मैं एक परिवार बनाना चाहती थी। मुझे लगता है कि मैं उस वक्त परिणामों को समझने के लिए बहुत छोटा थी। मैं तब केवल साढ़े सत्रह साल की थी। मैं बहुत भोली थी। उन्होंने अपने अभिनय करियर को लेकर कहा इंडस्ट्री ने मेरा बहुत समर्थन किया। उन्होंने मुझे बहुत महत्वपूर्ण और खुश महसूस कराया। मुझे कोई बड़ा पछतावा नहीं है कोई बड़ी शिकायत नहीं है। सोनम का मानना है कि कोई भी दो हीरोइनें दोस्त नहीं हो सकतीं। हालांकि अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि उनका किसी भी अभिनेत्री के साथ कोई तीखा रिश्ता नहीं था। वह कथित तौर पर अपनी वापसी को दूसरी पारी कहना चाहती हैं। पिछले तीन दशकों में उसने ग्लोब-ट्रॉटिंग का आनंद लिया और लोगों की नजरों से दूर हो गईं। सोनम खान ने कहा कि अब वह नए लोगों से मिलना और काम करना चाहती हैं।

केवल इस बात का उन्हें मलाल है कि वह इंडस्ट्री के संपर्क में नहीं हैं। इस दौरान सोनम ने खुलासा किया कि वह अपने करियर का श्रेय दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर को देती हैं क्योंकि उन्होंने ही उन्हें यश चोपड़ा से मिलवाया था। उन्होंने कहा ऋषि कपूर एक रत्न थे। मैं अपने करियर का श्रेय उन्हीं को देती हूं उन्होंने ही मुझे यश चोपड़ा से मिलवाया था। बता दें सोनम ने 1989 में आई फिल्म त्रिदेव के निर्देशक राजीव राय के साथ शादी के बंधन में बंधने के बाद उद्योग छोड़ दिया था। अब लगभग तीन दशकों के बाद सोनम फिर से बॉलीवुड में वापसी करने को तैयार हैं।

मनोज बाजपेयी स्टारर हार्ड हिटिंग कोर्ट रूम ड्रामा बंदा का जारी हुआ पोस्टर

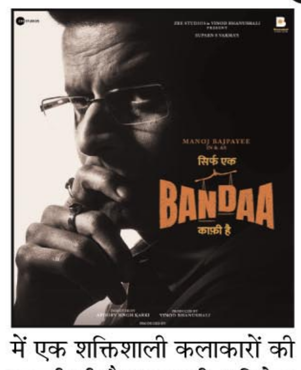

तीन दशकों से अधिक की अपनी शानदार यात्रा में कई यादगार किरदार निभाने के बाद मनोज बाजपेयी अपनी आने वाली फिल्म बंदा में एक बार फिर से दर्शकों और अपने प्रशंसकों को प्रभावित करने के लिए तैयार हैं जिसे उन्होंने हाल ही में पूरा किया है। हाल में पावर-पैक कोर्ट रूम ड्रामा के मेकर्स विनोद भानुशाली की भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड जी स्टूडियोज और सुपर्ण एस वर्मा ने इस फिल्म का प्रभावशाली पोस्टर लॉन्च किया है जिसका टाइटल बंदा है। इस फिल्म में तीन बार के नेशनल अवॉर्ड विनर मनोज बाजपेई लीड रोल में हैं। ये फिल्म हिंदी फिल्मों में अपूर्व सिंह कार्की की शुरूआत हैं जिसे दीपक किंगरानी द्वारा लिखा गया हैं। बंदा में एक शक्तिशाली कलाकारों की टुकड़ी भी है। बहुमुखी अभिनेता फिल्म के ब्लैक एंड व्हाइट पोस्टर में चश्मा पहने हुए इंटेंस दिख रहे हैं और यह सब काफी दिलचस्प है। फिल्म जिसने पहले ही दर्शकों के बीच जबरदस्त चर्चा और प्रत्याशा पैदा कर दी है की शूटिंग जोधपुर और मुंबई में की गई है और इसके 2023 में रिलीज होने की उम्मीद है। शूटिंग के आखिरी क्लोसिंग सीन को फिल्माते समय मनोज बाजपेयी को कलाकारों और क्रू से स्टैंडिंग ओवेशन मिला था जो एक गहन कोर्टरूम सीक्वेंस था। इसके बाद केक कटिंग के साथ फिल्म की शूटिंग के खत्म होने का जश्न मनाया गया और जहां पूरी टीम ने इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में किए गए काम के लिए आभार व्यक्त किया। जी स्टूडियोज और भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड की प्रस्तुति अपूर्व सिंह कार्की द्वारा निर्देशित सुपर्ण एस वर्मा की कोर्ट रूम ड्रामा बंदा विनोद भानुशाली कमलेश भानुशाली आसिफ शेख और विशाल गुरनानी द्वारा निर्मित और जूही पारेख मेहता द्वारा सह-निर्मित हैं।

फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में नजर आयेंगे अक्षय और टाइगर

पूजा एंटरटेनमेंट की आने वाली फिल्म बड़े मियां छोटे मियां वास्तव में साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अभिनीत यह फिल्म अपने एलान के बाद से ही चर्चा में है। जैसा कि दर्शक फिल्म के बारे में अधिक जानने के लिए उत्सुक हैं निमार्ताओं ने आखिरकार पृथ्वीराज सुकुमारन द्वारा निभाए जाने वाले रोल का खुलासा कर दिया है जो एक विलेन का है। बता दें जब से अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अभिनीत बड़े मियां छोटे मियां का पहला वीडियो रिलीज हुआ था इसने दर्शकों में फिल्म के बारे में और ज्यादा जानने के लिए एक्साइटमेंट पैदा कर दी थी। जबकि फिल्म में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ शामिल हैं अब पृथ्वीराज सुकुमारन के भी टीम में शामिल होने की खबर कन्फर्म हो चुकी हैं। इस एलान पर बात करते हुए जैकी भगनानी ने कहा पृथ्वीराज सुकुमारन का बड़े मियां छोटे मियां के कलाकारों के रूप में होना कमाल की बात है। एक विलेन के रूप में उनका होना फिल्म में और ज्यादा रोमांच जोड़ता है। वहीं निर्देशक अली अब्बास जफर ने कहा मैं वास्तव में बेहद प्रतिभाशाली पृथ्वीराज के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। इस एक्शन एंटरटेनर में इस तरह के पावरहाउस परफॉर्मर का होना एक अद्भुत अनुभव होगा। ऐसे में जहां दर्शक बड़े मियां छोटे मियां में पहली बार दो दमदार एक्शन हीरो को एक साथ पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं वहीं फिल्म का कैनवास और भी दिलचस्प होने वाला है क्योंकि पृथ्वीराज सुकुमारन भी एक खलनायक के रूप में फिल्म के साथ जुड़ चुके हैं और अपनी दमदार एक्टिंग के साथ फिल्म को एक नया अयाम देंगे। वाशु भगनानी और पूजा एंटरटेनमेंट अली अब्बास जफर द्वारा लिखित और निर्देशित वाशु भगनानी दीपशिखा देशमुख जैकी भगनानी हिमांशु किशन मेहरा और अली अब्बास जफर द्वारा निर्मित एएजेड फिल्म के सहयोग से बड़े मियां छोटे मियां प्रस्तुत करते हैं। इस फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू होने की उम्मीद है।

पाक में इंग्लैंड टीम की होटल से कुछ दूर फायरिंग: दो ग्रुप आपस में भिड़े, अब तक चार लोग गिरफ्तार

मुल्तान।

पाकिस्तान दौरे पर गई इंग्लैंड टीम के होटल के बाहर गोली चलने से सुरक्षा को लेकर सवाल उठ गए हैं। दरअसल इंग्लैंड टीम पाकिस्तान टीम के साथ टेस्ट 16 साल बाद टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने गई है। दूसरा टेस्ट मैच मुल्तान में खेला जाना है। इंग्लैंड टीम मुल्तान में हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक होटल से कुछ दूर गोलियां चलीं। जिसकी आवाज होटल तक सुनाई दी।

प्रैक्टिस पर नहीं पड़ा असर – हालांकि, होटल के बाहर गोली चलने का असर इंग्लैंड टीम की प्रैक्टिस पर नहीं पड़ा। टीम को पुलिस को सुरक्षा में स्टेडियम तक ले जाया गया। जहां इंग्लैंड टीम ने सुरक्षा घेरे में अभ्यास किया।

पिछले साल सितंबर में न्यूजीलैंड दौरे को रद्द कर दिया था – पिछले साल सितंबर में 3 वनडे और 3 टी–20 मैचों की सीरीज खेलने 12 साल बाद पाकिस्तान गई न्यूजीलैंड की टीम ने दौरे को बीच में ही सुरक्षा कारणों का हवाला देकर वापस लौट गई थी। 17 सितंबर (2021) को न्यूजीलैंड को रावलपिंडी में पहला वनडे मैच खेलना था। शहर में उपद्रव जारी थे। खिलाड़ी स्टेडियम में नहीं पहुंच पाए थे। मैच शुरू होने से कुछ घंटे पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए सीरीज खेलने से मना कर दिया था। न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों को पुलिस सुरक्षा में एयरपोर्ट ले जाया गया था।

2009 में श्रीलंकाई टीम पर हुआ था आतंकी हमला – पाकिस्तान में क्रिकेट टीमों की सुरक्षा हमेशा चिंता का विषय रही है। 2009 में लाहौर में श्रीलंकाई टीम की बस पर आतंकी हमला हुआ था। इसमें किसी की जान तो नहीं गई थी, लेकिन कुछ खिलाड़ी घायल हुए थे। इसके बाद सभी टीमों ने पाकिस्तान का दौरा करना बंद कर दिया था।

सुरक्षा को लेकर ही भारत नहीं जाना चाहता पाकिस्तान – टीम इंडिया भी सुरक्षा कारणों की वजह से पाकिस्तान नहीं जाना चाहता है। पाकिस्तान को अगले साल एशिया कप आयोजित कराना है। एशियन क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन जय शाह ने हाल ही में कहा था कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी और एशिया कप को न्यूट्रल वेन्यू पर आयोजित किया जाएगा।शाह के बयान पर पाकिस्तान की ओर से आपत्ति जताई गई थी।

न्यूज ब्रीफ

बीसीसीआई ने मास्टरकार्ड के साथ साझेदारी में भारत में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अभियान शुरू किया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और भारत में सभी अंतरराष्ट्रीय और घरेलू पुरुषों और महिलाओं के मैचों के मौजूदा शीर्षक प्रायोजक मास्टरकार्ड ने शुक्रवार को घोषणा की है कि उन्होंने संयुक्त रूप से हैशटैग हल्के में मत लो (इसे हल्के में न लें) अभियान शुरू किया है। मैदान पर और बाहर लैंगिक समानता का समर्थन करने के उनके चल रहे प्रयासों के हिस्से के रूप में इसकी शुरूआत की है। अभियान के तहत शीर्ष भारतीय महिला क्रिकेटरों – सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा, आलराउंडर हरलीन कौर देओल और तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर की यात्रा को दर्शाती हैं। उनके संघर्ष, कड़ी मेहनत और अच्छा प्रदर्शन करने के दृढ़ संकल्प को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा, भारत और आस्ट्रेलिया विश्व क्रिकेट में शीर्ष टीमों में से एक हैं और इन टीमों के बीच मुकाबले काफी रोमांचक रहे हैं। उनके पिछले कुछ मैचों में से प्रत्येक में हार–जीत का फासला करीबी रहा है और मुझे यकीन है कि हमें कुछ शीर्ष–गुणवत्ता वाले क्रिकेट मैच देखने को मिलेंगे। मुंबई में दोनों टीमें फिर से भिड़ेगी। बीसीसीआई के एक आधिकारिक बयान में मानद सचिव जय शाह ने कहा, हम अभियान के लिए मास्टरकार्ड के साथ साझेदारी करके खुश हैं, जो कड़ी मेहनत, बलिदान और समर्पण की कहानियों को सामने लाएगा। हम युवा लड़कियों को जुनून और करियर विकल्प के रूप में क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं। हैशटैश हल्के में मत लो अभियान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर महिला क्रिकेटरों की उपलब्धियों को प्रस्तुत करके और खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और जुनून को दर्शाएगा।

लैनिंग की जगह लेने की चुनौती का लुत्फ उठा रही हैं एलिसा हीली

मेलबर्न। करिश्माई आस्ट्रेलियाई महिला टीम की क्रिकेटर एलिसा हीली भारत में टी20 श्रृंखला में

राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक हैं। उनका दावा है कि वह मेग लैनिंग की तुलना में एक अलग लीडर हैं। आईसीसी के अनुसार, पूर्णकालिक कप्तान मेग लैनिंग के खेल से अनिश्चितकालीन ब्रेक जारी रखने के साथ, हीली भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला में आस्ट्रेलिया की सातवीं महिला कप्तान बनेंगी। रेचेल हेन्स के संन्यास के बाद हीली को हाल ही में टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया था और अब लैनिंग की अनुपस्थिति में उन्हें कप्तान के पद पर पदोन्नत किया गया। लेकिन विकेटकीपर–बल्लेबाज चुनौती को दोहराते हुए इशारा कर रही हैं कि टीम का नेतृत्व करने का उनका तरीका लैनिंग से अलग होगा। हीली ने मुंबई में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले कहा, मुझे लगता है कि मुझे इसे अपना बनाने और इसे अपनी भूमिका बनाने की आजादी दी गई है। यह चुनौतीपूर्ण है लेकिन मैं इसे आगे बढ़ाने में कामयाब रहूंगी।

लंका प्रीमियर लीग में चमिका हुए चोटिल: कैच लेते ही मुंह पर लगी बॉल, हाथ में आ गए 4 दांत

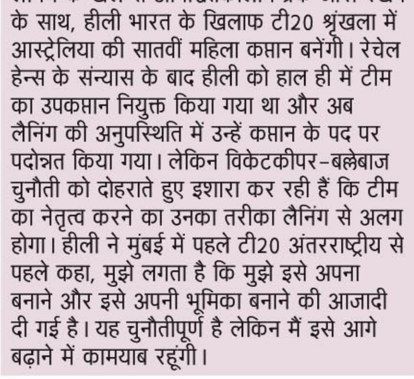

कोलंबो। लंका प्रीमियर लीग के कैंडी फैलकंस और गॉल ग्लैडिएटर्स के बीच खेले गए मैच में फील्डिंग के दौरान चमिका करुणारत्ने के मुंह पर गेंद लगने से चार दांत टूट गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, बाद में उनकी सर्जरी हुई। दरअसल चमिका इस लीग में कैंडी फैलकंस की ओर से खेल रहे हैं। गॉल ग्लैडिएटर्स की पारी के चौथे ओवर में कैडी की ओर से कप्तान कार्लोस ब्रेथवेट ओवर कर रहे थे। ओवर की पहली गेंद नुवानिडु फर्नांडो ने कवर के ऊपर से मारने की कोशिश की। चमिका करुणारत्ने ने उलटी तरफ दौड़ लगाते हुए कैच पकड़ा और गेंद साथी खिलाड़ी की ओर उछाल दी। इस कोशिश में बॉल चमिका के मुंह पर लगी। फर्नांडो आउट हो कर पवेलियन लौट गए। वहीं चमिका के मुंह पर चोट लगने से उनके चार दांत टूट गए। श्रीलंकाई मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उनकी सर्जरी की गई है। चोट लगने की वजह से चमिका बल्लेबाजी करने नहीं उतरे, पर उनकी टीम कैंडी फैलकंस को 5 विकेट से जीत मिली। पहले बल्लेबाजी करते हुए गॉल ग्लैडिएटर्स ने 121 रन का टारगेट दिया।

बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे के लिए कुलदीप यादव भारतीय टीम में शामिल

रोहित की गैरमौजूदगी में कप्तानी करेंगे केएल राहुल

चटगांव।

चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव को बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मैच के लिए भारत की टीम में शामिल किया गया है, जिसमें केएल राहुल चोटिल रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी करेंगे। इस बारे में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जानकारी दी। कुलदीप को शुरूआत में बांग्लादेश के खिलाफ 14 दिसंबर से शुरू होने वाली दो मैचों की श्रृंखला के लिए भारत की टेस्ट टीम में नामित किया गया था। लेकिन तेज गेंदबाज कुलदीप सेन और दीपक चाहर के चोटिल होने के कारण उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे के लिए मौका दिया गया है।

कुलदीप न्यूजीलैंड दौरे पर भारत की टीम में थे, लेकिन उन्हें खेलने के लिए कोई मैच नहीं मिला। उन्होंने आखिरी बार 11 अक्टूबर को नई दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे मैच खेला था, जिसमें 4/18 विकेट हासिल किए थे और मेजबानों के लिए 2–1 से श्रृंखला जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्लेयर आफ द मैच का पुरस्कार जीता था।

बुधवार को शेर–ए–बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दूसरे वनडे में क्षेत्ररक्षण के दौरान दूसरे ओवर में रोहित के बाएं हाथ के अंगूठे में चोट लग गई थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उनका आकलन किया और ढाका के एक स्थानीय अस्पताल में उनका एक्स–रे स्कैन किया गया। वह तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की गेंद पर अनामुल हक का दूसरी स्लिप में कैच लेने का प्रयास कर रहे थे, जहां उन्हें चोट लग गई।

वह तुरंत मैदान से बाहर चले गए, और नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए, 28 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और पांच छक्के शामिल थे, उनका शानदार प्रयास व्यर्थ चला गया क्योंकि भारत पांच रन से मैच हारने के साथ श्रृंखला हार गया।

बीसीसीआई ने कहा है कि रोहित अब विशेषज्ञ परामर्श के लिए घर वापस मुंबई पहुंच गए है और अंतिम वनडे में नहीं खेल पाएंगे। बीसीसीआई ने कहा कि बांग्लादेश के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता पर फैसला बाद में लिया जाएगा।

दूसरे वनडे मैच के बाद की प्रस्तुति समारोह में, रोहित ने स्वीकार किया कि उनका अंगूठा अच्छी स्थिति में नहीं है, लेकिन स्वीकार किया कि भारतीय टीम में बहुत अधिक चोट की चिंता सही नहीं है। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो अंगूठा ज्यादा घायल नहीं है। उंगली में फ्रैक्चर नहीं है, यही वजह है कि मैं आकर बल्लेबाजी कर सका। चोट की कुछ चिंताएं हैं और हमें इसकी तह तक जाने की जरूरत है और उनकी निगरानी करने की जरूरत है, क्योंकि इसे समझना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, हो सकता है कि वे बहुत अधिक क्रिकेट खेल रहे हों। जब वे भारत के लिए खेलने आते हैं, तो उन्हें 100 प्रतिशत से अधिक फिट होने की आवश्यकता होती है। यह ऐसी चीज है जिस पर हमें एनसीए में अपनी टीम के साथ बैठना होगा और उनके वर्कलोड की निगरानी करने की कोशिश करनी होगी। हम भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले आधे फिट खिलाड़ियों को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं।

सेन ने रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ पहले वनडे के दौरान अपने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू मैच में दो विकेट चटकाने के बाद पीठ में अकड़न की शिकायत की थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उनका आकलन किया और उन्हें दूसरे वनडे से आराम की सलाह दी गई।

बीसीसीआई ने अब कहा है कि सेन की चोट का पता चला है और उन्हें श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है। दूसरी ओर, चाहर दूसरे वनडे के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग के कारण श्रृंखला से भी बाहर हो गए। दोनों खिलाड़ी अब अपनी चोटों के आगे के प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) को रिपोर्ट करेंगे।

बांग्लादेश के पास 2–0 की अपराजेय बढ़त होने के साथ, भारत शनिवार को चटगांव के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम (जेडएसीएस) में होने वाले तीसरे और अंतिम वनडे टीम में जीत से श्रृंखला समाप्त करने का लक्ष्य रखेगा।

बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे के लिए भारत की टीम: केएल राहुल (कप्तान) (विकेटकीपर), शिखर धवन, विराट कोहली, रजत पाटीदार, श्रेयस अय्यर, राहुल त्रिपाठी, इशान किशन (विकेटकीपर), शाहबाज अहमद, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, उमरान मलिक और कुलदीप यादव।

सानिया मिर्जा से तलाक की खबरों पर शोएब मलिक ने तोड़ी चुप्पी, कहा कि यह उनका निजी मामला

दुबई।

भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक की तलाक की खबरें पिछले कुछ समय से चर्चा का विषय है। हालांकि, सोशल मीडिया पर इसे पब्लिसिटी स्टंट भी माना जा रहा है। अब मलिक ने इस पूरी घटना पर चुप्पी तोड़ी है।

मलिक ने कहा कि यह उनका निजी मामला है और इसे उन दोनों पर ही छोड़ देना चाहिए। मलिक ने बयान के जरिये यह कहा कि उन्हें इस पूरे मामले पर मीडिया का दखल पसंद नहीं आ रहा है। साथ ही मलिक ने यह भी कहा कि वह सानिया से अलग होने की खबरों पर कोई जवाब नहीं देंगे।

फिलहाल दोनों का एक टॉक शो में व्यस्त हैं। इस टॉक शो का नाम मिर्जा–मलिक शो है, जो कि चैनल उर्दूफ्लिक्स पर धमाल मचा रही है। दोनों की ओर से तलाक को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन पाकिस्तानी मीडिया ने इन खबरों को खूब तरजीह दी थी। ऐसा कहा जा रहा है मौजूदा शो के कोई अनुबंध की वजह से दोनों कोई बयान नहीं दे रहे हैं।

पिछले महीने ही सानिया मिर्जा के जन्मदिन पर शोएब ने रोमांटिक पोस्ट कर उन्हें बधाई दी थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फोटो पोस्ट किया और उसके कैप्शन में लिखा– आपको जन्मदिन की बहुत बधाई। आपके स्वस्थ और सुखी जीवन की कामना करता हूं। इस दिन का भरपूर आनंद लो। इस पोस्ट को लाखों लाइक्स मिले थे।

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि दोनों अलग होने जा रहे हैं और शोएब ने ही सानिया को धोखा दिया है। बताया जा रहा है कि शोएब का पाकिस्तान की किसी एक्ट्रेस के साथ अफेयर चल रहा है। पाक मीडिया की रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि शोएब पाकिस्तानी एक्ट्रेस आयशा उमर के साथ रिलेशनशिप में हैं। शोएब और सानिया के बीच नजीदिकयां 2009 से बढ़ने लगी थी। इसके बाद 2010 में दोनों ने निकाह किया। यह निकाह हैदराबाद में ही हुआ था। 2018 में सानिया और शोएब माता–पिता बने। दोनों पिछले 12 साल से साथ हैं। दोनों का एक चार साल का बेट इजहान मिर्जा मलिक भी है।

महान पेले ने एम्बाप्पे को दी बधाई, बोले- खुश हूं कि आपने फीफा विश्व कप में मेरा एक और रिकॉर्ड तोड़ा

दोहा।

ब्राजील के महान फुटबाल खिलाड़ी पेले ने फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर कीलियन एम्बाप्पे को बधाई दी है। साथ ही 24 साल की उम्र से पहले फीफा विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड तोड़ने पर खुशी जताई है। पेले फिलहाल स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। इसी कड़ी में एम्बाप्पे ने सोशल मीडिया पर ब्राजील के दिग्गज के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की थी। एम्बाप्पे ने ट्वीट किया था– किंग पेले के लिए प्रार्थना करें। इस ट्वीट पर पेले ने जवाब दिया– धन्यवाद कीलियन एम्बाप्पे। मैं आपको इस विश्व कप कप में मेरा एक और रिकॉर्ड तोड़ते हुए देखकर खुश हूं, मेरे दोस्त! पोलैंड के खिलाफ राउंड–ऑफ–16 मैच के दौरान, 23 वर्षीय एमबाप्पे ने शानदार गोल दागा और विश्व कप में कुल गोलों की संख्या नौ कर ली। यह 24 वर्ष की आयु तक पहुंचने से पहले किसी भी खिलाड़ी द्वारा विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल है। इस मामले में उन्होंने पेले को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 24 साल की उम्र से पहले सात विश्व कप गोल किए थे। 1958 में अपने पहले विश्व कप में पेले ने छह गोल किए थे। इसके बाद 1962 के विश्व कप में एक गोल किया था। एम्बाप्पे की टीम फ्रांस रविवार को क्वार्टर–फाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगी। वहीं, पेले की बात करें तो उनके

स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है और मंगलवार को डॉक्टरों ने कहा कि उन्हें कोई नई समस्या नहीं है। कोरोना द्वारा खराब किए गए श्वसन संक्रमण के इलाज के लिए 82 वर्षीय एक सप्ताह से अस्पताल में भर्ती हैं। पूरी तरह से ठीक होते ही उन्हें डिस्चार्ज किए जाने की उम्मीद है। अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल ने एक बयान में कहा– पेले की हालत स्थिर है और यह महत्वपूर्ण संकेत हैं। वह सचेत हैं और उन्हें कोई नई समस्या नहीं है। तीन बार के विश्व कप विजेता कैंसर से भी लड़ रहे हैं और कीमोथेरेपी से गुजर रहे हैं। खराब सेहत की इस घड़ी में भी पेले को अपने प्रशंसकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। फीफा विश्व कप के दौरान कतर में प्रशंसकों ने पांच बार के चैंपियन के लिए शर्ट, झंडे, बैनर का इस्तेमाल किया। इस पोस्टर में युवा पेले मैदान पर अपने कारनामों का जश्न मना रहे थे और ट्रॉफी उठा रहे थे। ब्राजील की टीम क्रोएशिया के खिलाफ मैदान पर उतरेगी।

बार्टी को मिला ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा खेल सम्मान

कैनबरा। रिटायर्ड टेनिस स्टार एश्ले बार्टी को उनके करियर में दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े खेल सम्मान द डॉन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। गुरूवार रात ऑस्ट्रेलिया के वार्षिक हॉल ऑफ फेम खेल सम्मान समारोह में बार्टी को द डॉन अवार्ड– महान डॉन ब्रैडमैन के नाम पर रखा गया– से सम्मानित किया गया। वह इस पुरस्कार को एक से ज्यादा बार जीतने वाली तीसरी खिलाड़ी बन गयीं। वर्ष 2022 में विश्व की नंबर एक खिलाडी के रूप में प्रवेश करने वाली बार्टी 1978 के बाद ऑस्ट्रेलियन ओपन एकल खिताब जीतने वाली पहली घरेलू खिलाड़ी बनी थीं। इसके दो महीने वाद तीन बार की ग्रैंड स्लेम चैंपियन ने मात्र 25 साल की आयु में टेनिस से संन्यास लेने की आश्चर्यजनक घोषणा कर दी। बार्टी ने अपने संन्यास के फैसले को परफेक्ट एंडिंग बताया जिससे कोर्ट पर वापसी की उनकी सम्भावना ही समाप्त हो गयी। द डॉन अवार्ड उस खिलाड़ी या टीम को दिया जाता है जिसने अपने प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया को प्रेरित किया हो।

जब फेडरर को विम्बलडन में घुसने से रोका गया था, महान टेनिस खिलाड़ी ने बताया मजेदार किस्सा

नई दिल्ली।

सर्वकालिक महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर ने इस साल की शुरुआत में खेल से संन्यास लेने की घोषणा की थी। 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने इस साल की शुरुआत में लेवर कप में अपना आखिरी गेम खेला था। लंबे समय के दोस्त और प्रतिद्वंद्वी राफेल नडाल के साथ वह डबल्स मैच में कोर्ट पर उतरे थे। फेडरर ने हाल ही में एक टॉक शो में एक मजेदार किस्सा साझा किया। शो के दौरान एंकर ने फेडरर से पूछा कि क्या यह सच है कि उन्हें विम्बलडन के अंदर प्रवेश से वंचित कर दिया गया था दरअसल, फेडरर के नाम सबसे ज्यादा विम्बलडन खिताब जीतने का रिकॉर्ड है। ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस एंड क्रोकेट क्लब में फेडरर ने आठ खिताब जीते, जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक है। सवाल के जवाब में फेडरर ने खुलासा किया कि वह टोक्यो में एक कार्यक्रम के बाद

एक डॉक्टर से मिलने के लिए लंदन पहुंचे। फिर उन्होंने कहा कि कई प्रयासों के बावजूद एक सिक्योरिटी गार्ड ने उन्हें मेंबरशिप कार्ड के बिना प्रवेश देने से मना कर दिया। फेडरर ने कहा– जब आप विम्बलडन जीतते हैं, इसलिए मुझे लगा प्रवेश मिल जाएगा। मैंने उस गार्ड से कहा कि नहीं, मेरे पास अपना सदस्यता कार्ड नहीं है, लेकिन मैं यहां एक सदस्य हूं। इस पर उस गार्ड ने कहा– हां, लेकिन आपको सदस्य बनना होगा। फिर मैंने उससे पूछा कि क्या मैं अंदर आ सकता हूं उसने कहा– हां, लेकिन आपको सदस्य बनना होगा।

फेडरर ने कहा– मैंने उस गार्ड को आखिरी बार देखा और मुझे बहुत खेद है और मैं विश्वास नहीं कर पा रहा हूं कि मैंने यह कहा– मैंने यह टूर्नामेंट आठ बार जीता है। कृपया मुझ पर विश्वास करें, मैं यहां का एक सदस्य हूं! मुझे अभी भी यह सोचकर बुरा लग रहा है। फेडरर ने कहा कि उन्हें दूसरे गेट तक ड्राइव करना पड़ा, जहां उन्हें अंततः एक सुरक्षा गार्ड ने पहचान लिया। उस गार्ड ने फेडरर के साथ एक तस्वीर क्लिक की और एएलटीईसी अध्यक्ष के साथ एक बैठक आयोजित की।

फेडरर ने कहा– जब मैंने कहा कि मैंने आठ बार विम्बलडन जीता है, तो मैं कुछ देर के लिए सोच में पड़ गया और मुझे यकीन हुआ कि यह आठ था, क्योंकि मुझे लगा कि यह सात था, क्या यह आठ था मुझे नहीं पता। हालांकि, मुझे वह कहना पड़ा क्योंकि मैं उस तरह से कभी बात नहीं करता हूं।

वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद स्पेन को एक और झटका, कोच एनरिके हटाए गए

दोहा।

2010 की चैंपियन स्पेन राउंड ऑफ–16 में हारकर फीफा वर्ल्ड कप से बाहर हो गई। उन्हें मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में हरा दिया। फुल टाइम के बाद एक्स्ट्रा टाइम तक दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकी थीं। अब स्पेन को एक और झटका लगा है। स्पेन फुटबॉल फेडरेशन ने मौजूदा कोच लुईस एनरिके को उनके पद से हटा दिया है। साथ ही स्पेन अंडर–21 टीम के कोच लुईस डे ला फुएंते को जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्पेन ने फीफा वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज के दौरान कोस्टा रिका को 7–0 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी। हालांकि, जर्मनी के खिलाफ ड्रॉ और फिर जापान से 2–1 से हार के बावजूद टीम नॉकआउट के लिए क्वालिफाई करने में कामयाब रही थी। स्पेन की टीम मोरक्को के खिलाफ अपने अंतिम –16 मैच के लिए फेवरेट थी,

लेकिन एक्स्ट्रा टाइम में भी स्पेन की टीम कोई गोल नहीं कर सकी और पेनल्टी शूटआउट में मोरक्को के गोलकीपर ने ज्यादा बचाव किए। (फुटबॉल संघ) ने एक बयान में कहा– अध्यक्ष लुइस रुबियल्स और खेल निदेशक, जोस फ्रांसिस्को मोलिना दोनों ने कोच को अपना फैसला बता दिया है। उन्होंने कहा कि वे लुइस एनरिके और उनके कर्मचारियों को उनके काम के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने एक नया प्रोजेक्ट शुरू करने का फैसला किया है। कुछ ही समय बाद महासंघ ने घोषणा की कि फुएंते, जिन्होंने पिछले साल के ओलंपिक में स्पेन की पुरुष टीम को रजत पदक दिलाया था, स्पेन फुटबॉल टीम के नए कोच बनाए गए। लुइस एनरिके ने मंगलवार को मोरक्को से मिली हार के बाद कहा था कि वह कोच के पद पर बने रहना चाहते हैं। एनरिके ने कहा था– मैं स्पेनिश फुटबॉल एसोसिएशन, अध्यक्ष और खेल निदेशक के साथ बहुत खुश हूं। एनरिके ने कहा– अगर फैसला मेरे ऊपर होता तो मैं जीवन भर रहता, लेकिन ऐसा नहीं है। मुझे शांति से सोचना होगा कि मेरे लिए और राष्ट्रीय टीम के लिए सबसे अच्छा क्या है। स्पेन ने पिछली बार यूरो 2012 (यूरो कप) में कोई मेजर ट्रॉफी जीती थी, जबकि 2010 में दक्षिण अफ्रीका में जीत के बाद से उन्होंने विश्व कप में एक भी नॉकआउट गेम नहीं जीता है। लुइस एनरिके ने रूस में पिछले विश्व कप में स्पेन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद 2018 में पदभार संभाला और ला रोजा को यूरो 2020 के सेमीफाइनल में पहुंचाया, जहां उन्हें इटली द्वारा पेनल्टी शूटआउट में हराया गया था। स्पेन के कोच के रूप में टिकी–टाका वाले खेल को बनाए रखना उनकी विशेषता रही। हालांकि, पिछले कुछ समय से इससे स्पेन को कामयाबी नहीं मिली है। मोरक्को के खिलाफ स्पेन ने 1,000 से अधिक पास किए, लेकिन इससे कुछ भी हासिल नहीं हुआ। इस पर एनरिके ने कहा– हम खेल में हावी थे, लेकिन हमारे पास गोल करने की कमी थी। हम अंतिम क्वार्टर में अधिक प्रभावी हो सकते थे, लेकिन मेरे खिलाड़ियों ने जो किया उससे मैं संतुष्ट हूं। उन्होंने फुटबॉल के बारे में मेरे विचार का पूरी तरह से प्रतिनिधित्व किया। लुइस एनरिके के प्रतिस्थापन के रूप में फुएंते की घोषणा की और उनकी नियुक्ति की पुष्टि अगले सप्ताह महासंघ के निदेशक मंडल द्वारा की जाएगी।

साल का समापन विश्व नंबर दो के रूप में करना सुखद : सुकांत कदम

नई दिल्ली। भारतीय पैरा शटलर सुकांत कदम ने पिछले कुछ महीनों में अंतर्राष्ट्रीय सर्किट में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत एसएल 4 वर्ग में विश्व में नंबर दो रैंकिंग हासिल कर ली है। सुकांत ने हाल में लीमा में संपन्न पेरू पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में स्वर्ण पदक जीता था। सुकांत ने नवम्बर में टोक्यो में बीडब्लूएफ पैरा विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता था। भारतीय शटलर रैंकिंग में फ्रांस के लुकास मजूर से पीछे हैं जो एसएल 4 वर्ग में विश्व और पैरालम्पिक चैंपियन हैं। सुकांत ने इस उपलब्धि के बारे में कहा, मुझे विश्व नंबर दो बनने की बहुत खुशी है। मैंने ट्रेनिंग में काफी मेहनत की थी जो अब परिणामों में दिखाई दे रही है। साल का समापन विश्व नंबर दो के रूप में करना काफी सुखद है।

दुल्हन अपने चेहरे पर न कराएं वैक्स

कोरोना संक्रमितों की संख्या में एक बार फिर से इजाफा होने के बाद सब कुछ एक बार फिर से बंद होना शुरू हो गया है। जहां एक तरफ संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही है तो वहीं शादियों का सिलसिला भी जारी है। इन दिनों शादियों का सीजन है और हर दुल्हन सबसे ज्यादा खूबसूरत दिखने के लिए कई कोशिशें कर रही हैं। दुल्हन अपने चेहरे पर निखार पाने के लिए काफी कुछ ब्यूटी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं। ऐसे में कई ब्यूटी टिप्स उनके लिए परेशानी का सबब भी बन जाते हैं। जिनमें से एक है चेहरे के अनचाहें बालों को वैक्स से रिमूव कराना। चेहरे के अनचाहे बाल यकीनन हमारी सुंदरता में दाग लगाते हैं लेकिन इनको जब वैक्स से रिमूव कराया जाता है तो यह कई सारी स्किन प्रोब्लम अपने साथ लेकर आते हैं। जैसे एक्ने, स्किन रैश और न जाने क्या। कई लोगों को तो इससे इंफेक्शन तक हो जाता है। ऐसे में हर लड़की इससे बचने के बारे में सोचती है। ऐसे में अगर आप अपने फेशियल हेयर को रिमूव करना चाहती हैं तो आप ओटमील का इस्तेमाल कर सकती हैं। आईए जानते हैं कि ओटमील से कैसे चेहरे के अनचाहें बालों को रिमूव किया जा सकता है।

कैसे बनाएं ओटमील फेस मास्क

इसे बनाने के लिए आपको चाहिए ओटमील पेस्ट, शहद और नींबू का रस। फिर ओटमील को थोड़ी देर के लिए पानी में भिगोकर इसका पेस्ट तैयार करें। एक बाउल में ओटमील का पेस्ट डालें और इसमें शहद और नींबू मिलाएं। फिर सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करें।

कैसे करें इस्तेमाल

इसे यूज करने के लिए सबसे पहले अच्छी तरह से क्लीन्जर से चेहरे को साफ करें। फिर फेस और गर्दन पर इस पेस्ट को अच्छे से लगाएं। कम से कम दस मिनट तक लगा रहने के बाद हाथों को गीला करें और गोल घुमाते हुए चेहरे की मसाज करें। उंगलियों को घुमाते हुए फेस मास्क को हटाएं। हफ्ते में एक बार इसका इस्तेमाल करें।

क्या हैं इस मास्क के फायदे

ओटमील के साथ नींबू और शहद चेहरे के बालों को कम करने का एक अच्छा तरीका है। इसके इस्तेमाल से फेशियल हेयर के साथ ब्लैकहेड्स भी कम होते हैं। साथ ही स्किन ग्लोइंग बनती है।

सेहत के लिए फायदेमंद हैं ये पौध

घर में गार्डन बनाने का सपना कई लोग देखते हैं लेकिन इसको पूरा बहुत कम लोग करते हैं। अगर आप भी घर में पौधों को लगाना चाहते हैं तो जरूरी नहीं है कि उसके लिए बहुत बड़ा गार्डन हो या फिर बहुत बड़ी जगह हो, अगर आपके घर में बालकनी है तो भी आप अच्छे खासे पौधे लगा सकती हैं। पेड़ पौधे न केवल पर्यावरण को सुधारते हैं, बल्कि हेल्थ को अच्छा रखते हैं और आस पास को खुशनुमा रखते हैं। इनमें कई ऐसे गुण होते हैं, जो सेहत के लिए बेहद फायदेमंद साबित होते हैं। कई ऐसे पौधे हैं जिनका इस्तेमाल सदियों से आयुर्वेदिक दवाओं को बनाने और जड़ी बूटियों को बनाने के लिए किया जाता है। इन पौधों कि पत्तियों का इस्तेमाल बीमारियों का इलाज करने के लिए किया जाता रहा है। ये रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के साथ तनाव को कम कर डिप्रेशन की समस्या से कोसों दूर रखता है। ऐसे में आज हम आपको बता रहे हैं उन पेड़ पौधों के बारे में जिनके औषधीय गुण सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं।

1) तुलसी

तुलसी का पौधा वातावरण को शुद्ध रखने के साथ ही सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है।

विटामिन सी, कैल्शियम और मिनरल्स से भरपूर यह स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से निजात दिलाने के साथ इम्यूनिटी पॉवर को मजबूत बनाने में भी मदद करता है। इसमें पर्याप्च मात्रा में एंटी ऑक्सीडेंट, एंटी इंफ्लेमेट्री गुण और एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। इसमें मौजूद यूजुनॉल और रोजमेरिक एसिड तनाव को कम करते हैं और डिप्रेशन की समस्या से दूर रखने में कारगार होता है।

2) रोजमेरी

रोजमेरी का पौधा ना केवल खूशबू वाला होता है, बल्कि सेहत के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। एंटी ऑक्सीडेंट से भरपूर रोजमेरी इम्यूनिटी पॉवर बढ़ाने में मदद करती हैं इसी के साथ ये ब्लड सर्कुलेशन में सुधार भी करती हैं।

3) लेमनग्रास

लेमन ग्रास दिखने में साधारण होते हैं लेकिन सेहत के लिए ये काफी फायदेमंद होती हैं। इसमें नींबू की महक आती है जो इसके महत्व को कई गुना तक बढ़ा सकती हैं। एंटी ऑक्सीडेंट, एंटी इंफ्लेमेट्री और एंटी सेप्टिक गुणों से भरपूर यह टाइप 2 डायबिटीज मोटापा, कैंसर, इंसोमनिया और सांस संबंधी बीमारियों से निजात दिलाने के साथ इनके संक्रमण से दूर रखने में मददगार साबित होती हैं।

4) ऑरिगेनो

ये पौधा लंबा होने के साथ ही तुलसी और पुदीने की तरह दिखता है। यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के साथ मांसपेशियों के इलाज में भी मददगार होता है। इसी के साथ ये दिल स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है।

स्प्राउट्स सलाद बनाने के आसान तरीके

अगर आप अपनी सुबह की शुरुआत हेल्दी नाश्ते के साथ कर करना चाहते हैं तो स्प्राउट्स सलाद को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। हालांकि कई बार लोग स्प्राउट्स सलाद को अच्छी तरह न बना पाने के कारण इनसे किनारा कर लेते हैं। अगर आपकी भी यही परेशानी है तो आईए जानते हैं आखिर कौन से टिप्स अपनाकर आप स्प्राउट्स सलाद जैसे हेल्दी ऑप्शन को डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

हेल्दी स्प्राउट्स सलाद बनाने के लिए अपनाएं ये तरीके-

पहला तरीका-

स्प्राउट्स सलाद बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े बाउल में अंकुरित मूंग दाल, चना, राजमा और सोयाबीन डालकर अच्छी तरह एक साथ मिला दें। अब स्प्राउट्स में बारीक कटे टमाटर, कटी हरी मिर्च, भुना हुआ जीरा, चुटकी भर हींग, ऑलिव ऑयल और नींबू का रस डालकर इन सभी चीजों को भी एक साथ अच्छी तरह मिक्स करके इसमें स्वादानुसार नमक मिला दें। आपका टेस्टी स्प्राउट्स सलाद बनकर तैयार है।

स्प्राउट्स सलाद बनाने का दूसरा तरीका-

अक्सर कई लोग सिर्फ इसलिए स्प्राउट्स खाना पसंद नहीं करते क्योंकि उन्हें इसका कच्चा स्वाद अच्छा नहीं लगता। अगर आपके साथ भी कुछ ऐसा है तो आप स्प्राउट्स को इस तरह से डाइट में शामिल कर सकते हैं। सबसे पहले एक कुकर में आधा टी स्पून तेल डालकर गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें आधा चम्मच जीरा डाल दें। जब जीरा चटकने लग जाए तो उसमें चुटकीभर हल्दी और चुटकी भर हींग डालकर स्पून से मिक्स करें। अब इसमें थोड़ा सा नमक डालकर स्प्राउट्स इसमें मिलाकर गैस की फ्लेम धीमी करके कुकर का ढक्कन लगा दें। 5 मिनट तक इन्हें पकाने के बाद गैस बंद कर दें। कुकर का प्रेशर खत्म होने के बाद ढक्कन खोलें और स्प्राउट्स को एक बाउल में निकालकर उसमें टमाटर, प्याज, ऑलिव ऑयल, स्वादानुसार नमक और नींबू का रस डालकर लगभग 2-3 मिनट तक अच्छे से मिक्स करें। आपके टेस्टी स्प्राउट्स सलाद बनकर तैयार हैं।

मुंह से कच्चे प्याज की बदबू दूर करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

अक्सर लोग शादी-पार्टी में सलाद में परोसा गया कच्चा प्याज खाने से बचते हैं। कच्चा प्याज खाने से मुंह से प्याज की बदबू आने लगती है जो कई बार दूसरे व्यक्ति के सामने एंबेरेसमेंट का कारण भी बन जाती है। अगर आप भी इसी एंबेरेसमेंट से बचने के लिए लोगों के सामने कच्चा प्याज खाने से बचते हैं तो बिना टेंशन कच्चे प्याज का स्वाद लें इन टिप्स के साथ।

मुंह से कच्चे प्याज की बदबू को दूर करने के उपाय-

ताजे फल और सब्जियां-

कई स्टडी बताती हैं कि ताजे फल और सब्जियां खाने से मुंह में मौजूद सल्फर की स्मेल काफी हद तक ठीक हो जाती है। इसके लिए आप फ्रेश सेब या कच्ची लेटस खाकर मुंह से आने वाली बदबू को काफी हद तक दूर कर सकते हैं।

पार्सले-

प्याज की स्मेल को तुरंत दूर करने के लिए आप पार्सले या अजमोद को खा सकते हैं। ये प्याज की स्मेल को दूर करने के साथ मुंह में फ्रेशनेस को भी बनाए रखता है। आप मुंह की बदबू हटाने के लिए तुलसी की पत्तियां चबाने के साथ अजवाइन भी खा सकते हैं।

पुदीने की पत्तियां-

पुदीने की पत्तियां मुंह से आने वाली प्याज और लहसुन दोनों की स्मेल को काफी हद तक कम कर सकती हैं।

एप्पल साइडर विनेगर-

एप्पल साइडर विनेगर का इस्तेमाल मुंह से आने वाली प्याज की बदबू को कम कर देता है। इसके लिए 1 चम्मच में एप्पल साइडर विनेगर लेकर पानी में घोलकर इस पानी को पी लें। ध्यान रखें, इसका अधिक सेवन करने से बचना चाहिए।

ग्रीन टी -

ग्रीन टी को हर्बल ड्रिंक भी माना जाता है। खाना खाने के बाद ना सिर्फ ग्रीन टी का सेवन डायजेशन में मदद करती है बल्कि ये मुंह की बदबू को हटाने में भी मदद करता है।

चिविंग गम-

प्याज की बदबू मुंह से हटाने के लिए आप चिविंग गम का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसके लिए आप अलग-अलग फ्लेवर वाली चिविंग गम ट्राई कर सकते हैं।

कूलर-एसी नहीं हीट शॉक रिस्पांस से पेड़-पौधे दूर भगाते हैं अपनी गर्मी

इंसान गर्मी के मौसम में अपने शरीर का तापमान नियंत्रित रखने के लिए कूलर-एसी अपनाते हैं। आप जानकर हैरान होंगे कि पेड़-पौधे भी अपने बढ़े पारे (हीट स्ट्रेस) का सामना एक खास तरीके से करते हैं। यह तरीका हीट शॉक रिस्पांस कहलाता है। एंबो नामक पत्रिका में प्रकाशित एक नए अध्ययन में यह दावा किया गया है। यह हीट शॉक रिस्पांस (सभी जीवों में सामान्य) प्रोटियोटॉक्सिक स्ट्रेस के कारण बढ़े नुकसानों से कोशिकाओं की रक्षा करता है। बता दें प्रोटियोटॉक्सिक स्ट्रेस, पेड़-पौधों में प्रोटीन को क्षति पहुंचाता है। यह स्ट्रेस न केवल गर्मी या बढ़े हुए तापमान से होता है बल्कि यह कुछ विषाक्त पदार्थ, पराबैंगनी प्रकाश या मिट्टी की लवणता का भी नतीजा हो सकता है। हीट शॉक रिस्पांस, कोशिकाओं की कई तरह से हिफाजत करता है।

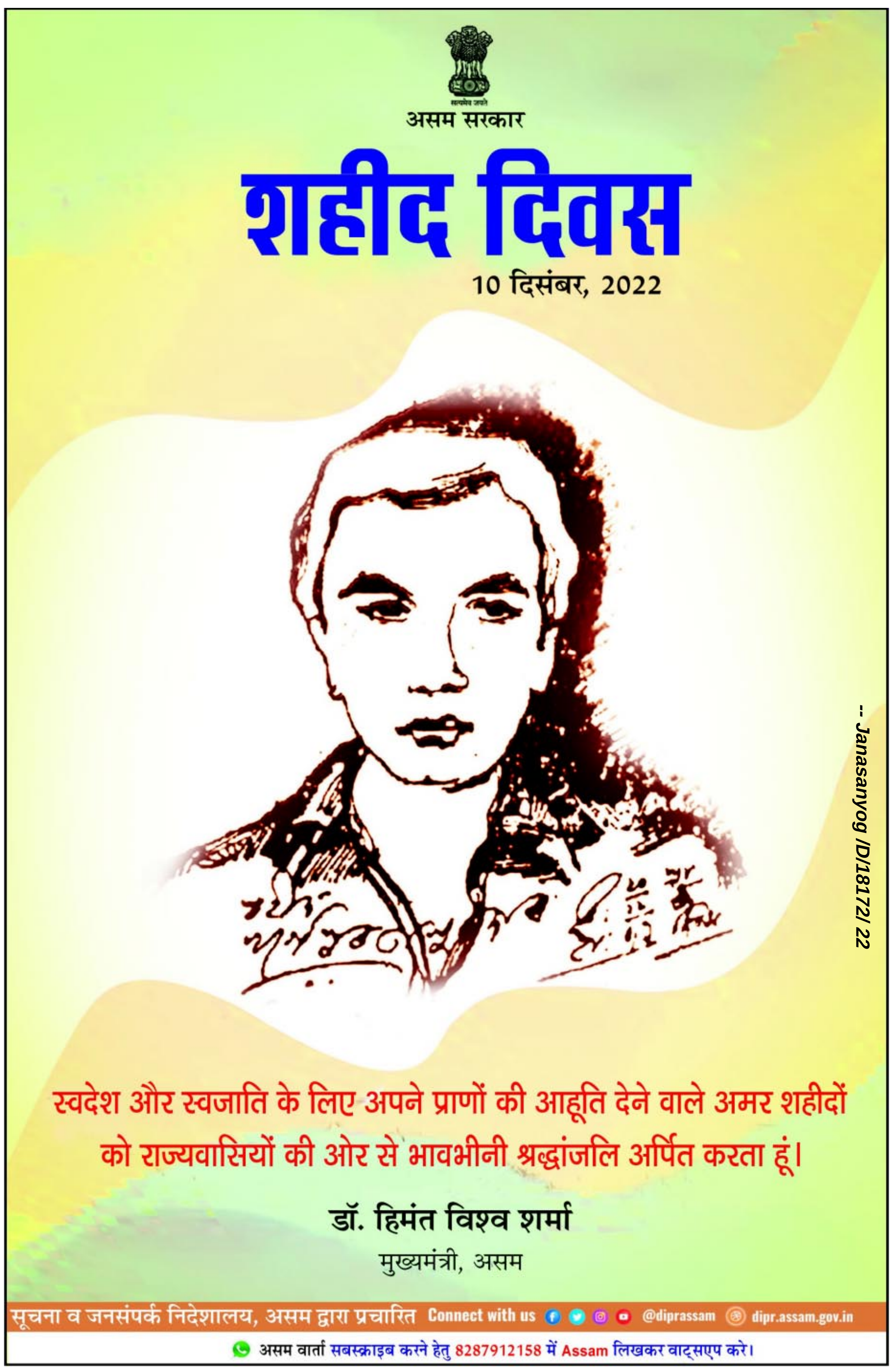

आयुर्वेदिक नुस्खों से करें ल्यूकोरिया यानी व्हाइट डिस्चार्ज की समस्या का जल्द समाधान

वैसे तो ल्यूकोरिया या व्हाइट डिस्चार्ज सामान्य रूप से लगभग सभी महिलाओं को होता है लेकिन जब यह सामान्य से ज्यादा होने लगे और समस्या लंबे समय तक बनी रहे तो समय से इसका उपचार करा लेना जरूरी हो जाता है। प्राइवेट पार्ट में जलन, खुजली और बेचैनी किसी बीमारी या संक्रमण का कारण हो सकती है। इस बीमारी से महिलांए खुद को काफी कमजोर और थका हुआ महसूस करती हैं। कई बार तो इस समस्या के कारण पेट और कमर में भयंकर दर्द भी होने लगता है। आयुर्वेदिक वैद्य शकुंतला देवी की मानें तो आयुर्वेद में व्हाइट डिस्चार्ज से नैचुरली राहत पाने के कई उपाय मौजूद हैं। इस समस्या को साफ-सफाई, उचित खान पान पर कुछ आयुर्वेदिक नुस्खों द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है।

शकुंतला देवी इस समस्या के इलाज के लिए दो आयुर्वेदिक नुस्खे बता रही हैं। दोनों ही कारगर हैं। एक उपाय में भस्मों का प्रयोग है तो दूसरे में पौधों का-

- वसंत कुसमाकर रस 10 ग्राम, त्रिवंग भस्म 5 ग्राम, अभ्रक भस्म 5 ग्राम, गिलोय सत 10 ग्राम, प्रवाल पिष्टी 10 ग्राम, मुक्ता पिष्टी 4 ग्राम, गोदंती भस्म 10 ग्राम। इन सभी को एक साथ मिला कर अपनी उम्र, रोग व शारीरिक क्षमता के अनुसार वैद्य की सलाह से .25 ग्राम या 1 ग्राम की मात्रा में सुबह शाम खाली पेट शहद या मलाई के साथ लिया जा सकता है।

-इसके साथ ही स्त्री रसायन वटी, चंद्र प्रभा वटी इन दोनों ही गोलियों का सेवन खाना खाने के 30 मिनट बाद करें। (दोनों की एक-एक गोली सुबह और शाम)

- जिनके लिए भस्मों का प्रयोग मुश्किल है या फिर सलाह के लिए आस-पास कोई वैद्य उपलब्ध नहीं है, वो पौधों का इस्तेमाल कर सकते हैं। क्योंकि इसके सेवन के लिए वैद्य की सलाह की जरुरत नहीं होती है। बला, महाबला, अतिबला और नागबला पौधों के पंचांग से एक मिश्रण तैयार करें। पंचांग का अर्थ है किसी भी पौधे के पांचों भाग मसलन जड़, तना, पत्तियां, बीज और फूल। इन सभी पौधों के पंचांग को पीस कर छान लें। अब इस मिश्रण को पांच ग्राम की मात्रा में सुबह और शाम खाली पेट दूध या पानी के साथ लिया जा सकता है।

- परहेज के तौर पर चाय, कॉड़ी, तेज मिर्च मसले, खटाई व समुद्री नमक का सेवन न करें औषधि जल्द लाभ देंगी।

- वैसे इस समस्या से बचने के लिए आप रोजाना एक मुट्ठी भुने चने का सेवन भी कर सकती हैं। इससे आपके शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिल जाते हैं। साथ ही भूने चनों में सोखने की क्षमता होती है।

- समस्या से छुटकारा पाने के लिए वेजिना की साफ-सफाई पर खास ध्यान देना होगा। इसके लिए आप आयुर्वेदिक हर्बल पानी में बैठने या नीम की काढ़े से वेजिना की सफाई जैसी थैरेपी भी ले सकते हैं। शकुंतला देवी त्रिफला वेजाइनल वॉश इस्तेमाल करने की सलाह भी देती हैं।

- इसे बनाने के लिए दो चम्मच त्रिफला चूर्ण में चुटकी भर हल्दी मिला लें और एक ग्लास पानी में डालकर उबाल लें। जब ये एक चौथाई रह जाए तो इसे ठंडा कर लें और अब इस काढे से वेजिना को कॉटन की मदद से अच्छे से साफ करें। फिटकरी के पानी से भी वेजिना को साफ किया जा सकता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)